हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
दुमका, औरंगाबाद, आरा एवं पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
● दुमका ● वर्ष -04 ● अंक - 276 ● शुक्रवार 21 नवंबर 2025 ● रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 ● पृष्ठ -12 ● मूल्य : 2 रुपये

'गांधी के आंगन' में 'सुशासन बाबू' ने ली शपथ

10वीं बार कहा- मैं नीतीश कुमार...

10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की मौजूदगी में राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी। पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा शासित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के एतिहासिक गांधी मैदान में 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश कुमार के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोटे से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। आज नीतीश मंत्रिमंडल में जिन मंत्रियों को शपथ दिलाई गई, उनमें जमुई विधानसभा सीट से जीतीं श्रेयसी सिंह भाजपा की ओर से युवा चेहरों में शामिल हैं। इसके अलावा रमा निषाद को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है, जो इस बार अराई विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर आई है। ये दोनों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली है।

नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल चेहरेः सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, विजय चौधरी, विजय प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडे, डॉ दिलीप जायसवाल, अशोक चौधरी, लेसी सिंह, मदन साहनी, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार, मोहम्मद जमा खान, संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लाखेंद्र कुमार रोशन, श्रेयसी सिंह, प्रमोद कुमार, संजय कुमार, संजय कुमार सिंह और दीपक प्रकाश। अनुभवी और युवाओं से सजे नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल मंगल पांडे, नितिन नवीन, अशोक चौधरी, श्रवण कुमार जैसे नेता पहले भी अलग-अलग विभागों का जिम्मा संभाल चुके हैं। दूसरी तरफ श्रेयसी सिंह, दीपक प्रकाश, लाखेंद्र कुमार रोशन, रमा निषाद जैसे युवा चेहरे भी शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में मैथिली ठाकुर, सांसद व गायक मनोज तिवारी और भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने अपनी प्रस्तुति देकर भीड़ को झूमने पर मजबूर कर दिया। नई सूची में सभी प्रमुख वर्गों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश साफ दिखती है। दलित, अति पिछड़ा, पिछड़ा, महिलाओं और अल्पसंख्यक समाज से आने वाले नेताओं को मंत्रिमंडल में पर्याप्त स्थान दिया गया है। श्रेयसी सिंह, रमा निषाद और लेसी सिंह जैसी महिला नेताओं को शामिल करना राजग की महिला सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। साथ ही मोहम्मद जमा खान जैसे अल्पसंख्यक चेहरे का शामिल होना भाजपा-जदयू सरकार के सामाजिक संतुलन के प्रयास को रेखांकित करता है।

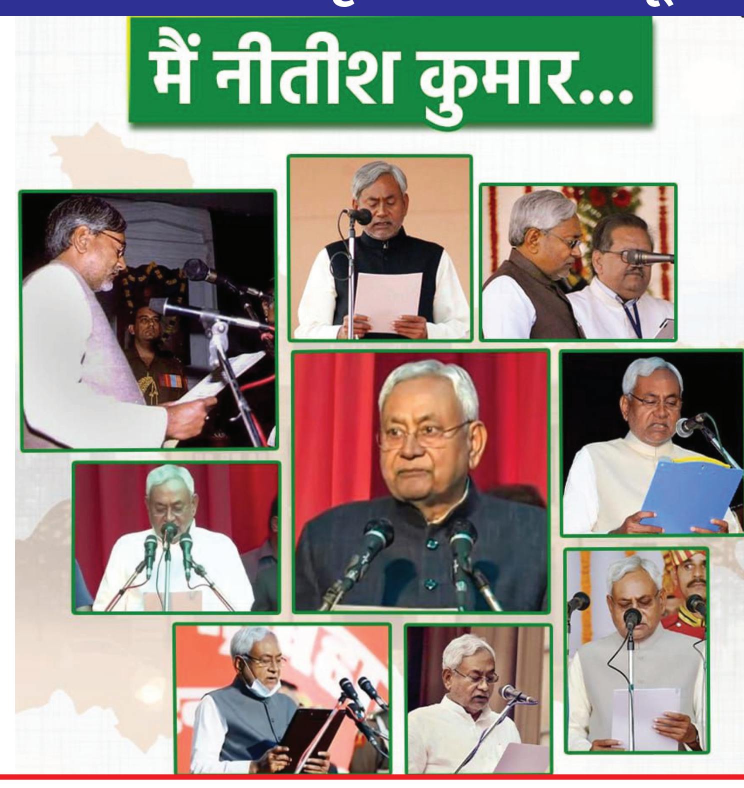

नीतीश कुमार कैबिनेट

मंत्रियों की पूरी लिस्ट

JDU-9
- नीतीश कुमार
- विजय कुमार चौधरी
- विजयेंद्र प्रसाद यादव
- श्रवण कुमार
- अशोक चौधरी
- लेसी सिंह
- मदन सहनी
- मोहम्मद जमा खान
- सुनील कुमार

BJP-14
- विजय कुमार सिन्हा
- सम्राट चौधरी
- मंगल पांडे
- दिलीप जायसवाल
- नितिन नवीन
- राम कृपाल यादव
- श्रेयसी सिंह
- संजय टाइगर
- रमा निषाद
- नारायण शाह
- सुरेंद्र मेहता
- लखेंद्र पासवान
- अरूण शंकर प्रसाद
- प्रमोद चंद्रवंशी

HAM-1
- संतोष कुमार सुमन

LJP(R)-2
- संजय पासवान
- संजय कुमार सिंह

RLP-1
- दीपक प्रकाश

बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की स्थिरता का दौर दोहराएंगे नीतीश?

बिहार की राजनीति में फिर उठी दीर्घकालिक नेतृत्व की गूंज

एजेंसी। पटना

बिहार की राजनीति एक बार फिर स्थिरता, लंबे कार्यकाल और सुशासन की बहस के केंद्र में है। प्रदेश की सत्ता में उतार-चढ़ाव, गठबंधन की उठापटक और दल-बदल के बीच यह सवाल जोर पकड़ रहा है कि क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में वही स्थिर शासन का दौर दोबारा ला पाएंगे, जिसकी मिसाल स्वतंत्र भारत के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह (डॉ. एसके सिंह) ने कायम की थी?

श्रीकृष्ण सिंह : 14 साल 304 दिनों की अभूतपूर्व स्थिरता : 1946 से 1961 तक लगातार सत्ता में रहे डॉ. श्रीकृष्ण सिंह बिहार की राजनीति के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता हैं। उनके कार्यकाल ने बिहार को प्रशासनिक मजबूती, औद्योगिक विकास और राजनीतिक स्थिरता का वह मॉडल दिया, जिसे आज भी 'गोल्डन पीरियड' कहा जाता है। यही वजह है कि जब भी बिहार में स्थिर नेतृत्व की चर्चा होती है, उनकी छवि सबसे आगे खड़ी दिखाई देती है।

नीतीश कुमार : 18 साल से राजनीति का सबसे प्रभावकारी चेहरा : नीतीश कुमार भले बीच-बीच में इस्तीफों, गठबंधन-परिवर्तनों और राजनीतिक समीकरणों के कारण अलग-अलग कार्यकालों में रहे हों, लेकिन 2005 से 2024 तक वे लगभग पूरे समय बिहार की सत्ता और सत्ता की धुरी बने रहे। सुशासन बाबू की छवि, सामाजिक न्याय की नई व्याख्या और विकास की राजनीति ने उन्हें पिछले दो दशकों में बिहार का सबसे निर्णायक चेहरा बना दिया। राजनीतिक विश्लेषक लव कुमार मिश्र की मानें तो नीतीश का प्रभाव श्रीकृष्ण सिंह के बाद सबसे स्थिर और सबसे व्यापक माना जाता है। भले ही समयखंड अलग-अलग टुकड़ों में रहा हो, लेकिन जनता पर पकड़ लगातार मजबूत रही।

स्थिरता की तलाश में बिहार, क्या इतिहास दोहराएगा खुद को? : बिहार की राजनीति में पिछले 60 वर्षों में ऐसा कोई नेता नहीं आया जिसने श्रीकृष्ण सिंह जैसा निरंतर और ठोस नेतृत्व दिया हो। लालू प्रसाद यादव का 15 वर्षों का दौर सामाजिक बदलाव का प्रतीक रहा, लेकिन राजनीतिक-प्रशासनिक अस्थिरता की आलोचनाएं भी उससे जुड़ी रहीं। वहीं, नीतीश कुमार ने विकास, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सुधार को केंद्र में रखकर लंबी रेस में खुद को स्थापित किया। आज जब बिहार में फिर से स्थिरता, सुशासन और दीर्घकालिक नेतृत्व की बहस गर्म है, तब राजनीतिक हलकों में यह तुलना स्वाभाविक रूप से सामने आती है। क्या नीतीश अब श्रीकृष्ण सिंह की तरह एक बार फिर बिहार को स्थिर नेतृत्व का नया अध्याय दे सकते हैं?

जनता की उम्मीदें और राजनीतिक संकेत : लोकसभा चुनाव 2024 के बाद बिहार की राजनीति में जो नए समीकरण बने हैं, उन्होंने नीतीश को फिर केंद्र में ला खड़ा किया है। उनकी स्वीकार्यता, नेतृत्व कौशल और प्रशासन पर पकड़ को देखते हुए कुछ राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि बिहार एक बार फिर दीर्घकालिक शासन मॉडल की ओर बढ़ सकता है। हालांकि विपक्ष तर्क देता है कि आज का समय 1950-60 के दशक जैसा नहीं है, इसलिए किसी भी नेता के लिए श्रीकृष्ण सिंह जैसी स्थिरता पाना आसान नहीं। लेकिन- समर्थकों का दावा है कि बिहार में जनता अब छलांग वाले विकास, स्थिर माहौल और स्पष्ट नेतृत्व चाहती है और नीतीश उस उम्मीद के सबसे सशक्त केंद्र बने हुए हैं।

बिहार फिर स्थिर नेतृत्व की राह पर, नीतीश लिखेंगे श्रीकृष्ण सिंह युग का अगला अध्याय : बिहार की राजनीति में स्थिरता की तलाश नई नहीं, लेकिन आज इसकी जरूरत पहले से कहीं ज्यादा महसूस हो रही है। इतिहास गवाह है कि श्रीकृष्ण सिंह ने बिहार को जिस मजबूती पर खड़ा किया था, वैसी स्थिरता लौटाने का अवसर फिर सामने है। अब यह समय ही बताएगा कि क्या नीतीश कुमार उस विरासत को अगला अध्याय दे पाएंगे या बिहार को किसी नए चेहरे की प्रतीक्षा करनी होगी।

सेना पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी राहुल गांधी को राहत

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे एक मामले में राहत दी है। कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर साल 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। दो जजों की पीठ जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने यह फैसला लिया। कोर्ट ने सुनवाई यह कहते हुए टाल दी कि सुनवाई टालने के लिए एक लेटर भेजा गया था। बता दें यह पूरा मामला राहुल गांधी की कथित टिप्पणी से जुड़ा है, जिसको लेकर आरोप लगे हैं कि कांग्रेस नेता ने सेना का अपमान किया है। राहुल गांधी ने 29 मई के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने लखनऊ की ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को रद्द करने की मांग की थी।

बता दें इससे पहले अगस्त में हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया था। वहीं, यूपी की योगी सरकार और शिकायतकर्ता से जवाब मांगा था। हालांकि उसी दौरान कोर्ट ने पूछा था कि उन्होंने कैसे यह कह दिया कि 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि चीन के कब्जे में है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने प्रकाशित कंटेंट की जिम्मेदारी लेनी चाहिए : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी। नई दिल्ली

सिंगापुर में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक स्थिर, जिम्मेदार और नवाचार आधारित डिजिटल एवं आर्थिक भविष्य के लिए भारत की दृष्टि स्पष्ट की। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद का उल्लेख करते हुए कहा कि उच्च विकास दर और मध्यम मुद्रास्फीति के साथ देश आने वाले वर्षों में स्थिर नीतिगत वातावरण, प्रक्रियाओं का सरलीकरण और सतत विकास प्रदान करता रहेगा। उन्होंने वैश्विक निवेशकों को अगले वर्ष नई दिल्ली में होने वाले न्यू इकोनॉमी फोरम में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। डिजिटल दुनिया की चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि डीपफेक, सिंथेटिक सामग्री और तेजी से फैलने वाली अफवाहें नागरिकों और संस्थाओं के बीच भरोसे को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने प्रकाशित और प्रसारित कंटेंट की जिम्मेदारी लेनी चाहिए ताकि किसी व्यक्ति, समुदाय या समाज को नुकसान न पहुंचे। वैष्णव ने भारत के "टेक्नो-लीगल" डिजिटल गवर्नेंस मॉडल की व्याख्या करते हुए बताया कि डेटा प्रोटेक्शन एक्ट सिद्धांत-आधारित है, जो तेजी से बदलती तकनीकों के अनुरूप विकसित हो सकता है और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा, "हम नवाचार और नियमन के संतुलित संयोजन में विश्वास करते हैं, जहां नवाचार को बढ़ावा देते हुए संभावित जोखिमों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके। मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत में काम करने वाली कंपनियों को संविधान, कानून व्यवस्था और देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, "प्लेटफॉर्म्स को उस देश के सामाजिक संदर्भ, विविधता और संवेदनशीलताओं को समझते हुए जवाबदेह तरीके से काम करना चाहिए जिसमें वे संचालन कर रहे हैं।

समय सीमा तय नहीं, लेकिन राज्यपाल किसी भी बिल को रोक नहीं सकतेः सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मामले पर गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राज्यपालों की विधायी शक्तियों और उनकी सीमाओं को स्पष्ट करते हुए कहा- राज्यपाल के पास यह अधिकार नहीं कि वह किसी विधेयक को रोककर रखें। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा, कि राज्यपाल के पास बिल पर निर्णय लेने के केवल तीन ही संवैधानिक विकल्प हैं, पहला मंजूरी देना, दूसरा राष्ट्रपति के पास भेजना और तीसरा विधानसभा को वापस भेजना। इस प्रकार राज्यपाल किसी बिल को बिना निर्णय के लंबित नहीं रख सकते, ऐसा करने का उनके पास कोई संवैधानिक आधार नहीं है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को किसी भी बिल पर निर्णय देने की समय-सीमा तय करने की मांग को खारिज कर दिया। सीजेआई गवई ने कहा, संवैधानिक रूप से अनुच्छेद 200 और 201 में लचीलापन डिज़ाइन किया गया है। इसलिए अदालत या विधानमंडल किसी निश्चित समयसीमा को राज्यपाल या राष्ट्रपति पर थोप नहीं सकते। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया, कि राज्यपालों के पास विधानसभा से पारित विधेयकों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है। दरअसल, यह मामला तमिलनाडु राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद का था। राज्यपाल ने यहां राज्य सरकार के बिल रोक रखे थे। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसी वर्ष 8 अप्रैल को कहा था, कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को तीन माह के अंदर फैसला लेना होगा। यह आदेश 11 अप्रैल को सामने आया, जिस पर राष्ट्रपति ने चिंता भी जाहिर की थी और सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे।

कामकाजी महिलाओं से क्यों सुप्रीम कोर्ट ने कहा, समय रहते अपनी वसीयत बना लें

नई दिल्ली। वर्तमान में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। महिलाएं अपने दम पर प्रॉपर्टी भी बना रही हैं। लेकिन, आपने कभी सोचा है कि आत्मनिर्भर महिलाएं अपनी संपत्ति की रक्षा किस तरह से करें? खासकर उन हालातों में जब किसी विवाहित महिला की मौत होती है और उनकी कोई संतान भी नहीं होती हैं। इसतरह के मामलो में उस महिला का पति उनकी संपत्ति का स्वाभाविक उत्तराधिकारी बन जाता है। फिर चाहे महिला को माता-पिता की ओर से प्रॉपर्टी मिली हो या उन्होंने अपनी मेहनत से अर्जित की गई हो। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को अपना वसीयतनामा बनाने की सलाह दी है, ताकि वे अपनी संपत्ति के बारे में खुद फैसला ले सकें। फिर चाहे उनकी खुद की कमाई प्रॉपर्टी हो या माता-पिता से मिली संपत्ति हो। सुप्रीम कोर्ट ने महत्त्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए सभी हिंदू महिलाओं से अपील की कि वे अपनी स्व-अर्जित और अन्य संपत्तियों के बंटवारे को लेकर किसी भी तरह का विवाद टालने के लिए समय रहते वसीयत तैयार कर लें। शीर्ष अदालत ने कहा कि बिना वसीयत के महिलाओं की संपत्ति का उनके माता-पिता को न मिल पाना अक्सर कड़वाहट और तकलीफ का कारण बनता है।

संक्षिप्त समाचार

गोमांस लदा ट्रक जब्त

रांची। रांची के डोरंडा इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गोमांस से भरा एक ट्रक जब्त किया। जानकारी के अनुसार देर रात गश्ती के दौरान पुलिस को संदिग्ध गतिविधि का पता चला, जिसके बाद ट्रक को रोककर जांच की गई। जांच में भारी मात्रा में अवैध गोमांस बरामद होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने ट्रक चालक सहित अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में अवैध पशु मांस परिवहन और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह गोमांस बाहर किसी अन्य जिले या राज्य में सप्लाई किया जाना था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार में विकास और सुशासन की हुई जीत : जेपी

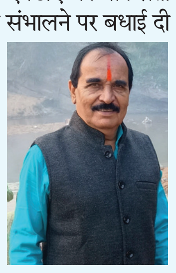

रांची। भाजपा नेता जेपी पांडेय ने बिहार में एनडीए की सफलता और नीतीश कुमार के दोबारा मुख्यमंत्री की कमान संभालने पर बधाई दी है। उन्होंने गुरूवार को प्रेस विज्ञप्त जारी करते हुए कहा कि बिहार में एनडीए के रूप में विकास और सुशासन स्थाकी जीत हुई है। नीतीश कुमार ने बिहार के विकास के लिए अपनी संपूर्ण शक्ति झोंक दी है। उनका साथ भाजपा और लोक जनशक्ति पार्टी शक्ति जैसे मजबूत स्तंभ के रूप में योगदान दे रही हैं। इस जीत से न सिर्फ बिहार की जनता खुश है, बल्कि पूरा देश गदगद है। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस का लगभग सफाया कर बिहार की जनता ने साबित कर दिया है कि बिहार की जनता सिर्फ विकास चाहती है। ताकि राज्य से हो रहे पलायन, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं जैसी अन्य मूलभूत सुविधाएं मिल सके। उम्मीद है कि झारखंड में भी ये दिन देखने को मिले। ताकि बिहार की तर्ज पर पडोसी राज्य झारखंड का सभी सर्वांगीण विकास संभव हो सके।

बाल मेला बच्चों ने कैनवास के जरिए दिखाई प्रतिभा

पूर्वी सिंहभूम। चौथे बाल मेले का माहौल गुरुवार को उस समय और भी खुशनुमा हो गया, जब प्रसिद्ध युवा कलाकार पैक्स सोय मुर्मू ने टाटा स्टील में कार्यरत कुमारी खुशी की मुस्कान को कागज़ पर ऐसे उतारा, मानो भावनाएं शब्द नहीं, रेखाएं बोल रही हों। बाल मेले में कला का यह दृश्य अकेला नहीं था। बाल मेले में कठ अन्य बच्चों ने भी कैनवास के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाई। अलग-अलग शहरों से आए प्रतिभाशाली कलाकार अपनी कूची और कैनवास के साथ बच्चों की कल्पनाओं को रंग दे रहे थे। पूरे आयोजन को दिशा दे रहे थे रांची के प्रतिष्ठित चित्रकार-शिल्पकार दीपांकर कर्मकार ने बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को उनका हस्तनिर्मित पोर्ट्रेट भेंट किया था। राज्यपाल ने उस कलात्मक सौगात को विशेष रूप से सराहा और अपने साथ ले गए। मेले में प्रसिद्ध चित्रकार मुक्ता गुप्ता की उपस्थिति ने भी कला प्रेमियों का उत्साह बढ़ाया।

रांची के 70 जगहों पर अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ चला अभियान

रांची। राजधानी रांची में बुधवार की रात अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया। एसएसपी राकेश रंजन के आदेश पर जिले के सभी थाना प्रभारी और डीएसपी ने करीब 70 जगहों पर अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 183 लोगों को पकड़ा गया। उन्हें हिदायत देकर छोड़ दिया गया। जिन जगहों पर अड्डेबाजी के खिलाफ अभियान चलाया गया। उनमें नामकुम, कांके, बिरला मैदान, विद्यानगर, नरकोपी, लालपुर, हरमू सहित 70 से अधिक स्थान शामिल हैं। इस दौरान बेवजह जमा होकर अड्डेबाजी करने वाले कई युवकों को पुलिस ने खदेड़ कर भगाया गया। साथ ही, कई लोगों को हिदायत देकर छोड़ा। पुलिस पदाधिकारियों ने अड्डेबाजी करने वाले लोगों से सख्त लहजे में कहा कि अगली बार इस तरह का अड्डेबाजी करने पर जेल भेज दिया जाएगा। एसएसपी ने लोगों से अपील की है कि वे मुखर होकर अड्डेबाजी करने वालों की जानकारी दे। अगर आप किसी भी जगह पर अड्डेबाजी करते देखते हैं या उसकी सूचना मिलती है, तो तुरंत हमें जानकारी दें, इस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने बताया कि अक्सर अड्डेबाजी करने वाले लोग नशा करते हैं और आपराधिक घटनाओं की योजना भी बनाते हैं। ऐसे में अपराध पर नियंत्रण पाने के लिए अड्डेबाजी पर लगाम लगाना काफी जरूरी है।

बीएमएस ने सहिया को साढ़े पांच हजार रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा का किया स्वागत

रांची। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) झारखंड प्रदेश के महामंत्री राजीव रंजन सिंह ने राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत कार्यरत सहिया को अप्रैल 2026 से एकमुश्त साढ़े पांच हजार रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा का स्वागत किया है।सिंह ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वर्तमान में सहिया को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रहरी योजना के तहत दो हजार रुपये के अलावा झारखंड स्वास्थ प्रहरी योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से दो हजार रुपये अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि के रुप में दिए जाते हैं। इसी प्रकार चार हजार रुपये अभी प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि मिलती है।उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने केन्द्रांश की राशि दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार पांच सौ रुपये करने की घोषणा का भारतीय मजदूर संघ स्वागत करती है और राज्य सरकार से मांग करती है कि राज्य का अंश भी दो हजार से बढ़ाकर तीन हजार पांच सौ रुपये किया जाए। इससे सहिया को कुल सात हजार प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि मिल सके। उल्लेखनीय है कि अभी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ जैसे प्रदेश प्रतिमाह छह हजार प्रोत्साहन राशि दे रहे हैं। सहिया की राशि बढ़ाने को लेकर बीएमएस ने पूर्व में राजभवन के समक्ष धरना भी दिया था।

रांची सदर अस्पताल में मरीज की मौत पर परिजनों ने किया हंगामा

लापरवाही का लगाया आरोप

एजेंसी। रांची

रांची के सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। मामला बिगड़ता देख पुलिस मौके पर पहुंची है और लोगों को समझाने की कोशिश कर रही है। रांची के चुटिया थाना क्षेत्र निवासी उमेश साहू बुधवार शाम को अस्पताल पहुंचे थे, जहां उनका इलाज डॉक्टर अभिषेक रंजन कर रहे थे। डॉक्टरों की ओर से मरीज में ब्लड कैंसर की आशंका जताई गई थी। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि गुरुवार सुबह तक मरीज की हालत सामान्य थी, लेकिन नर्स की ओर से तीन इंजेक्शन लगाए जाने के कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार बुधवार रात उमेश का बुखार तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन रात 11 बजे तक वार्ड में थर्मामीटर उपलब्ध नहीं कराया गया। कई बार अनुरोध करने के बावजूद कोई डॉक्टर रात में मरीज को देखने नहीं आये। परिजनों का यह भी कहना है कि डॉक्टरों ने ब्लड कैंसर के संदेह में कुछ जांच कराने को कहा था और जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे का इलाज तय किया जाना था, लेकिन मरीज की गंभीर हालत की जानकारी उन्हें मौत के बाद दी गई। इस संबंध में सदर अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ बिमलेश सिंह ने बताया कि मरीज की स्थिति शुरू से ही गंभीर थी। ब्लड कैंसर का संदेह था और मायेलॉयड ल्यूकीमिया जैसी बीमारियां बेहद जटिल होती हैं, जिनमें अचानक किसी भी तरह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब का वॉलीबॉल टूर्नामेंट 21 से

एजेंसी। रांची

मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब, रांची की ओर से थर्ड मेकॉन इन्विटेशन इंटर-सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 21 से 23 नवंबर तक मेकॉन टाउनशिप स्थित श्यामली कॉलोनी के वॉलीबॉल कोर्ट में आयोजित इस टूर्नामेंट में सात प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम शामिल होंगे। इसमें मुख्य रूप से मेकॉन लिमिटेड, गेल (इंडिया) लिमिटेड, सेल रांची युनिट स्पोर्ट्स क्लब, एनटीपीसी-खनन, एनटीपीसी नॉर्थ करनपूरा, पीवीयूएनएल और सीसीएल-रांची के नाम शामिल हैं। मेकॉन लिमिटेड के देवाशीष वर्मा ने गुरूवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य प्रतिभागी पीएसयूएस के बीच खेलभावना, सौहार्द, पारस्परिक सहयोग एवं पेशेवर संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को टूर्नामेंट का उद्घाटन होगा। इसके तुरंत बाद तीन नॉक-आउट मैच खेले जाएंगे। 22 नवंबर को नॉक-आउट विजेता टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। 23 नवंबर 2025 को ग्रैंड फाइनल मैच एवं समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। मेकॉन की ओर से बताया गया कि इस टूर्नामेंट में सहभागी पीएसयूएस के कर्मचारियों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और स्थानीय खेल प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थित होने की संभावना है।

बिहार की प्रचंड जीत का झारखंड पर पड़ेगा दूरगामी असर : सुदेश

एजेंसी। रांची

नीतीश कुमार के 10 वें शपथ ग्रहण समारोह में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो गुरुवार को शामिल हुए। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद नीतीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। उनके साथ पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत और केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि बिहार में एनडीए की प्रचंड और ऐतिहासिक जीत का दूरगामी असर झारखंड की राजनीति पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जनादेश ने साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर जनता ने पूर्ण भरोसा जताया है। जनता ने डबल इंजन की सरकार को फिर से जनादेश दिया है ताकि बिहार का दुगुनी गति से विकास हो। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने इतिहास बनाया है। वहीं समारोह स्थल पर पहुंचने पर सुदेश का स्वागत बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया और उन्हें मंच पर लेकर गए। मंच पर सुदेश महतो की असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा सहित अन्य एनडीए नेताओं के साथ भी मुलाक़ात हुई।

बाल विवाह से मातृत्व की समस्या और पैदा होती है स्वास्थ्य संबंधी परेशानी : सिन्हा

एजेंसी। रांची

झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त सह अध्यक्ष के मार्गदर्शन में और डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में गुरुवार को कांटाटोली चैक स्थित होटल जेनिस्टा ईन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार और स्पार्क एनजीओ के सहयोग से विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी, राजेश कुमार सिन्हा, स्पार्क एनजीओ के सचिव, एचआई फातमी और को-ऑर्डिनेटर, मो शमशाद, एनजीओ के कई सदस्य, पीएलवी लता कुमारी, युधिष्ठिर महतो सहित अन्य, उपस्थित थे। कार्यक्रम में डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा डालता है। छोटी उम्र में शादी के कारण बच्चियां शिक्षा से वंचित रह जाती हैं और उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह से मातृत्व की समस्याएं और स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयां पैदा होती हैं, जो समाज के लिए हानिकारक हैं। इसी के मद्देनजर जिला विधिक सेवा प्राधिकार विधिक जागरूकता कार्यक्रम और नुक्कड़-नाटक के माध्यम से ग्रामीणों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जागरूक करता है। सचिव ने कहा कि बाल विवाह को समाज से उखाड़ फेंकना ही डालसा का उद्देश्य है। सिन्हा ने कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के तहत सजा के साथ-साथ जुर्माने का भी प्रावधान है। इसके अलावा उन्होंने झारखंड कंपलसरी रजिस्ट्रेशन ऑफ मैरिज एक्ट-2017 के प्रावधानों को बताया और कहा कि मैरिज रजिस्ट्रेशन आज के परिवेश में कराना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि जो लोग शादी-शुदा हैं या जिन लोगों की शादी पूर्व में हुई है उन्हें भी विवाह का रजिस्ट्रेशन जरूर कराना चाहिए। इसके अलावा स्पेशल मैरिज एक्ट -1954 और हिन्दू मैरिज एक्ट-1955 के प्रावधानों की भी जानकारी दी।

मलेरिया विभाग की टीम बड़ा तोरलो गांव पहुंच कर मच्छरों का किया संग्रह

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंझारी के स्वास्थ्य उपकेंद्र बडा तोरलो गांव में जोनल मलेरिया आफिस रांची और जिला भीबीडी कार्यालय पश्चिमी सिंहभूम के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की संयुक्त टीम के जरिए गुरुवार को राज्य मुख्यालय के निर्देश वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण को लेकर मलेरिया फाईलेरिया डेंगू जेई फैलाने वाले वेक्टर का घनत्व सर्वे किया गया। इस दौरान अहले सुबह 5 बजे टीम ने बड़ा तोरलो गांव पहुंच कर सहिया एवं सहिया साथी एमपीडब्लू के साथ घरों एवं गोहाल में मच्छरों का संग्रह किया। अब टीम के द्वारा मच्छरों की पहचान करते हुए मलेरिया और फ़ाइलेरिया बीमारी के फैलने एवं इसके नियंत्रण के लिए आवश्यक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट राज्य मुख्यालय एवं केंद्र तक भेजी जाएगी। मलेरिया विभाग की टीम ने बताया कि मलेरिया, फाइलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों के फैलाव का सर्वेक्षण करने के लिए मच्छरों का संग्रह किया। इस प्रक्रिया में टीम ने मच्छरों को इकट्ठा करके उनकी पहचान की और फिर इस जानकारी को राज्य मुख्यालय को भेजा जाएगा।

यह सर्वेक्षण वेक्टर जनित बीमारियों को नियंत्रित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टीम ने मलेरिया, फाइलेरिया और डेंगू जैसे रोगों को फैलाने वाले मच्छरों के घनत्व का सर्वेक्षण किया। जांच के दौरान, उन्होंने मच्छरों के नमूने एकत्र किए। एकत्र किए गए मच्छरों की पहचान की गई। प्राप्त जानकारी को आगे की कार्वाई के लिए राज्य मुख्यालय को भेजा जाएगा। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य मच्छरों की आबादी का आकलन करना और इन वेक्टर जनित बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए एक रणनीति बनाना है। कार्यक्रम में जोनल टीम रांची से एन्थोनी तिग्गा,विनीत सुमन बेक जिला स्वास्थ्य विभाग के भीबीडी कार्यालय से शशि भूषण महतो ,जिला भीबीडी सलाहकार,एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ता बिनु सिंह लागुरी, बुद्धेश्वर महतो,चितरंजन सिंह देव ,प्रकाश कोंडाकेल, नागेश्वर महतो, मंगल सिंह गोप, सीएचसी मंझारी से शम्भू शंकर गोप, प्रभुनाथ बोयपाई, सहिया अमीना बिरुआ, नंदी कोंडाकेल उपस्थित थे।

खाटूनरेश का कराया गया महास्नान दर्शन कर भाव विभोर हुए भक्त

एजेंसी। रांची

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में गुरुवार को खाटूनरेश का महास्नान पर्व अनुष्ठान विधि विधान से संपन्न किया गया। श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान और वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के नेतृत्व में अमावस्या का महास्नान अनुष्ठान विधि विधान से संपन्न कराया गया। सर्वप्रथम गंगाजल शुद्ध जल घृत दूध दही शहद के मिश्रण से बाबा श्याम का स्नान कराया गया। इसके बाद विशेष गुलाब जल से विशेष स्नान कर बाबा को रूह गुलाब के इत्र से मालिश की गई। बेंगलुरु, दिल्ली और कोलकाता से मंगाई गए ब्लू ऑर्किड पर्पल ऑर्किड व्हाइट ऑर्किड की मालाओं से बाबा श्याम को नवीन पोशाक पहनाकर श्रृंगार किया गया। प्रातः में मंदिर के पट खोले गए इसके बाद मंगला आरती में भक्तों ने दर्शन किए। इसके बाद मंदिर के पर्दों को लगाकर के बाबा श्याम का स्नान प्रारंभ कराया गया। मुख्य यजमान बलवंत लाल, सुमन कुमारी और नीलमणि ने नवीन पोशाक की सेवा विशेष श्रृंगार की सेवा एवं पंचमेवा भोग की सेवा बाबा श्याम को अर्पित की। मनीष सिंघानिया ने भी पंचमेवा भोग अर्पित किया। प्रातः कालीन श्रृंगार आरती में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित हुए। जय जय खाटू के वासी जय जय बाबा श्याम से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हुआ। आरती के बाद मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया ने भक्तों के बीच पंचमेवा भोग प्रसाद का वितरण किया।

झारखंड में 23 से बादल छाने की संभावना

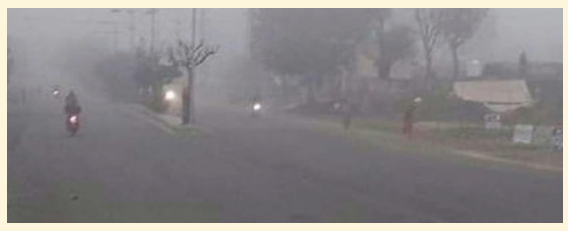

एजेंसी। रांची

झारखंड में इन दिन में ठंड सामान्य रूप से पड रही है, जबकि रात में ठिठुरन बढने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड रहा है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने गुरुवार को बताया कि झारखंड में पिफलहाल ठंड में बढोतरी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि 21 और 22 नवंबर को झारखंड के अधिकांश जिलों में सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा और बाद में आसमान साफ हो जाएगा। वहीं 23 और 24 नवंबर को सुबह में कुहासा छाया रहेगा और बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इधर, पिछले पांच दिनों में राज्ये में न्यूंनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान झारखंड में सबसे अधिक तापमान में चाईबासा में 31.4 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में दिनभर मौसम साफ रहा। सुबह और शाम में ठंड का एहसास हुआ, जबकि दिनभर अच्छी धूप खिली रही।

टेंपरेचर अपडेटः रांची में अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.9 डिग्री, जमशेदपुर में 29.3 और 14.7 डिग्री, डालटेनगंज में 29 डिग्री और 12.6 डिग्री, बोकारों में 27.5 और 13.6 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.4 और न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

असहाय मंदबुद्धि व्यक्ति को मिला सद्गुरु कृपा आश्रम में आश्रय

एजेंसी। रांची

प्रणामी ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम, पुंदाग में गुरूवार को एक मंदबुद्धि दिव्यांग व्यक्ति को लाया गया। यह जानकारी आश्रम के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि मंदबुद्धि और दिव्यांग की सेवा करने की शुरूआत संस्था ने जनवरी 2024 से लगातार कर रही है। इसी क्रम में एक मंदबुद्धि दिव्यांग व्यक्ति को आश्रम में लाया गया है। उन्होंने बताया कि मानसिक रूप से विक्षिप्त इस व्यक्ति को पुंदाग टीओपी क्षेत्र में लावारिस हालत में यहां-वहां घूमते हुए देखा गया। इसकी सूचना थाने में दी गई। थाना ने इस व्यक्ति को आश्रम में सुपुर्द किया। अस्पताल में उसकी मेडिकल जांच कराने के बाद आश्रम लाया गया। बाद में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रमद (सत्य प्रेम सभागार) में लाया गया।

कोयल नदी पर पुल निर्माण का शिलान्यास, कई गांवों को मिलेगा लाभ

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

जिला स्थित मनोहरपुर और आनंदपुर प्रखंड को जोड़ने वाली ग्राम ढीपा और कुड़ना के बीच कोयल नदी पर पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास गुरुवार को सांसद जोबा माझी और मनोहरपुर विधायक जगत माझी ने किया। यह पुल मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से 357.80 मीटर लंबाई में बनाया जाएगा। शिलान्यास समारोह में सांसद जोबा माझी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर गांव को सरकारी योजनाओं से जोड़ना प्राथमिकता है, ताकि विकास हर परिवार तक पहुंच सके। सांसद ने कहा कि पहले मनोहरपुर क्षेत्र में आवागमन की सुविधा सीमित थी, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है और हर पंचायत प्रखंड मुख्यालय से जुड़ रही है। वहीं विधायक जगत माझी ने कहा कि पुल बनने से मनोहरपुर के रायडीह, ढीपा और आसपास के कई गांवों के लोगों को आनंदपुर मार्ग से रांची जाने में बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र में और भी सड़क एवं पुल-पुलियों का निर्माण कराया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। पुल निर्माण से ढीपा, बारुडूंगरी, इचापीढ़, बड़पोस, रायडीह, घाघरा, महुलडीहा, कुड़ना, बड़ा कुड़ना, छोटा कुड़ना, मथुरापोस, रायकेरा, आनंदपुर, जीरो किलोमीटर, चारबंदिया सहित कई गांवों के लोग लाभान्वित होंगे। शिलान्यास के बाद सांसद और विधायक ने कोयल नदी में नाव से यात्रा भी की। कार्यक्रम में झामुमो नेताओं, विभागीय अभियंताओं, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : ई-पेपर
www.sonvarshavani.com sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोपी पोक्सो एक्ट में गया जेल

संवाददाता

साहिबगंज/तीनपहाड़ :- साहिबगंज जिले की तीनपहाड़ थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ यौन शोषण करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी पर बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने वाले पोक्सो (POCSO) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले के संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि तीनपहाड़ थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के परिजनों ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने बताया था कि तीनपहाड़ निवासी रौशन हांसदा उर्फ पतरु हांसदा ने उनकी बेटी को अपने प्रेम जाल में फंसाया और शादी करने का झांसा देकर उसके साथ गलत काम किया। परिजनों की शिकायत पर तीनपहाड़ थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना कांड संख्या 157/25 के तहत पोक्सो एक्ट एवं अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अभियुक्त रौशन हांसदा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद, पुलिस अभियुक्त को मेडिकल जांच के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सक केशव कृष्णा द्वारा उसकी मेडिकल जांच की गई। सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के उपरांत पुलिस ने अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

राजमहल में महिला से मारपीट और जातिसूचक गाली-गलौज, छह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल :- थाना क्षेत्र के इंग्लिश गांव में एक महिला के साथ मारपीट करने, जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता सावित्री देवी के बयान पर राजमहल थाने में छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए अपने आवेदन में सावित्री देवी ने बताया कि गांव के ही दिलीप मंडल, चारों देवी, बबलू मंडल, ललिता देवी, भोला मंडल और संतोष मंडल अचानक उनके घर आ धमके और बिना किसी कारण के गाली-गलौज करने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो

आरोपियों ने उन्हें जाति सूचक गालियां देते हुए अपमानित करने का प्रयास किया। घटना के दौरान जब पीड़िता के पति निमाई रजक ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो सभी आरोपियों ने मिलकर उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में निमाई रजक गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें गोली मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़िता ने तुरंत राजमहल थाना पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राजमहल थाना कांड संख्या 484/25 के तहत सभी छह आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (IPC) और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विश्व बाल दिवस पर बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नगरपालिका कन्या उच्च विद्यालय में जिला बाल संरक्षण इकाई ने छात्रों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

संवाददाता

साहिबगंज :- विश्व बाल दिवस के अवसर पर आज, 20 नवंबर को, बच्चों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नगरपालिका कन्या उच्च विद्यालय, नया टोला (पुरानी साहेबगंज) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, साहिबगंज ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रों को विश्व बाल दिवस के महत्व के बारे में बताया गया। वक्ताओं ने जानकारी दी कि यह दिवस हर साल 20 नवंबर को दुनिया भर में बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1954 में स्थापित इस दिन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि 1959 में इसी दिन 'बाल अधिकारों की घोषणा' को अपनाया गया था और 1989 में 'बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCRC)' को स्वीकृति मिली थी। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए बाल अधिकारों, किशोर न्याय अधिनियम (JJ Act), बाल श्रम, बाल तस्करी और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ जागरूक किया। इसके साथ ही, उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रायोजन योजना (Sponsorship Scheme), आफ्टर केयर और फोस्टर केयर जैसी योजनाओं के बारे में भी बताया, जो जरूरतमंद बच्चों को सहायता प्रदान करती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, "बच्चों के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।" इस अवसर पर चाइल्ड हेल्पलाइन साहिबगंज (1098) के परियोजना समन्वयक ने बच्चों को हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि यदि कोई भी बच्चा जरूरतमंद, असहाय, शोषित, बाल मजदूरी में फंसा हुआ या घर से भटका हुआ मिले, तो कोई भी नागरिक 1098 पर तुरंत सूचना दे सकता है। यह सेवा पूरी तरह से निःशुल्क है और 24 घंटे सातों दिन उपलब्ध रहती है। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन साहिबगंज के कई अन्य कर्मी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों के सवालों का जवाब दिया और उन्हें किसी भी संकट की स्थिति में निडर होकर मदद मांगने के लिए प्रेरित किया।

उपायुक्त हेमंत सती ने समाज कल्याण एवं कल्याण विभाग की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज :- जिले के उपायुक्त हेमंत सती ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए समाज कल्याण विभाग और कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना और यह सुनिश्चित करना था कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सबसे पहले जिले में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की भौतिक प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यकारी एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी केंद्रों का निर्माण कार्य एक निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए और उन्हें विभाग को हस्तांतरित किया जाए ताकि उनका संचालन शीघ्र शुरू हो सके। इसके साथ ही, उन्होंने आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं की लंबित नियुक्ति प्रक्रिया को भी तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की भी बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने पोषण ट्रैकर ऐप पर डेटा की नियमित और सटीक प्रविष्टि सुनिश्चित करने पर जोर दिया ताकि कुपोषण की स्थिति की सही निगरानी हो सके। आंगनबाड़ी केंद्रों के सुचारू संचालन और वहां दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर भी कई आवश्यक निर्देश दिए गए। कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने छात्रों से जुड़ी योजनाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने मैट्रिक एवं प्रवेशिकोत्तर (पोस्ट-मैट्रिक) छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी योग्य छात्र-छात्रा लाभ से वंचित न रहे। साइकिल वितरण योजना की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

इसके अतिरिक्त, बैठक में अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अनुदान, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, बिरसा मुंडा आवास योजना और शहीद ग्राम विकास योजना की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जाहेरस्थान और कब्रिस्तान की घेराबंदी, धुमकुड़िया हाउस, और मांझी थान के निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना और मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिक से अधिक योग्य लाभुकों को इनसे जोड़ने का निर्देश दिया ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। इस महत्वपूर्ण बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, कार्यपालक अभियंता प्रमोद आनंद, सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी (CDPOs) और महिला पर्यवेक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

साहिबगंज: दिव्यांग बच्चों के बीच भोजन और कंबल का वितरण, मुन्ना पासवान ने पेश की मानवता की मिसाल

कहा - मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, कड़ाके की ठंड से पहले की मदद

संवाददाता

साहिबगंज :- जैसे-जैसे झारखंड में ठंड दस्तक दे रही है और सुबह की हवाएं कंपकंपी छुड़ाने लगी हैं, वैसे-वैसे जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ भी उठने लगे हैं। इसी कड़ी में, साहिबगंज नगर के स्टेडियम रोड स्थित नेत्रहीन एवं स्पैस्टिक दिव्यांग आवासीय विद्यालय में बच्चों के चेहरे पर उस वक्त मुस्कान खिल उठी, जब उन्हें गर्म भोजन के साथ ठंड से बचने के लिए कंबल वितरित किए गए। यह नेक कार्य नगर थाना क्षेत्र के कुलीपाड़ा, दहिया टोला निवासी समाजसेवी मुन्ना पासवान उर्फ संजीत कुमार पासवान द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यालय में रहने वाले दिव्यांग बच्चों के साथ समय बिताया, उन्हें अपने हाथों से भोजन कराया और ठंड के मौसम को देखते हुए सभी को कंबल भेंट किए।

इस अवसर पर मुन्ना पासवान ने कहा, "यदि कोई असहाय या गरीब है, तो हमें उसकी मदद के लिए हमेशा आगे आना चाहिए, क्योंकि मानव सेवा ही परम धर्म है।" उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य मानव सेवा है और वे समाज कल्याण के कार्यों में हमेशा सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे।

इस नेक कार्य में मुन्ना पासवान के माता-पिता ने भी हिस्सा लेकर अपने बेटे का मनोबल बढ़ाया और बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी भावपूर्ण बना दिया। इस सराहनीय पहल के दौरान मनीष कुमार, जयन्नाथ पासवान, अदिति राज, अर्पित राज, सोनू कुमार, बिट्टू कुमार, सिकंदर कुमार, प्रमोद कुमार, अर्पिता कुमारी, अनुराग कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे, जिन्होंने इस सेवा कार्य में अपना सहयोग दिया। मुन्ना पासवान के इस कदम की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की है, जो दूसरों को भी जरूरतमंदों की मदद के लिए प्रेरित करता है।

उधवा में सड़कों और पुलों का बिछेगा जाल, सांसद विजय हांसदा की पहल पर विकास को मिलेगी नई रफ्तार

जिला परिषद सदस्य रानी हांसदा ने कार्यपालक अभियंता को सौंपा योजनाओं का अनुशंसा पत्र

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा :- राजमहल संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से राजमहल लोकसभा सांसद विजय कुमार हांसदा ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने साहिबगंज जिले के उधवा प्रखंड क्षेत्र की जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण सड़क और पुल निर्माण योजनाओं को अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल किया है। सांसद की इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए उधवा भाग संख्या-15 की जिला परिषद सदस्य रानी हांसदा ने ग्रामीण कार्य विभाग, साहिबगंज के कार्यपालक अभियंता को एक अनुशंसा पत्र सौंपा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि क्षेत्र में आवागमन की समस्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए इन प्रस्तावित योजनाओं का शीघ्र क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है।

जिला परिषद सदस्य द्वारा सौंपे गए अनुशंसा पत्र में कई प्रमुख परियोजनाओं को शामिल किया गया है, जो क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं। इनमें शामिल हैं:

आरसीडी पथ से जजीरा पुल होते हुए गोबरगाड़ी मोड़ तक सड़क का सुदृढ़ीकरण और जजीरा पुल का पुनर्निर्माण। एनएच-80 चौकी ढाब से पीडब्ल्यूडी रोड मनिहारी टोला के बीच पत्थरघट्टा स्थित मढ़िया गांव में एक नए पुल का निर्माण। आरसीडी पथ से गांव सुखपाड़ा तक सड़क का उन्नयन (Upgrade)। पीएमजीएसवाई पथ से कुसमा गांव तक सड़क का सुदृढ़ीकरण। माधोपाड़ा से सिमलजोड़ी गांव तक सड़क का निर्माण। पीएमजीएसवाई पथ से नुराई गांव को जोड़ने वाली सड़क का सुदृढ़ीकरण। पीएमजीएसवाई पथ मढ़िया से नेहरुल इस्लाम के घर होते हुए आरसीडी पथ इंग्लिश गांव तक सड़क का निर्माण।

जिला परिषद सदस्य रानी हांसदा ने कहा कि इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से उधवा प्रखंड क्षेत्र की कई पंचायतों में आवागमन की व्यवस्था पूरी तरह बदल जाएगी। ग्रामीणों के लिए बाजार, अस्पताल, स्कूल और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंचना बेहद आसान हो जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सांसद विजय कुमार हांसदा के प्रयासों और ग्रामीण कार्य विभाग के सहयोग से इन योजनाओं पर जल्द ही काम शुरू होगा, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

राजमहल में घर में घुसकर मारपीट और लूटपाट, तीन नामजद सहित 20 से अधिक पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल :- थाना क्षेत्र की लखीपुर पंचायत के मानसिंघा गांव में एक परिवार पर जानलेवा हमला करने और नकदी लूटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित मोहम्मद बरजहां शेख ने तीन नामजद और 10 से 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ राजमहल थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में मोहम्मद बरजहां शेख ने बताया कि 18 नवंबर को सिरसी गांव निवासी कासिम शेख, कादिर शेख, और यूसुफ शेख ने 10 से 20 अन्य अज्ञात लोगों के साथ मिलकर एक नाजायज भीड़ बनाई और उनके घर पर हमला कर दिया।

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने घर में घुसकर उन्हें और उनके बेटों परवेज आलम, साबिर आलम एवं नूरुद्दीन शेख के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने हसुआ (धारदार हथियार) और लाठी-डंडों से उन पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे सभी लोग बुरी तरह घायल हो गए। बरजहां शेख ने यह भी आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उनकी जेब में रखे 10,000 भी छीन लिए। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार ने राजमहल थाना पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए राजमहल थाना में कांड संख्या 483/25 के तहत सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

राजमहल थाना प्रभारी ने बताया है कि शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस पूरी गहनता से जांच में जुट गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजमहल में पीएम विश्वकर्मा योजना पर जागरूकता कार्यशाला, कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

प्रशिक्षण, टूलकिट और रियायती ऋण से बदलेगी कारीगरों की तकदीर

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल :- प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। एमएसएमई विकास कार्यालय, धनबाद के तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम "पीएम विश्वकर्मा योजना" के लाभार्थियों के लिए था, जिसमें उन्हें योजना के विभिन्न लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी बीडीओ सह अंचलाधिकारी मोहम्मद यूसुफ, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक रमाकांत चतुर्वेदी, और एलडीएम (अग्रणी जिला प्रबंधक) सुधीर कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। ईओडीबी मैनेजर चंद्रशेखर शर्मा ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया और कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना का लक्ष्य 18 पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े कारीगरों और शिल्पकारों को सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि प्रदान करना है। योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को मिलने वाले लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया:

प्रशिक्षण एवं स्टाइपेंड: लाभार्थियों को 5 से 7 दिनों का कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके दौरान उन्हें 500 प्रतिदिन की दर से स्टाइपेंड (भत्ता) भी मिलेगा।

आधुनिक टूलकिट: प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद कारीगरों को आधुनिक उपकरण खरीदने के लिए 15,000 की राशि ई-वाउचर के रूप में प्रदान की जाएगी।

रियायती ऋण: योजना के तहत कारीगरों को अपना व्यवसाय स्थापित करने या विस्तार करने के लिए बिना किसी गारंटी (कोलेटरल फ्री) के ऋण की सुविधा दी गई है:

प्रथम चरण: 5% की रियायती ब्याज दर पर 1 लाख तक का ऋण।

द्वितीय चरण: व्यवसाय का विस्तार करने के लिए 2 लाख तक का ऋण।

आधिकारिक पहचान: सभी प्रशिक्षित लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और एक पहचान पत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें आधिकारिक मान्यता मिलेगी।

इस जागरूकता कार्यशाला में क्षेत्र के 120 से अधिक कुम्हार, लोहार, बढ़ई, दर्जी, राजमिस्त्री समेत अन्य पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े शिल्पकारों एवं कारीगरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योजना से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–10बी–25, दिनांक 17.11.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्यों के लिए निविदा सं. **ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–10बी–25** के प्रतिपक्ष ई–निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान :** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में 2X25 केवी सिस्टम के लिए टीटीसी मास्ट में डबल पोल आइसोलेटरों के प्रावधान के लिए अतिरिक्त आइटमों की अनुमानित अनुसूची। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 3,02,65,560.50, **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 3,01,300/–, **कार्य समाप्ति की अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** दिनांक 10.12.2025 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

HWH-408/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

साहिगंज में ड्रग्स नियंत्रण पर उपायुक्त सख्त, बिना फार्मासिस्ट वाली दवा दुकानों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता

साहिबगंज :- जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और दवाओं के दुरुपयोग पर लगाम कसने के लिए जिला प्रशासन ने अपना रुख और सख्त कर लिया है। आज उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकॉर्ड (नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर) समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कई कड़े फैसले लिए गए। उपायुक्त हेमंत सती ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि जिले में नशीले पदार्थों की बिक्री, दवाओं के दुरुपयोग और अवैध वितरण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की और इस दिशा में हो रहे कार्यों की जानकारी ली।

समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से पालन नहीं किया गया है। उपायुक्त ने पूर्व में एक ड्रग टास्क फोर्स का गठन करने का निर्देश दिया था, जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और ड्रग इंस्पेक्टर को शामिल कर फार्मासिस्ट-विहीन मेडिकल स्टोर पर छापामारी करनी थी। इस निर्देश के अनुपालन में ढिलाई बरतने पर उपायुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और साहिबगंज के अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) एवं ड्रग इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से स्पष्टीकरण समर्पित करने का आदेश दिया।

उपायुक्त ने समिति को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि अगली बैठक से पहले जिले की सभी मेडिकल दुकानों की सघन जांच कर एक विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, "जिन मेडिकल दुकानों में जांच के दौरान फार्मासिस्ट उपस्थित नहीं पाए जाएंगे, उनके संचालकों के विरुद्ध न केवल जुर्माना वसूला जाएगा, बल्कि उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।" उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि जिला प्रशासन एक नशा-मुक्त समाज बनाने की दिशा में पूरी तरह से गंभीर है। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, सतर्कता, निगरानी और जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से इस अभियान में ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया।

इस महत्वपूर्ण बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए-सह-प्रभारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा, राजमहल और बड़हरवा के एसडीपीओ, ड्रग इंस्पेक्टर चंदन कश्यप सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : ई-पेपर
www.sonvarshavani.com
sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ मालपहाड़ी थाना क्षेत्र और मुफ्फासिल थाना क्षेत्र मे अवैध प्रतिबंधित लॉटरी का अवैध साम्राज्य का बड़ा बोल बाला

» पाकुड़ जिलें मे फैला हैं एजेंट का मकड़ जाल

» लॉटरी माफिया ने थाना क्षेत्र के आम जनों को लालच का प्रलोभन देकर आय से अधिक सम्पति की हैं अर्जित

पाकुड़ । अवैध लॉटरी का काला खेल पाकुड़ नगर के बाद अब मालपहाड़ी ओपी थाना क्षेत्र के चेंगाडांगा मे बड़े पैमाने पर बड़े बड़े माफियाओं द्वारा पुरे थाना क्षेत्र के अलावे बंगाल तक माल की सप्लाई की जाने की खबरें सूत्रों से मिली है सूत्रों की जानकारी के अनुसार माफिया रेमान, मजिबुल, अमिरूल इस क्षेत्र मे किंग मेकर की भूमिका निभा रहे है इन तीनों का अवैध कारोबार बड़े तेजी से फल फूल रहा है आखिर प्रतिबंधित लॉटरी का कारोबार को कौन और किनके संरक्षण मे चलाया जा रह यह समझ से बाहर है पाकुड़ नगर के कई बड़े लॉटरी माफिया अब भी बड़े चतुराई से अवैध लॉटरी के इस काले कारोबार से अपनी जिन्दगी को अवैध रुपये से आय से अधिक सम्पति अर्जित किये हैं आखिर कई माफिया पाकुड़, चेंगाडांगा सहित पुरे जिलें मे भरे पड़े हुए है आखिर इन माफिया के द्वारा बासमता, नगरनबी, राज बांध मे बड़े पैमाने पर अवैध लॉटरी का अवैध कारोबार चरम पर जारी है।साथ साथ पाकुड़ मुफ्फासिल थाना क्षेत्र के मनीराम पुर मे समीम और अकीमुदिन का बोल बाला बुलंद है

बरवा टोली चौक हनुमान मंदिर में भाजपा द्वारा भव्य महाआरती का आयोजन:चंदन गोयल

लोहरदगा। जिले में मंगलवार को बरवा टोली चौक स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा सुरक्षा संस्कार को बढ़ावा देते हुए भव्य महाआरती का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू ने की।इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूतपूर्व बजरंग दल जिला संयोजक एवं समाजसेवी प्रनीत सिंह तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व बजरंग दल जिला संयोजक उमेश सिंह उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि प्रनीत सिंह ने कहा कि जिले में प्रत्येक मंगलवार को सभी सनातन धार्मिक स्थलों पर मंगलवारी आरती का आयोजन होना अत्यंत शुभ एवं समाज को ऊर्जा देने वाला कार्य है।वहीं विशिष्ट अतिथि उमेश सिंह ने कहा कि आज विश्वभर में आज सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार के लिए केंद्र की मोदी सरकार महत्वपूर्ण पहल कर रही है जिसको लेकर देश की जनता और भी रुचि ले रही है।केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में देश की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाने के लिए कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की शुरुआत की है।इन पहलों का उद्देश्य न केवल आध्यात्मिक विकास है,बल्कि भारत की सनातन संस्कृति और सभ्यता को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना भी है।मौके पर विश्व हिंदू परिषद प्रांत प्रवर्तन प्रमुख अनिल गुप्ता,भाजपा नगर उपाध्यक्ष अशोक कसकर,आंचल अध्यक्ष सतीश जसवाल,भाजपा सक्रिय सदस्य पवन तिग्गा, पूर्व बजरंग दल जिला संयोजक प्रमोद प्रजापति,विश्वजीत घोष,राज साहू,केशव महतो सहित बड़ी संख्या में आसपास के रामभक्त माताएँ-बहनें महाआरती में शामिल हुईं।इस दौरान कार्यक्रम में वातावरण जय श्रीराम के जयघोष से गूंजता रहा।

सांसद पथ यात्रा की तैयारी को लेकर भाजपा कार्यालय में हुई बैठक

कोडरमा । सांसद पथ यात्रा की तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अनूप जोशी के कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने की। इस दौरान उन्होंने आगामी कार्यक्रम के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा यात्रा को सफल बनाने हेतु आवश्यक तैयारी, उपाध्यक्षों और जिम्मेदारियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। यात्रा सुभाष चौक से प्रारंभ होकर झण्डा चौक, महाराणा प्रताप चौक,करमा,चाराडीह होते हुए जगन्नाथ जैन कॉलेज तक जाएगी और वहां एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद समापन होगा।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव भी दिए और एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150 वीं जयंती पर "सांसद पथ यात्रा हमारे संगठन के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, इसे सफल बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।" कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुझाव देने वालों में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि मोदी, नीतीश चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष देवनारायण मोदी, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष मोदी, जिला मंत्री शशि भूषण प्रसाद, नरेन्द्र पाल आदि ने विचार व्यक्त किए।

अनियंत्रित बाइक पोल से टकराई, सवार एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

शिकारीपाड़ा/दुमका । शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव के पास पोल से टकराकर एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। बाइक पर सवार संदीप मोहली (30) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा सवार सिलवानुस टुडू गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही शिकारीपाड़ा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए फूलों झानो मेडिकल कॉलेज दुमका रेफर कर दिया गया। मृतक संदीप मोहली के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेज दिया। जानकारी के अनुसार संदीप मोहली और सिलवानुस टुडू बाइक से कहीं काम से गए थे और घर वापसी के क्रम में बरमसिया के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गई।

धान खरीद पर राज्य सरकार का बड़ा निर्णय — किसानों को अब मिलेगा एकमुश्त भुगतान

संवाददाता

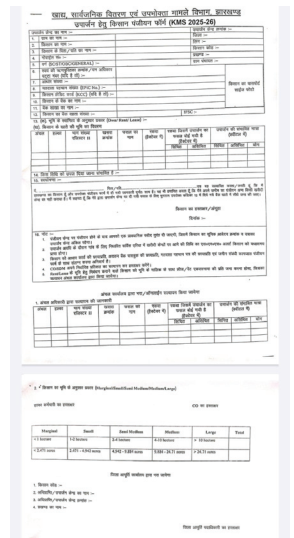

पाकुड़ । किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण एवं भुगतान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने धान खरीद प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार लागू किया है। नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को धान बिक्री की संपूर्ण राशि एकमुश्त (One-Time Payment) के रूप में सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। पूर्व में भुगतान दो किश्तों में किया जाता था, जिसमें दूसरी किश्त में देरी होने से किसानों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। सरकार की इस नई पहल से किसानों को तत्काल वित्तीय सहायता प्राप्त होगी तथा कृषि कार्यों में गति आएगी। जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का एकमुश्त भुगतान लागू करने का निर्णय किसानों के हित में अत्यंत ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। इस व्यवस्था से भुगतान में होने वाली देरी पूर्णतः समाप्त होगी और किसानों को धान का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी लैंप्स एवं खरीद केंद्रों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं तथा संपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। विभाग का लक्ष्य है कि हर किसान को उसका भुगतान पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने जिले के किसानों से किया अपील जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे निर्धारित PACS एवं खरीद केंद्रों पर धान बिक्री हेतु अवश्य पहुँचें और आवश्यक दस्तावेज -आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं किसान पंजीकरण विवरण-अपने साथ लेकर आएँ, ताकि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने कहा कि एकमुश्त भुगतान व्यवस्था किसानों के लिए बड़ी सुविधा है, इसलिए सभी किसान इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएँ और सरकार की पारदर्शी व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने आगे यह भी कहा कि आपकी योजना—आपकी सरकार—आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान सहकारिता विभाग द्वारा नए किसानों का पंजीकरण कराने हेतु विशेष शिविर लगाए जाएँगे। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे इन शिविरों में पहुँचकर अपना निबंधन अवश्य कराएँ। सरकार की प्राथमिकता — किसान समृद्ध हों, कृषि मजबूत हो राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और भुगतान प्रणाली को सरल व पारदर्शी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। एकमुश्त भुगतान व्यवस्था से किसानों का भरोसा बढ़ेगा और जिले में धान खरीद प्रणाली और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनेगी

अवैध विदेशी शराब के साथ एक स्कूटी जब्त, अंधेरे का फायदा उठाकर चालक हुआ फरार

संवाददाता

गोड्डा । पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर थानातर्गत अवैध देशी एवं विदेशी शराब के विरुद्ध लगातार छापामारी की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को संध्या में गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति स्कूटी पर बोरे में तथा सीट के नीचे भर कर अंग्रेजी शराब विक्रय हेतु बलबड्डा चौक से छगराहा की ओर जा रही है। सूचना सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु थाना गश्ती दल द्वारा गुरुदेव पब्लिक स्कूल बलबड्डा के पास एंटी क्राइम चेकिंग लगाया गया, चेकिंग के क्रम में एक स्कूटी पर सवार व्यक्ति आता दिखा जिसे गश्ती दल द्वारा रोकने का इशारा किया गया, परंतु वह व्यक्ति पुलिस को देखते ही स्कूटी छोड़कर भागने लगा। सशस्त्र बल के द्वारा उसको पकड़ने का प्रयास किया गया परंतु अंधेरे तथा झाड़ी का लाभ उठाकर

भागने में सफल रहा। तदोपारंत उक्त यामाहा स्कूटी तथा उसमें रखें अलग-अलग कंपनियों की कुल 31 बोतल अंग्रेजी शराब विधिवत जब्त की गई। इस संबंध में स्कूटी चालक तथा वाहन स्वामी के विरुद्ध बलबड्डा थाना कांड संख्या-77/25 दिनांक-20.11. 2025 धारा-274, 275 बी0एन 0एस0 एवं 47a उत्पाद अधिनियम के तहत कांड दर्ज किया गया है। कांड के अनुसंधान के क्रम में वाहन स्वामी एवं वाहन चालक की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है।

देवरी प्रखंड में जंगली हाथियों का आतंक, ग्रामीणों में बढ़ी दहशत

संवाददाता

गिरिडीह । जिले के देवरी प्रखंड में देर रात जंगली हाथियों के एक बड़े झुंड ने अचानक दस्तक दे दी, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों की जोरदार चिंघाड़ और लगातार आवाजाही के चलते पूरी रात कोई भी घर से बाहर नहीं निकल पाया। कई परिवारों ने डर की वजह से अपने घरों में ही खुद को बंद कर लिया। ग्रामीणों के मुताबिक, यह झुंड पिछले कुछ दिनों से जंगल के अंदर दिखाई दे रहा था, लेकिन पहली बार वे इतने नजदीक गांव तक पहुंच गए हैं, जिससे लोगों में भारी दहशत फैल गई है। स्थिति गंभीर होते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और इलाके में गश्त बढ़ा दी गई। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाथियों के हर मूवमेंट पर बारीकी से नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की क्षति को रोका जा सके। टीम ने ग्रामीणों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, खासकर रात के समय बाहर न निकलने और घरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा गया है। अधिकारियों का कहना है कि हाथियों को जंगल की ओर वापस खदेड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं और इसके लिए विशेष दल तैनात किया गया है। वहीं दूसरी ओर, प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे हाथियों से दूरी बनाए रखें, भीड़ इकट्ठा न करें और किसी भी असामान्य गतिविधि की तुरंत सूचना वन विभाग को दें। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है, इसलिए विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने और निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

डी जी एम एस के वयान से खनन क्षेत्र मे आया भूचाल

संवाददाता

» डी जी एम एस के इस वयान से खनन क्षेत्र मे पड़ गया काला साया

पाकुड़ । पाकुड़ जिसे पत्थर की नगरी के नाम से विख्यात है और उसी उद्योग पर कारवाई की तलवार लटक रही है मानो वर्ष 2018 की तत्कालीन उपायुक्त के विरुद्ध अवैध खनन और अवैध परिवहन और अवैध ब्लास्टिंग को लेकर तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी ने टास्क फ़ोर्स के नेतृत्व कर्ता के अनुसार एक जांच प्रतिवेदन तत्कालीन उपायुक्त दिलीप कुमार झा को समर्पित किया था उस समय पूरे ज़िलें भर हिरनपुर, लिट्टी पाड़ा, आमड़ापाड़ा, महेशपुर, पाकुड़िया पाकुड़ प्रखंड के करीव 300सो खनन और 350क्रेशर के अंदर ज्यादातर अवैध खनन ब्लास्टिंग और अवैध परिवहन को लेकर उक्त जांच प्रतिवेदन समर्पित किया था उक्त जांच के दौरान तत्कालीन सहायक खनन पदाधिकारी सुरेश शर्मा और तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी जीतेन्द्र कुमार देव के बीच आरोप प्रत्यारोप के लिखित बाण चलने लगे इस मामले पर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री तक शिकायत पहुंची पर ज़िलें के तत्कालीन उपायुक्त दिलीप कुमार झा और तत्कालीन ज़िला खनन पदाधिकारी उत्तम विश्वास ने शिकायत पर कारवाई के बजाय शिकायत पर ऊँगली उठा दिया पर अब डी जी एम एस के उप निदेशक के इस वयान ने इस खनन क्षेत्र के विरुद्ध बड़ी काली छाया के संकेत दे दिए है यदि पूर्व के शिकायत पर इस प्रकार तत्कालीन ज़िला खनन

पदाधिकारी उत्तम विश्वास निष्पक्ष तरीके से जांच हेतु डी जी एम एस को पत्राचार नहीं किया बल्कि शिकायत पर ऊँगली उठाना सही समझें पर पाकुड़ के इस पत्थर उद्योग पर एक बड़ा काला साया मंडराने लगा है की खनन क्षेत्र के तीन सौ मीटर के अंदर ब्लास्टिंग जुडी शियल जोन है तो डी जी एम एस साहब और ज़िला खनन पदाधिकारी महोदय पाकुड़ ज़िलें के सभी प्रखंड मे संचालित खनन क्षेत्र और क्रेशर क्षेत्र इनका अनुपालन कर रहे है पाकुड़ प्रखंड के कालिदासपुर मे खनन क्षेत्र से सटा हुआ ग्रामीण वस्ती सालबोनी श्री रामपुर, चेगा डांगा माल पहाड़ी खपरा जोला विशन पुर हिरनपुर प्रखंड के साफारम बस्ती के बीचो बीच सुरायडीह खनन क्षेत्र से सटा ग्रामीन बस्ती बेलडीहा मे 100बीघा के लीज़ प्राप्त एक खनन लेसी के खनन क्षेत्र के महज कुछ ही दुरी पर ग्रामीण बस्ती मानसिंग पुर के खनन क्षेत्र के कुछ दुरी पर ग्रामीण वस्ती तालपाहाड़ी मे खनन क्षेत्र से कुछ दुरी पर ग्रामीण वस्ती सितपहाड़ी महारो सबसे ज्यादातर प्रदुषण और अचानक दुर्घटना के डेंजर जोन सिमल ढाब मे प्रदुषण और डी जी एम एस की धज्जियाँ उड़ती दिखाई दे रही है कामोंवेश यही स्तिथि बनी हुई है लिट्टी पाड़ा प्रखंड के कई खनन क्षेत्र बिना किसी वैध अनुमति के बंद पड़े खनन क्षेत्र से अवैध खनन को अंजाम देते आ रहे है जिसमे विभाग के अधिकारी के मिली भगत के बिना संभव नहीं है इसी प्रकार महेशपुर प्रखंड के रद्दीपुर एवं भीमपुर आमलागाछी शहर ग्राम मे भी डी जी एम एस के नियम और शर्त पूरा नहीं करते है पाकुडिया के खाक्सा मौजा और अन्य क्षेत्र मे भी डी जी एम एस की नियम और शर्त को पुरी तरीके से अनुपालन करवाने मे बड़ी मस्कत करनी होगी आखिर जब डी जी एम एस हेतु ज़िला खनन पदाधिकारी ने सिर्फ बेल पहाड़ी का निरिक्षण किया और अपना मंतव्य दिया ठीक उसी प्रकार पूरे ज़िलें की जांच हेतु ज़िला खनन पदाधिकारी के द्वारा डी जी एम एस को पत्राचार करने की आवश्यकता है ताकि ज़िलें भर की पत्थर व्यवस्था सही पटरी पर पुनः बहाल हो सके

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए आयुष विभाग ने आमजन को दिया योग का प्रशिक्षण

संवाददाता

पाकुड़ । स्वस्थ शरीर ही सफल जीवन की आधारशिला है। इसी भाव को साकार करते हुए आयुष विभाग, पाकुड़ द्वारा जिलेभर में योग एवं आयुष चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है आयुर्विद्या कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित इस पहल का मुख्य उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जीवनशैली में सुधार लाना एवं प्राकृतिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देना है आज गुरुवार को पाकुड़, पाकुड़िया, हिरणपुर, महेशपुर, लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा सहित अन्य 25 स्थानों पर योग प्रशिक्षकों द्वारा नागरिकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों ने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। आयुष विभाग के पदाधिकारी ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल रोग-प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है, बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच भी विकसित होती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे प्रतिदिन योग का अभ्यास कर स्वस्थ समाज निर्माण में सहभागी बनें

अंबाटांड़ हत्याकांड का हुआ खुलासा

संवाददाता

» पत्नी का सिर काटकर फेंका, आरोपी पति गिरफ्तार

गिरिडीह । राजधनवार थाना क्षेत्र के अंबाटांड़ में 13 नवंबर को हुई महिला की निर्मम हत्या का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। गुरुवार को खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने प्रेस वार्ता कर बताया कि महिला शांति देवी की हत्या उसके पति गंगा प्रसाद सिंह ने ही की थी। आरोपी ने पत्नी का गला रेतकर सिर धड़ से अलग कर करीब 100 मीटर दूर फेंक दिया था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त छुरा, टॉर्च समेत अन्य सामान जब्त किया है। घटना दर्ज होने के बाद राजधनवार थाना पुलिस की एक विशेष टीम ने तकनीकी और गोपनीय इनपुट के आधार पर लगातार जांच शुरू की थी। पकड़े जाने पर गंगा प्रसाद सिंह ने स्वीकार किया कि उसकी पत्नी लंबे समय से बीमार रहती थी तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। साथ ही वह शंकर ओझा के साथ सात साल से चल रहे जमीन विवाद को लेकर उन्हें फंसाने की योजना बना रहा था। इसी मंशा से उसने पत्नी की हत्या कर साजिश रची। टीम में जमुआ पुलिस अंचल निरीक्षक प्रदीप कुमार, सत्येंद्र कुमार, मणिकांत कुमार, महेश चंद्र, धर्मेंद्र कुमार अग्रवाल, सुजीत कुमार सिंह और जोधन महतो समेत कई अधिकारी शामिल थे।

21 नवंबर से पूरे राज्य में "आपकी योजना – आपकी सरकार – आपके द्वार" कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता

पाकुड़ । दिनांक 21.11.25 से पूरे राज्य में "आपकी योजना –आपकी सरकार –आपके द्वार" कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है। इसी क्रम में पाकुड़ जिला में भी दिनांक 21.11.25 से 15.12.25 तक सभी 128 पंचायतों एवं नगर परिषद क्षेत्र के 21 वार्डों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देशानुसार पंचायत स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से शिविर आयोजित कर विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश – शिविर संचालन में पूरी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करें उपायुक्त मनीष कुमार ने कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु संबंधित सभी पदाधिकारियों को दिशा- निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता की सुविधा, सहायता एवं समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु अधिक से अधिक लोगों को आपकी योजना –आपकी

सरकार– आपके द्वार कार्यक्रम का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने और शिविरों में उपस्थित होकर जनता की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार का निर्देश उपायुक्त द्वारा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को शिविरों के व्यापक प्रचार- प्रसार का निर्देश दिया गया है, ताकि जिले के शत-प्रतिशत योग्य लाभुकों को योजनाओं का लाभ मिल

सके। उन्होंने लाभुकों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने और शिविर स्थल पर अधिकतम आवेदनों के संकलन का निर्देश भी दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि पंचायत एवं ग्राम स्तर पर शिकायतों का त्वरित निष्पादन और नए लाभुकों को लाभ दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। फोकस योजनाएँ – प्राथमिकता से स्वीकार किए जाएंगे आवेदन शिविरों में निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं के आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर लिए जाएंगे झारखंड मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना,अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना,अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना,बिरसा हरित ग्राम योजना,किसान क्रेडिट कार्ड,सर्वजन पेंशन योजना सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना,हरा राशन कार्ड,बिरसा सिंचाई एवं कृषि संबंधित योजनाएँ, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड,जाति/आवासीय/आय प्रमाण पत्र,

» पाकुड़ जिला में 21.11.25 से 15.12.25 तक सभी 128 पंचायतों एवं नगर परिषद के 21 वार्डों में लगेंगे शिविर

LAMPS–PACS सदस्यता अभियान। ऑन-द-स्पॉट सेवाएँ एवं शिकायत निवारण शिविरों में कई सेवाएँ तत्काल उपलब्ध कराई जाएँगी, जिनमें शामिल हैं जाति प्रमाण पत्रों का लैमिनेटेड स्वरूप में वितरण, SHG/क्लस्टर सदस्यों को ID कार्ड वितरण, धोती, साड़ी एवं लुंगी का वितरण,कंबल वितरण। ऑन-द-स्पॉट शिकायतों का त्वरित समाधान राशन/आधार कार्ड संशोधन, राज्य अभिलेखों से संबंधित सुधार, जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र संशोधन,बिजली बिल से संबंधित समस्याओं का समाधान अन्य महत्वपूर्ण आवेदन भी लिए जाएंगे। सभी प्रकार की पेंशन योजनाएँ आयुष्मान कार्ड, सामुदायिक वन पट्टा एवं व्यक्तिगत वन पट्टा हेतु आवेदन, झारखंड आंदोलनकारी पहचान प्रमाण पत्र हेतु आवेदन एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र हेतु आवेदन। शिविरों में मिलेगा व्यापक लाभ एवं आसान प्रक्रिया शिविरों में सूचीबद्ध सभी योजनाओं के अलावा विभागीय सेवाएँ, दस्तावेज सत्यापन, पंजीकरण तथा आवश्यक शिकायतों का त्वरित निवारण किया जाएगा। पात्र लाभार्थियों को स्थल पर ही आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उपायुक्त की अपील – अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुँचे उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने जिलेवासियों से अपील की है कि अपने नजदीकी पंचायत में आयोजित शिविर में पहुँचकर अधिकतम योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। उन्होंने सभी नागरिकों से आधार कार्ड, वोटर ID, बैंक पासबुक एवं पहचान से जुड़े दस्तावेज साथ लाने का आग्रह किया, ताकि प्रक्रिया सुगमता से पूरी की जा सके। नोडल अधिकारियों को प्रत्येक दिवस अपने-अपने शिविर स्थल पर उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया है। दिनांक 21.11.2025 को निम्न पंचायतों में होगा शिविर आयोजन अमड़ापाड़ा प्रखंड के जामुगड़िया पंचायत भवन, हिरणपुर प्रखंड के बाबूपुर पंचायत, मनिडांगा प्राथमिक विद्यालय के पास, महेशपुर प्रखंड के शहरग्राम पंचायत, अमलागाछी फुटबॉल मैदान, पाकुड़ प्रखंड के शहरकोल पंचायत भवन एवं पोचाथोल पंचायत भवन,पाकुड़िया प्रखंड के मोंगलाबांध पंचायत सचिवालय परिसर एवं पाकुड़ नगर परिषद के वार्ड 01, वार्ड विकास केंद्र, नया बस पड़ाव। दिनांक 22.11.2025 को निम्न पंचायतों में होगा शिविर आयोजन *पाकुड़ प्रखंड के मालपहाड़ी पंचायत भवन, हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बरमसिया पंचायत के वीरग्राम आंगनबाड़ी केंद्र के पास, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के लिट्टीपाड़ा पंचायत परिसर, महेशपुर प्रखंड अंतर्गत रोलाग्राम पंचायत के मध्य विद्यालय मैदान एवं तेलियापोखर पंचायत भवन के बगल में

सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर शिविर हेतु प्रशासनिक तैयारियां पूरी

♦ 21 से 15 दिसंबर 2025 तक चलेगा जन कल्याण शिविर

संवाददाता

गोड्डा : वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में "आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार" कार्यक्रम के सफल आयोजन की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी पदाधिकारियों को उनके दायित्वों से विस्तार से अवगत कराया और जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा यह महत्वाकांक्षी कार्यक्रम दिनांक 21 नवंबर से 15 दिसंबर 2025 तक जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्र में आयोजित की जाएगी। उन्होंने गोड्डा जिले के सभी पंचायत स्तरों पर इस अवधि के दौरान शिविरों का आयोजन कर राज्य सरकार के विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ आमजनों को शिविर में ही उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत योजनाओं को सैचुरेशन मोड में लागू किए जाए, जिससे कोई भी अहर्ता प्राप्त व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित ना रहे, और इन शिविरों में सरकारी योजनाओं की जानकारी आमजनों तक पहुंचाने हेतु विशेष व्यवस्था की जाए। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला स्तर के पदाधिकारियों एवं वरीय पदाधिकारियों के साथ शिविरों का शेड्यूल तथा कार्य योजना साझा की और पंचायत के प्रत्येक गाँव/टोला में शिविर की तिथि तथा स्थान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया, ताकि शिविर में अधिक से अधिक लोग भाग ले सकें। उपायुक्त ने शिविरों में की जाने वाली गतिविधियों को लेकर सख्त निर्देश दिए, जिनमें मुख्य रूप से आवेदनों की प्राप्ति, आमजनों को राज्य सरकार को सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देना, कल्याणकारी योजनाओं एवं समस्याओं से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त करना, आवेदनों का त्वरित निष्पादन करना, आवेदनों की प्राप्ति एवं ऑन-द-स्पॉट लाभों के वितरण की जानकारी पोर्टल में अनिवार्य रूप से अपडेट करना शामिल है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि प्राप्त आवेदन पत्र के आधार पर योग्य लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का लाभ दिया जाए।

शिविर में मुख्य रूप से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, लॅप्स/पैक्स सदस्यता अभियान, अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों (जाति/आय/निवास, जन्म/मृत्यु/दिव्यांगता आदि) हेतु आवेदन, हरा राशन कार्ड निर्माण, बिजली बिल की शिकायतों का

निवारण, आधार एवं राशन कार्ड में संशोधन, राजस्व से जुड़े मामले जैसे दाखिल-खारिज, मापी, लगान रसीद, म्यूटेशन, एलपीसी, तथा ऑनलाइन रिकॉर्ड्स में सुधार, आयुष्मान कार्ड और सामुदायिक व्यक्तिगत वन पट्टा के लिए आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इसके अलावा, जो सर्वजन पेंशन, सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना और श्रम विभाग के पोर्टल पर प्रवासी श्रमिक पंजीकरण करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने प्रत्येक शिविर में कल्याण मंच स्थापित करने और लाभुकों के बीच चेक/परिसंपत्तियों का प्रतीकात्मक वितरण करने का निर्देश दिया, साथ ही सुनिश्चित किया कि साइकिल क्रय हेतु डीबीटी के माध्यम से राशि उसी दिन लाभार्थियों को प्राप्त हो जाए, और धोती, साड़ी, लुंगी, कंबल वितरण किए जाए। उपायुक्त के द्वारा आधार कार्ड से संबंधित मामलों को लेकर निर्देश दिए गए की संबंधित प्रखंडों के बीआरसी में आधार कैंप लगाए जाएं तथा इसकी निरंतर मॉनिटरिंग की जाए ताकि आधार संबंधी समस्याओं का निराकरण किया जा सके। श्रम अधीक्षक गोड्डा को निर्देश दिए गए कि श्रम विभाग से जुड़ी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु पंपलेट के माध्यम से लाभूकों तक संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाए। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान विकास आयुक्त दीपक कुमार दूबे, अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव, अनुमंडल पदाधिकारी महागामा आलोक वरण केसरी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी जिला नजर उपसमाहर्ता अविनाश कुमार पूर्णेन्दु, जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी अभय कुमार झा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, जिला कल्याण पदाधिकारी सुधीर प्रसाद चौधरी, नगर प्रशासक सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अरविंद प्रसाद अग्रवाल, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

अवैध कोयला कारोबारियों के विरुद्ध की गई छापेमारी में करीब 10 टन कोयला जब्त

संवाददाता

ललमटिया : ईसीएल क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसी दौरान ईसीएल सिक्योरिटी, सीआईएसएफ और ललमटिया पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बलिया मोड़ से हुर्रासी रोड, कड्डु टोला गांव के पास छापेमारी अभियान चलाया। उक्त कार्रवाई में टीम ने लगभग 10 टन अवैध कोयला जब्त किया जिससे पूरे क्षेत्र के कोयला कारोबारियों के बीच हड़कंप मची हुई है। संयुक्त टीम ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की और अवैध कोयले की सप्लाई चेन को खंगालने के लिए जांच तेज कर दी है। छापेमारी अभियान का नेतृत्व एस आई इंद्रदेव टुडू ने किया। एस आई के साथ होमगार्ड हवलदार रविकांत ओझा मौजूद थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस इलाके में काफी समय से अवैध कोयला परिवहन और स्टोरेज का खेल चल रहा था। कई बार शिकायतें भी की गईं, लेकिन इस कार्रवाई को बड़ी कार्यवाही माना जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब्त किए गए अवैध कोयले की कीमत लाखों में आंकी जा रही है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क में और भी कई लोग शामिल हो सकते हैं, जिनकी पहचान की जा रही है और जल्द ही और भी जगहों पर छापेमारी की जाएगी। इस संयुक्त कार्रवाई से एक बार फिर साफ हुआ है कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अवैध खनन और तस्करी के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है।

अनुमंडल कार्यालय के सामने का जलमीनार महीनों से खराब

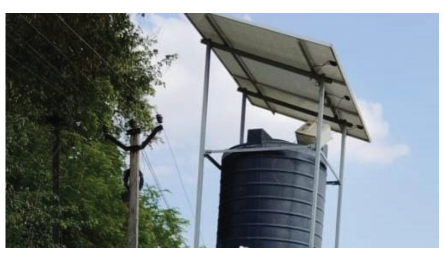

संवाददाता

महागामा : प्रखंड क्षेत्र में दिनों-दिन पेयजल संकट गहराता रहा है। अनुमंडल कार्यालय के ठीक सामने स्थित जल मीनार पिछले कई महीनों से खराब पड़ा है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से इसकी मरम्मत को लेकर कोई पहल नहीं की गई है। हालत यह है कि आम राहगीर से लेकर आसपास के दुकानदार तक एक-एक बूंद पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि धूप और गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए लोग इसी जलमीनार पर निर्भर थे, लेकिन महीनों से यह सूखा पड़ा है। हैरानी की बात यह है कि यह जल स्रोत नगर पंचायत कार्यालय से मात्र 5 मीटर की दूरी पर स्थित है, फिर भी अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। वहीं राहगीरों और स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। "हम लोग रोज यहां से गुजरते हैं, लेकिन पानी की एक बूंद भी नसीब नहीं होती। आखिर कब तक इस स्थिति का सामना करना पड़ेगा स्थानीय दुकानदारों ने नाराज़गी जताई। वहीं लोगों का आरोप है कि अधिकारी सिर्फ फाइलों और कागजों में काम दिखाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। नगर पंचायत की लापरवाही अब आम जनता की समस्या बन चुकी है।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और नगर पंचायत से तुरंत जलमीनार की मरम्मत कर पानी आपूर्ति चालू करने की मांग की है, ताकि राहगीरों और आम जनता को राहत मिल सके।

झारखंड स्थापना दिवस समारोह

♦ रक्तदान समाज एवं मानवता के प्रति एक बड़ी सेवा : उपायुक्त
♦ जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में रक्तदान शिविर आयोजित
♦ कुल 47 यूनिट रक्त हुआ संग्रह

संवाददाता

गोड्डा : झारखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में समाहरणालय सभागार एवं सदर अस्पताल गोड्डा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में कुल 47 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में विभिन्न विभागों के कई अधिकारियों एवं समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। इस संबंध में उपायुक्त के द्वारा आमजनों से रक्तदान की अपील करते हुए कहा गया कि रक्तदान समाज एवं मानवता के प्रति एक बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा दिए गए रक्त से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया गया उन्होंने कहा कि दुर्घटना की वजह से घायल या बीमारी की वजह से रक्त की कमी से जूझ रहे व्यक्ति को रक्त मिलने से उस व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समय समय पर जिला मुख्यालय समेत सभी प्रखंडों में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है ताकि अधिकाधिक मात्रा में रक्त का संग्रह किया जाय और जरूरतमंद लोगों को सही समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "रक्तदान एक ऐसा मानवीय कार्य है जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नई जिंदगी देने का अवसर प्रदान करता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित अंतराल पर रक्तदान कर समाज की सेवा में योगदान देना चाहिए। ज्ञात हो कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में आज समाहरणालय सभागार में 29 यूनिट एवं सदर अस्पताल गोड्डा में 18 यूनिट ब्लड बैंक गोड्डा के टीम के द्वारा रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त दीपक कुमार दूबे, अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, सिविल सर्जन डॉ० एससी शर्मा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला नजारत उपसमाहर्ता अविनाश कुमार पूर्णेन्दु, जिला कोषागार पदाधिकारी विजय मिश्रा, जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी अभय कुमार झा, जिला योजना पदाधिकारी फैजान सरवर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, जिला कल्याण पदाधिकारी सुधीर प्रसाद चौधरी, नगर प्रशासक सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अरविंद प्रसाद अग्रवाल, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारीगण, डीएमएफटी की टीम एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मीगण मौजूद रहे।

अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस का सर्विलांस प्लान तैयार : आईजी

संवाददाता

धनबाद। पुलिस महानिरीक्षक सुनील भास्कर (बोकारो प्रक्षेत्र) समीक्षात्मक बैठक को लेकर गुरुवार को धनबाद पहुंचे। धनबाद समाहरणालय स्थित सभागार में होने वाली समीक्षा बैठक से पूर्व उन्हें पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद समाहरणालय सभागार में एसएसपी प्रभात कुमार, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, डीएसपी सहित तमाम पुलिस अधिकारियों के साथ उन्होंने बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक के बाद आईजी सुनील भास्कर ने बताया कि जिले में होने वाली तमाम तरह की आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के लिए एक प्लान तैयार किया गया है, ताकि संगठित अपराध पर रोक लगाई जा सके। इसमें सीसीए लगाने, हिस्ट्रीशीटर, जेल से छूटे कैदी सहित अन्य संदिग्धों पर सर्विलांस लगाने के लिए प्लान तैयार किया गया है। ताकि शहर में होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि धनबाद में जितने भी आपराधिक ऑर्गनाइज्ड गैंग्स हैं उनपर लगाम लगाने को लेकर पुलिस पिछले दिनों की अपेक्षा बेहतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जिले में अपराध पर लगाम लगाने के लिए सिटी हॉक्स टीम तैयार की गई है, जो उच्च तकनीक वाले बाइक से शहर की पेट्रोलिंग कर रहे हैं। साथ ही वैसे थाने जो जर्जर स्थिति में है उन्हें दुरुस्त करने के लिए एसएसपी को हेडक्वार्टर में पत्राचार करने को कहा गया है।

मटकुरिया गोलीकांड में अब छह दिसंबर को आएगा अदालत का फैसला

संवाददाता

धनबाद। चर्चित मटकुरिया गोलीकांड मामले में गुरुवार को आने वाला फैसला एक बार फिर टल गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत ने अब मामले की अगली सुनवाई की तारीख छह दिसंबर को निर्धारित की है। करीब 14 वर्षों से लंबित इस मामले में अदालत ने छह नवंबर को दोनों पक्षों की अंतिम बहस सुनने के बाद फैसले के लिए 20 नवंबर की तिथि तय की थी। इसके लिए अदालत ने सभी आरोपितों को सशरीर उपस्थित रहने का आदेश दिया था। गुरुवार को सभी आरोपित कोर्ट पहुंचे, लेकिन किसी कारणवश फैसला स्थगित कर दिया गया और नई तारीख घोषित कर दी गई। इस संबंध में बचाव पक्ष के अधिवक्ता अरुण कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2011 में बीसीसीएल अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में मटकुरिया में आंदोलन हुआ था। इसका नेतृत्व नीरज सिंह और मन्नान मलिक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उस घटना में कुल 38 लोगों को आरोपित बनाया गया था और उन्हें 45 दिनों तक जेल में रहना पड़ा था। इस मामले के 33 आरोपित अभी जीवित हैं, जबकि 5 आरोपितों का निधन हो चुका है। गुरुवार को इस मामले में फैसला आना था और इसे लेकर सभी आरोपित अदालत में उपस्थित थे, लेकिन फैसला टल गया और अगली सुनवाई की तारीख छह दिसंबर निर्धारित कर दी गई। आरोपितों ने अदालत पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि 27 अप्रैल 2011 को मटकुरिया स्थित बीसीसीएल के आवासों को अतिक्रमणमुक्त कराने गए पुलिस बल और स्थानीय आंदोलनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान तत्कालीन एसपी रविकांत धान गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जबकि विकास सिंह सहित चार लोगों की मौत हो गई थी। तत्कालीन एसडीओ जॉर्ज कुमार के लिखित बयान पर बैंक मोड़ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस जांच के बाद इस मामले में 38 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था। सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री बच्चा सिंह, पूर्व मंत्री ओपी लाल, पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह, उदय सिंह और अशोक यादव की मौत हो गई। वहीं दिलीप कुमार को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

महिला ने फंदे से लटक कर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

धनबाद। झरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ऊपर राजबाड़ी रोड स्थित राजमाता कॉलोनी में बुधवार देर रात एक महिला की संदिग्ध मौत हो गई। मृतका की पहचान दीपाली दां (30) के रूप में हुई है। मृतका के पति का नाम तापस कुमार दां है। परिवार के अनुसार पति-पत्नी के बीच अक्सर छोटे-मोटे विवाद होते थे। बीती रात भी दोनों के बीच कहा-सुनी हुई, इसके बाद दीपाली कमरे में गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। परिवार ने इसे सामान्य समझा, क्योंकि वह पहले भी गुस्से में ऐसे ही दरवाजा बंद कर सो जाती थीं। लेकिन देर रात तक दरवाजा न खुलने पर परिजनों को शक हुआ। जब दरवाजा तोड़कर अंदर देखा गया तो दीपाली साड़ी का फंदा बनाकर पंखे से लटकी मिलीं। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। चौकीदार छोटेलाल पासवान ने बताया कि थाना से उन्हें पोस्टमार्टम करने के लिए निर्देश मिला था। उन्होंने कहा कि महिला ने साड़ी के फंदे से खुदकुशी कर ली है। वहीं मृतका के चचेरे भाई कृष्णा ने बताया कि रात में उन्हें फोन पर खबर मिली। उसने बताया कि उसकी बहन की शादी 12 साल पहले हुई थी। पति-पत्नी के बीच पहले भी झगड़े होते रहते थे, लेकिन ऐसा कदम उठा लेंगी कभी सोचा नहीं था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

स्कूटी पर बोरे में लदा अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, अभियुक्त मौके से फरार

संवाददाता

गोड्डा : पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार के दिशा निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध देशी एवं विदेशी शराब के विरुद्ध लगातार छापामारी की जा रही है। इसी क्रम में बुद्धवार को संध्या में गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति स्कूटी पर बोरे में तथा सीट के नीचे भर कर अंग्रेजी शराब विक्रय हेतु बलबड्डा चौक से छगराहा की ओर जा रहा है, सूचना सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु थाना गस्ती दल द्वारा गुरुदेव पब्लिक स्कूल बलबड्डा के पास एंटी क्राइम चेकिंग लगाया गया, चेकिंग के क्रम में एक स्कूटी पर सवार व्यक्ति आता दिखा जिसे गस्ती दल द्वारा रोकने का इशारा किया गया, परंतु वह व्यक्ति पुलिस को देखते ही स्कूटी छोड़कर भागने लगा। सशस्त्र बल के द्वारा उसको पकड़ने का प्रयास किया गया परंतु अंधेरे तथा झाड़ी का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। तदोपारंत उक्त यामाहा स्कूटी तथा उसमें रखें निम्न कंपनियों के कुल 31 बोतल अंग्रेजी शराब को विधिवत जप्त किया गया। इस संबंध में स्कूटी चालक तथा वाहन स्वामी के विरुद्ध बलबड्डा थाना कांड दर्ज किया गया है। कांड के अनुसंधान के क्रम में वाहन स्वामी एवं वाहन चालक की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है। छापामारी दल में पंकज कुमार सिंह, थाना प्रभारी, बलबड्डा थाना, शिव कुमार, नंदकिशोर कुमार, थाना सशस्त्र बल मौजूद थे।

सीनियर ए डिविजन क्रिकेट लीग

♦ रिलायंस बी ने स्वामी विवेकानंद को 4 विकेट से किया पराजित

संवाददाता

गोड्डा : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में स्थानीय गाँधी मैदान में आयोजित सीनियर ए डिविजन क्रिकेट लीग में रिलायंस बी क्रिकेट क्लब ने स्वामी विवेकानंद क्रिकेट क्लब को 4 विकेट से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्वामी विवेकानंद क्रिकेट क्लब की टीम सिर्फ 145 रन पर ऑल आउट हो गई।अजय ने 33 रन बनाया तथा गुफरान ने 3 विकेट प्राप्त किया। जवाब में रिलायंस बी की टीम सिर्फ 17 ओवर 5 गेंद में 6 विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाकर मैच जीत लिया।विकाश ने नाबाद 56 रन की पारी खेली। मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार विकाश को जिला क्रिकेट संघ के सदस्य सुजीत कुमार के द्वारा दिया गया। परसोती में खेले गए बी डिविजन क्रिकेट लीग में स्वामी विवेकानंद बी क्रिकेट क्लब ने महावीर युवा क्लब सरोतिया को 9 विकेट से पराजित कर नॉक आउट राउंड में अपना स्थान पक्का कर लिया।सरोतिया के 97 रन के जवाब में 8वें ओवर में ही 1 विकेट के नुकसान पर 98 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस अवसर पर सनोज कुमार, राजीव भंडारी, प्रभु, राजन झा, निकू, अभिषेक सहित अन्य उपस्थित थे।

वाहन जांच के दौरान चोरी की मोटरसाइकल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

गोड्डा : पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार के निर्देशानुसार चोरी गयी मोटरसाईकिल का उद्भेदन एवं बरामदगी हेतु विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया है, जिनके द्वारा लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। वहीं बीते दिनांक 19 नवंबर दिन बुधवार को गोढ़ी, मिशन चौक के पास संध्या गश्ती पदाधिकारी के द्वारा वाहन चेकिंग किया जा रहा था। वाहन जाँच करने के क्रम में एक मोटरसाईकिल चालक पुलिस बल को देखकर तेजी से मोटरसाईकिल मोड़ कर भागने के क्रम में मोटरसाईकिल सहित सड़क पर गिर गया। गश्ती के पुलिस बल द्वारा तत्परता से मोटरसाईकिल एवं व्यक्ति को उठाकर भागने का कारण पूछने पर टाल मटोल करने लगा। उक्त मोटरसाईकिल से संबंधित कागजात का मांग किया गया तो मोटरसाईकिल चालक द्वारा कोई वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही कोई संतोष जनक जबाब दिया गया। मोटरसाईकिल का भौतिक जाँच किया तो उक्त काला लाल रंग का ग्लैमर मोटरसाईकिल बिना नम्बर प्लेट का था, जिसका चेचिस नम्बर एमबीएलजेए 06 एएमईजीएम 03606 लिखा हुआ पाया। कड़ाई से पूछताछ करने पर बताये कि उक्त मोटरसाईकिल चोरी का है। पकड़ाये व्यक्ति से नाम पता पूछने पर वह अपना नाम शिवम कुमार मोहली, उम्र 21 वर्ष, पिता बृहस्पति मोहली, सा० रौतारा, थाना गोड्डा नगर, जिला गोड्डा बताया। इस संदर्भ में गोड्डा नगर थाना में कांड दर्ज करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। वहीं बताया गया कि गिरफ्तार अभियुक्त का पूर्व में अपराधिक इतिहास रहा है जिसमें गोड्डा नगर थाना में चार मामले दर्ज हैं। वहीं छापामारी दल में दिनेश कुमार महली थाना प्रभारी, रामाधार सिंह, रोहित कुमार यादव, उषा कुमारी, नगर थाना रिजर्व गार्ड मौजूद थे।

सर्दियों में खाएं ये फूड्स, हार्ट अटैक का खतरा होगा कम

सर्दियों में हार्ट अटैक के खतरे से बचने के लिए आप मछली,संतरा, अखरोट, लहसुन जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में दिल का खास ख्याल रखना पड़ता है। दरअसल ठंड में हार्ट अटैक के मामले में इजाफा हो जाता है। ठंड के मौसम में ब्लड वेसल्स सिकुड़ने लगती है जिसकी वजह से ब्लड का सर्कुलेशन कम हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। वहीं जिन लोगों की लाइफ स्टाइल पहले से ही खराब होती है उनके दिल पर ज्यादा खतरा होता है। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आप अपने दिल को सर्दियों में हल्दी बनाए रखें तो हम आपको कुछ खाद्य पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं जिसे डाइट में शामिल करने से आपके हार्ट को फायदा होगा बीपी कंट्रोल में रहेगी।

अखरोट

सर्दियों के मौसम में आपको ड्राई फ्रूट जैसे अखरोट को डाइट में शामिल करना चाहिए, इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं, इससे ब्लड वेसल्स की सेहत बनी रहती है। यह अल्फा लिनोलेनिक एसिड का समृद्ध स्रोत है जो हृदय सेहत में सुधार करते हैं।

आंवला

सर्दियों में आपको विटामिन सी से भरपूर आंवला का सेवन भी करना चाहिए। यह एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भी भरपूर होता है, जो हार्ट हेल्थ को सुधारने में मदद कर सकता है। इससे ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

लहसुन

लहसुन को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। इसमें एलिसिन नामक कंपाउंड होता है, जो ब्लड प्रेशर को कम कर मदद करता है, ब्लड वेसल्स को हेल्दी बनाता है, जिससे दिल की सेहत को सपोर्ट मिलता है। इससे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है।

मछली

अगर आप नॉनवेज लवर हैं तो आपको ठंड में मछली खाना चाहिए। इसमें कार्ब्स की मात्रा कम और ओमेगा 3 फैटी एसिड की मात्रा ज्यादा होती है। यह आपके हार्ट को फायदा पहुंचता है।

संतरा

विटामिन सी से भरपूर संतरे का सेवन जरूर करना चाहिए, यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो दिल की सेहत का ख्याल रखता है। यह बीपी को नियंत्रित करता है, रक्त वाहिकाओं की सेहत बनाए रखता है। विटामिन सी सूजन को कम करता है।

पीसीओएस की समस्या को नेचुरली करना है मैनेज तो फॉलो करें इंटरमिटेंट फास्टिंग

अगर आप पीसीओएस की शिकायत से जूझ रहे हैं तो ऐसे में आपको इंटरमिटेंट फास्टिंग का ऑप्शन चुनना चाहिए। इससे आपको यकीनन फायदा होगा।

आज के समय में अधिकतर महिलाएं पीसीओएस की समस्या से जूझ रही हैं। पीसीओएस की समस्या होने पर ना केवल आपको अधिक वजन के कारण परेशान होना पड़ता है, बल्कि इसके साथ-साथ आपको मूड स्विंग से लेकर अनियमित पीरियड्स जैसी कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि आप पीसीओएस को मैनेज करें और इसका सबसे पहला व बेसिक स्टेप है अपने लाइफस्टाइल को बदलना।

अगर आप भी पिछले काफी समय से पीसीओएस को मैनेज करने की जद्दोजहद में जुटी हैं तो ऐसे में इंटरमिटेंट फास्टिंग करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। अक्सर पीसीओएस को मैनेज करने के लिए हम सभी वजन कम करना चाहती हैं और इसके लिए अपने खाने को प्रतिबंधित करती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग आपके खाने की टाइमिंग पर अधिक फोकस करती है। जिससे इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होने से लेकर हार्मोन बैलेंस करने और वजन घटाने में भी मदद मिलती है। जिससे आपको पीसीओएस में काफी फायदा मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि पीसीओएस की समस्या होने पर इंटरमिटेंट फास्टिंग किस तरह फायदा पहुंचा सकती है-

इंसुलिन सेंसेटिविटी होती है बेहतर

जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग को फॉलो करती हैं तो इससे आपकी इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होती है। जिससे आपको पीसीओएस में लाभ होता है। दरअसल, पीसीओएस वाली अधिकतर महिलाओं में इंसुलिन का स्तर अधिक होता है। ऐसे में उनके शरीर के लिए ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। इससे ना केवल वजन तेजी से बढ़ता है, बल्कि हार्मोनल असंतुलन की शिकायत भी होती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए जब आप अपने खाने की टाइमिंग को सेट करती हैं तो इससे इंसुलिन लेवल को बेहतर बनाने में भी मदद मिलती है।

हार्मोन होते हैं बैलेंस

पीसीओएस की समस्या होने पर हार्मोन असंतुलित होने लगते हैं। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो इससे हार्मोन बैलेंस करने में मदद मिलती है। दरअसल, इंटरमिटेंट फास्टिंग फॉलो करने से आपका वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है, जिससे आपके हार्मोन बैलेंस होने लगते हैं। इसके अलावा, इंटरमिटेंट फास्टिंग से आपके शरीर में ऐसे परिवर्तन होते हैं जो इंसुलिन और एण्ड्रोजन के स्तर को कम करते हैं। यह बालों के विकास या मुंहासे जैसे पीसीओएस लक्षणों को कम कर सकता है।

मेटाबॉलिज्म होता है बूस्ट

अक्सर वजन कम करने के लिए लोग क्रैश डाइट फॉलो करते हैं, लेकिन यह आपको काफी सुस्त महसूस करवाती है। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो फास्टिंग पीरियड के दौरान आपका शरीर में पहले से ही स्टोर फैट को एनर्जी में बदलता है। इससे ना केवल आपका वजन कम होता है, बल्कि मेटाबॉलिज्म भी बूस्टअप होता है।

अतिरिक्त भूख होती है नियंत्रित

पीसीओएस में आपके भूख से जुड़े हार्मोन ग्रेलिन और लेप्टिन का तालमेल बिगड़ सकता है, जिससे आपको अत्यधिक खाने की इच्छा हो सकती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग इन भूख हार्मोन को रीसेट करने में मदद कर सकती है, जिससे यह पहचानना आसान हो जाता है कि आपको वास्तव में कब भूख लगी है और कब आपको बस यूं ही क्रेविंग्स हो रही है। इससे जब आप अपनी अतिरिक्त भूख को नियंत्रित कर पाते हैं तो इससे आपकी ओवर ऑल हेल्थ सुधरती है।

शरीर में पोटेशियम का स्तर कम हो जाए तो क्या होगा?

पोटेशियम एक बहुत ही महत्वपूर्ण खनिज है जो हमारे शरीर को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है यह एक इलेक्ट्रोलाइट्स है जो शरीर को रिचार्ज करता है। सेल्स तंत्रिकाओं और मांसपेशियों के ठीक से काम करने के लिए पोटेशियम बेहद जरूरी है।

शरीर में पोटेशियम का लेवल बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार खराब खानपान के चलते इसकी कमी हो जाती है, जिससे सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है आइए जानते हैं शरीर में पोटेशियम की कमी हो जाए तो क्या-क्या दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

- पोटेशियम शरीर में तरल पदार्थ के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। जब इसकी कमी होती है तो कोशिकाओं में असंतुलन हो सकता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव और अकड़न पैदा हो सकता है।
- पोटेशियम का स्तर कम होने से मानसिक स्थिति पर भी असर पड़ता है। इससे भ्रम, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी उलझन जैसी समस्याएं हो सकती है।
- इसकी कमी के कारण व्यक्ति थकान और कमजोरी महसूस कर सकता है। सांस लेने में भी परेशानी हो सकती है।
- पोटेशियम की कमी से व्यक्ति को त्वचा संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, हड्डियों पर भी इसका असर पड़ सकता है।
- पोटेशियम की कमी के चलते हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पैदा हो सकती है,जिससे दिल को नुकसान हो सकता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से दिल को अधिक काम करना पड़ता है। इसके चलते स्ट्रोक दिल का दौरा जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है। इससे दिल की धड़कन भी सामान्य हो सकती है।

एचएमपीवी से हो सकता है बचाव, पिएं यह सूप

एचएमपीवी वायरस से बचाव के लिए इम्यूनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी है। आप इस खास सूप को पीकर इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं।

सर्दियों में संक्रमण का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। वहीं इन दिनों एचएमपीवी जैसे वायरस का प्रकोप देखने को मिल रहा है। यह उन लोगों को अटैक करता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। खासतौर पर बच्चों बुजुर्ग या जिन लोगों को कोई बीमारी हो। ऐसे में सही खान-पान और पौष्टिक भोजन के जरिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। सूप एक बेहतरीन विकल्प है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकता है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आप मिक्सड वेज सूप का सेवन कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बढ़ाने की विधि और इसके फायदे।

मिक्सड वेज सूप बनाने की रेसिपी

1 कप गाजर, ½ कप शिमला मिर्च
1 कप मटर, 1 कप लौकी, आधा कप पालक
1 टमाटर कटा हुआ, 1 प्याज बारीक कटा हुआ
2 से 3 लहसुन की कलियां, 1 इंच अदरक
1 तेज पत्ता, 2-3 लौंग, एक चम्मच घी
काली मिर्च पाउडर ½ चम्मच, स्वादानुसार नमक
2 कप पानी

विधि

- सूप बनाने के लिए गाजर, शिमला मिर्च, मटर, लौकी, टमाटर और पालक को अच्छी तरह से धोकर उबाल लें।
- उबली हुई सब्जियों को ठंडा होने के लिए रख दें।
- उसके बाद इसे ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट तैयार कर लें।
- अब एक कड़ाही में घी गर्म करें।
- इसमें जीरा, कटा हुआ प्याज, लहसुन अदरक लौंग और तेज पत्ता डालकर भून लें।
- अब इसमें पिसी हुई सब्जियां डालें और अच्छी तरह से मिलाएं ।
- सूप को पतला करने के लिए इसमें पानी डालें और 8 से 10 मिनट तक पकने दें।
- स्वाद अनुसार नमक और काली मिर्च डालें।
- तैयार है आपका मिक्सड वेज सूप चाट मसाला डालें और गरमा-गरम सर्व करें।

मिक्सड वेज सूप के फायदे

- मिक्सड वेज सूप सभी तरह के विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है, जब इम्यूनिटी मजबूत होती है तो किसी भी तरह के इंफ्केशन को बढ़ने का खतरा काफी कम हो जाता है, आपका शरीर संक्रमण से लड़ता है।
- वहीं यह सूप पाचन को भी दुरुस्त रखता है। इसके अलावा यह शरीर को गर्माहट देता है।
- इसमें इस्तेमाल अदरक लहसुन और हल्दी जैसे मसाले में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरस गुण होते हैं जो संक्रमण को कम करते हैं। सूप शरीर को हाइड्रेट रखता है श्वसन तंत्र को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।

6 करोड़ की हेरोइन के साथ महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार, मुजफ्फरपुर में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में 6 करोड़ की हेरोइन जब्त की गई है। बिहार एसटीएफ के नारकोटिक्स सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी कोटा किरण कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ टाउन-2 विनीता सिन्हा के नेतृत्व में यह छापेमारी हुई थी। 6 करोड़ की हेरोइन जब्त: अहियापुर थाना पुलिस की इस कार्रवाई में कुल 1016 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। असल में एसटीएफ को सूचना मिली कि दो मादक पदार्थ तस्कर मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन से अहियापुर थाना क्षेत्र के बैरिया बस स्टैंड की ओर बड़ी मात्रा में हेरोइन लेकर जा रहे हैं। महिला समेत दो आरोपी गिरफ्तार: सूचना मिलते ही एसडीपीओ टाउन-2 विनीता सिन्हा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में अहियापुर थाना पुलिस को भी शामिल किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैरिया बस स्टैंड के पास दोनों तस्करों को दबोच लिया। पूर्वी चंपारण के रहने वाले हैं दोनों: गिरफ्तार तस्करों की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के घरहरवा गांव निवासी राजेश्वर पंडित और नकरदेई थाना क्षेत्र निवासी पूनम देवी के रूप में हुई है। दोनों के पास से 1016 ग्राम हेरोइन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार महिला पहले भी मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में जेल जा चुकी है। क्या बोले पुलिस अधीक्षक?: सिटी एसपी कोटा किरण कुमार ने बताया कि दोनों पूर्वी चम्पारण के रहने वाले हैं। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ के आधार पर फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेज की भी छानबीन की जा रही है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अहियापुर थाना में कांड संख्या 1569/25 दर्जकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। 'बिहार एसटीएफ के द्वारा गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि दो मादक पदार्थ तस्कर बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ हेरोइन लेकर रेलवे स्टेशन से अहियापुर थानांतर्गत बैरिया बस स्टैण्ड की तरफ जा रहे हैं। प्राप्त सूचना के आधार पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए थानांतर्गत बैरिया बस स्टैण्ड के पास मादक पदार्थ के साथ एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया।

शादी का कार्ड बांटने निकले युवक की मौत, बहनोई गंभीर, परिवार में मचा कोहराम

पटना, एजेंसी। नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम एक सड़क हादसे में साले की मौत हो गई, जबकि बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना बिहटा-सरमेरा टू-लेन के भेन्डा मोड़ के पास हुई। हादसे में मृतक की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के मालती गांव निवासी 25 वर्षीय अंबेडकर पासवान के रूप में की गई है, जो केशो पासवान के पुत्र थे। वहीं, गंभीर रूप से घायल व्यक्ति हिलसा थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव निवासी अनिकेत कुमार हैं। घटना के संबंध में मृतक के चचेरे भाई जितेंद्र कुमार ने बताया कि अंबेडकर अपने बहनोई अनिकेत कुमार के साथ शादी के कार्ड बांटने के लिए अहियाचक गांव जा रहे थे। इसी दौरान भेन्डा मोड़ के पास उनकी गाड़ी किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। हादसे के बाद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इन घायलों को पुलिस की मदद से बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने अंबेडकर को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अनिकेत को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अंबेडकर की शादी अगले महीने 4 दिसंबर को होने वाली थी। वह दिल्ली में एसी तकनीशियन का काम करता था। हादसे के बाद शादी वाले घर में मातम पसरा है। अंबेडकर तीन भाई और एक बहन में सबसे बड़े थे। रहुई थाना अध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एआईएमआईएम विधायक तौसीफ आलम पर नामांकन में जानकारी छिपाने का आरोप जांच की मांग से सियासी गर्मी बढ़ी

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के बहादुरगंज विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम विधायक तौसीफ आलम एक बार फिर चर्चाओं में आ गए हैं। इस बार उन पर नामांकन पत्र और शपथ पत्र में गलत जानकारी देने का आरोप लगाया गया है। सरंडा, बहादुरगंज निवासी आसिफ अकरम ने यह शिकायत निर्वाची पदाधिकारी, किशनगंज-52 (बहादुरगंज विधानसभा) को सौंपी है। शिकायतकर्ता आसिफ अकरम ने आरोप लगाया है कि विधायक तौसीफ आलम ने अपने नामांकन पत्र में अपने पुत्र और पुत्रियों का नाम नहीं दर्शाया है। उनके अनुसार, विधायक की दो पुत्रियां और एक पुत्र कुल तीन संतानें हैं, लेकिन आश्रित संतान के रूप में इनका उल्लेख नामांकन पत्र में नहीं किया गया। इसके अलावा आसिफ अकरम ने दावा किया है कि तौसीफ आलम पूर्व में चार बार विधायक रह चुके हैं, लेकिन नामांकन पत्र में इस जानकारी का उल्लेख नहीं किया गया। साथ ही पेंशन प्रमाणपत्र का जिक्र न होना भी नियमों का उल्लंघन बताया गया है। शिकायतकर्ता ने निर्वाची पदाधिकारी से मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस शिकायत की प्रतिलिपि निर्वाचन आयोग पटना, बिहार तथा जिला पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी किशनगंज को भी भेजी गई है। शिकायत सामने आने के बाद जिले में राजनीतिक चर्चाओं का माहौल गर्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि तौसीफ आलम पर पूर्व में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला भी दर्ज हो चुका है, जिससे वे अक्सर विवादों में घिरे रहते हैं। फिलहाल जिला प्रशासन और निर्वाचन पदाधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

सरकारी स्कूलों के विशिष्ट शिक्षकों का वेतन बढ़ा, सेवा पुस्तिका और प्रपत्र जमा करने का निर्देश

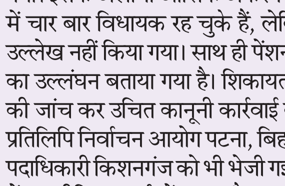

पटना, एजेंसी। पटना जिले के सरकारी स्कूलों में नियोजित से विशिष्ट शिक्षक बने शिक्षकों को अब वेतन वृद्धि और वेतन संरक्षण का लाभ मिलेगा। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने नया वेतन निर्धारण लागू करने का आदेश जारी किया है। इसके तहत सभी प्रधानाध्यापकों और प्रधान शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे शिक्षकों की सेवा पुस्तिका और आवश्यक वेतन निर्धारण प्रपत्र जिला शिक्षा कार्यालय में जमा कराएं। जिला शिक्षा कार्यालय ने सभी स्कूलों से समय पर प्रपत्र जमा कराने की अपील की है ताकि शिक्षकों को बढ़े हुए वेतन का लाभ जल्दी मिल सके। वेतन वृद्धि का लाभ कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों को दिया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि सभी विशिष्ट शिक्षक और प्रधानाध्यापक वेतन निर्धारण प्रपत्र में सभी जानकारी सही तरीके से भरें। इसके बाद सेवा पुस्तिका के साथ पूरा प्रपत्र प्रधानाध्यापक को जमा करें। प्रधानाध्यापक इन दस्तावेजों की जांच कर इसे स्थापना शाखा में भेजेंगे।

मुजफ्फरपुर में टीचर की हत्या, बॉडी हिलाकर मौत कन्फर्म की

भाई संग कोचिंग से लौट रही थी; बड़ी बहन बोली- अफेयर को लेकर पंचायत हुई थी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट स्कूल की टीचर की तीन गोली मारकर सरेराह हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान कोमल (21) के रूप में हुई। कोमल की बड़ी बहन ने बताया, 'गांव का एक लड़का बहन से बात करता था। ये 3 साल पहले की बात है, फिर कुछ विवाद के बाद मामला पंचायत तक पहुंचा। बाद में वो लड़का गांव छोड़कर चला गया था, कुछ दिन पहले लौटा है। पापा-भाई बाहर हैं, जब आएंगे तो हमलोग क्या जवाब देंगे?'

बाइक सवार बदमाशों ने मंगलवार को वारदात को अंजाम दिया। घटना के दौरान कोमल का छोटा भाई आदित्य उसके साथ मौजूद था। कोमल को किसने और क्यों गोली मारी, क्या वारदात के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला था या फिर कोई पुराना विवाद था।

दीदी को नकाब लगाए बदमाश ने गोली मारी- वारदात के दौरान कोमल को स्कूल से लेकर आ रहे उसके छोटे भाई आदित्य ने बताया, 'मैं दीदी को लेकर बाइक से आ रहा था। इसी दौरान घटनास्थल पर पहले से खड़े एक बाइक सवार ने मुझे रुकने का इशारा किया। बाइक सवार का चेहरा ढंका था। मैं बाइक सवार को नहीं जानता था। लेकिन फिर भी मैंने बाइक रोकी।'

'जब उससे रोके जाने का कारण पूछा तो – वो कुछ नहीं बोला। इसके बाद मैंने रास्ते से हटने के लिए कहा, लेकिन आरोपी वहां से नहीं हटा। फिर मैं गुस्से में आसपास से डंडा लेने चला गया। मैं जैसे ही आगे बढ़ा, गोली चलने की आवाज आई। आदित्य ने बताया, पीछे मुड़ा तो, दूसरी गोली चली और मेरी बहन जमीन पर गिर गई। इसके बाद आरोपी ने उसे पैर से हिला-डुलाकर देखा, उसे जब लगा कि कोमल की मौत हो चुकी है, तो आरोपी ने तीसरी गोली चलाई। चूंकि मैं थोड़ी दूरी पर था, इसलिए मैं आरोपी तक नहीं पहुंच पाया और वो भाग निकला।'

कोमल के चचेरे भाई ने घटना को लेकर क्या बताया?–कोमल के चचेरे भाई राहुल ने बताया, 'चाची के छोटे बेटे ने मुझे कॉल कर बताया कि दीदी को तीन गोली मारी है। मैं किसी तरह दौड़ते हुए घटनास्थल पर पहुंचा। मैंने किसी तरह पुलिस के साथ मिलकर कोमल को अस्पताल पहुंचाया।'

'चाचा का बेटा और उसके साथ एक और बच्चा था। पहले दो गोली कोमल को मारी, फिर जब कोमल जमीन पर गिर गई तो उसे तीसरी गोली मारी। अगर मेरा चचेरा भाई सामने आता तो उसे भी गोली मार देते। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि कोमल की मौत हो चुकी है। कोमल कन्हौली मोड़ पर कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ाती थी। वो पढ़ा कर कोचिंग से लौट रही थी। जब कोचिंग से कोमल निकली तो बड़ी दीदी को कॉल किया। फिर बड़ी दीदी ने मुझे कहा कि तुम कोमल को रिसीव कर लो।'

आरोपी का कोमल के आने की खबर थी– आरोपी को पता था कि कोचिंग से कोमल निकल चुकी है। वो कुछ दूर तक पैदल चली, लेकिन जब छोटा भाई बाइक से पहुंचा और कोमल को बैठाकर घर आने लगा तो आरोपी घटनास्थल पर अपनी बाइक लगाकर खड़ा हो गया। जब कोमल को लेकर छोटा भाई घटनास्थल के पास पहुंचा तो आरोपी ने उसकी बाइक को रोका और थोड़ी देर बाद वारदात को अंजाम दे दिया।

3 साल पुराना मामला, प्रेम प्रसंग को लेकर पंचायत हुई थी– कोमल की बड़ी बहन कंचन ने बताया कि 'तीन साल पुराना मामला था। गांव का ही एक बिट्टू नाम का लड़का है। कंचन जब स्कूल से आती थी, तब बिट्टू उसके रास्ते में खड़ा हो जाता, उसे देखकर मुस्कुराता था। दोनों के बीच बातचीत होती थी, लेकिन कुछ ऐसी बात हुई कि मामला पंचायत तक पहुंच गया। इसके बाद कोमल कुछ दिनों तक स्कूल नहीं गई। उधर, बिट्टू नाम के लड़के को उसके घरवालों ने कहीं बाहर भेज दिया।' हालांकि, जब इस बारे में गांव के लोगों से बातचीत की गई तो पता चला कि बिट्टू कुछ दिनों पहले ही गांव आया था। उसकी एक बार फिर से कोमल से बातचीत होने लगी थी।

गांव के लोगों ने कैमरे पर न आने और नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कोमल खुले विचारों वाली थी। वो हर किसी से बातचीत करती थी। अब वारदात को किसने अंजाम दिया और क्यों दिया, ये तो पुलिस ही बता पाएगी।

जिस बिट्टू का जिक्र हुआ, उससे पुलिस ने पूछताछ की, फिर छोड़ा– जानकारी के मुताबिक, कोमल की बड़ी बहन कंचन ने जिस बिट्टू का जिक्र किया, पुलिस ने वारदात के बाद देर रात उसे हिरासत में लिया था, लेकिन जब पूछताछ में कुछ संदिग्ध नहीं लगा तो उसे छोड़ दिया गया।

पुलिस का कहना है कि घटनास्थल और आसपास के करीब 10 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया है, लेकिन हमलावर के संबंध में कोई सुराग नहीं मिला है। मृतका कोमल के घरवाले ही कुछ छिपा रहे हैं, जिससे पुलिस को हमलावर तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। फिलहाल, पुलिस अपने स्तर से जांच पड़ताल कर रही है।

कोमल की शादी तय हो गई थी, इस एंगल पर भी जांच जारी– कोमल की शादी तय हो गई थी, इस एंगल से भी पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

मृतका के पिता कैलाश चौधरी दिल्ली में जबकि बड़ा भाई हैदराबाद में किसी कंपनी में प्राइवेट जॉब करता है। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, लिहाजा कोमल घर के पास ही एक प्राइवेट स्कूल में बच्चों को पढ़ाती थी। घर में कोमल ,अपनी मां और छोटे भाई के साथ रहती थी। मुसहरी थाना के एसएचओ सुबोध कुमार मेहता के मुताबिक, मृतका कोमल और उसके परिवार के लोगों के मोबाइल कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। अब तक कुछ सबूत नहीं मिल पाया है। ऐसा लग रहा है कि परिवार के लोग कुछ छिपा रहे हैं।

नशे में पति का कहर, लोहे की रॉड से पत्नी का सिर फोड़ा, की दुपट्टे से गला दबाकर मारने की कोशिश

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के बहादुरगंज थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां नशे में धुत एक पति ने अपनी पत्नी के साथ बेरहमी की हदें पार कर दीं। लोहे की रॉड से पत्नी का सिर फोड़ने के बाद उसने दुपट्टे से गला दबाकर जान लेने की कोशिश की। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने महिला को बचाया और उसे अस्पताल पहुंचाया।

यह घटना लोहागाड़ा हाट, वार्ड नंबर 5 की है। पीड़िता ईरसत प्रवीण (25 वर्ष) ने अपने आवेदन में बताया कि उनके पति मुस्ताक साह (28 वर्ष) नशे की हालत में घर लौटे और आते ही उन्हें भद्दी-भद्दी गालियां देने लगे। जब ईरसत ने घर खर्च न देने और रोज नशा करने का विरोध किया, तो मुस्ताक साह आगबबूला हो गए।

पीड़िता के अनुसार, पति ने उनके बाल पकड़कर आंगन में घसीटा और बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। इसके बाद जान से मारने की नीयत से लोहे की रॉड से उनके सिर पर कई वार किए, जिससे

उनका सिर फट गया और वह लहूलुहान हो गईं। जान बचाने के लिए जब ईरसत भागीं, तो मुस्ताक ने उन्हें पकड़ लिया और दुपट्टे से उनका गला घोंटने की कोशिश की। इसी दौरान ईरसत की चीखें सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और उन्हें बचाकर मुस्ताक साह को पकड़ लिया। घायल ईरसत प्रवीण को पड़ोसियों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरगंज में भर्ती कराया। ईरसत ने बताया कि मुस्ताक साह पहले भी नशे में उनके साथ मारपीट कर चुके हैं। वह घर का खर्च नहीं देते और नशे के लिए घर का सामान तक बेच देते हैं। विरोध करने पर अक्सर मारपीट की जाती है।

'संजय हटाओ राजद बचाओ', आरजेडी कार्यालय के सामने कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन तेजस्वी के करीबी का फूंका पुतला

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मिली करारी हार के बाद आरजेडी में अंतर्विरोध बढ़ने लगा है. खासकर तेजस्वी यादव के करीबी और राज्यसभा सांसद संजय यादव के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही है. रोहिणी आचार्य के बाद अब कार्यकर्ता भी खुलकर सामने आने लगे हैं. बुधवार को प्रदेश कार्यालय के सामने जमकर नारेबाजी हुई. कार्यकर्ताओं ने उनका पुतला भी फूंका. ये लोग संजय को पार्टी से हटाने की मांग कर रहे हैं.

संजय यादव के खिलाफ प्रदर्शन: आरजेडी प्रदेश कार्यालय के बाहर दर्जनों कार्यकर्ताओं ने संजय यादव और विधान पार्षद सुनील सिंह के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. साथ ही दोनों नेताओं का पुतला दहन किया. इनका आरोप है कि संजय यादव और सुनील सिंह पार्टी को बर्बाद करने पर तुले हैं. कार्यकर्ताओं ने इस दौरान

'संजय हटाओ राजद बचाओ' और 'संजय यादव गो बैक' के नारे भी लगाए.

'संजय यादव के कारण मिली हार' : आरजेडी कार्यालय के सामने पुतला दहन करने के बाद कार्यकर्ता पृथ्वीराज चौहान ने साफ-साफ कहा कि संजय यादव और सुनील सिंह के कारण इस चुनाव में पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा है. इसलिए हम मांग करते हैं कि पार्टी को बचाने के लिए इनको बाहर किया जाए.

'लालू यादव की विचारधारा को ध्वस्त करने का काम संजय यादव और सुनील सिंह ने किया है. हम लोग इसी का विरोध कर रहे हैं. हमारी मांग है कि जल्द से जल्द संजय यादव को पार्टी से निकाल जाए. '- पृथ्वीराज चौहान, कार्यकर्ता, राष्ट्रीय जनता दल

'संजय हटाओ राजद बचाओ': वहीं, धर्मेंद्र यादव ने कहा कि जबतक संजय यादव को नहीं हटाया जाएगा, हमारा विरोध जारी रहेगा. इन्होंने जो देकर कहा कि आरजेडी को बचाने के लिए संजय यादव को हटाना जरूरी है. वैसे भी बिहार को बिहार चलाएगा, हरियाणवी नहीं.

रोहिणी ने लगाए थे आरोप: आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव की दूसरी बेटी और सारण लोकसभा सीट से आरजेडी की प्रत्याशी रह चुकीं रोहिणी आचार्य ने भी संजय यादव पर पार्टी को हाईजैक करने और परिवार में फूट डालने के आरोप लगाए हैं. उनको आरोप है कि संजय के लिए तेजस्वी यादव ने उन पर चप्पल भी उठाए.

तेजप्रताप बता चुके हैं जयचंद: इससे पहले तेजप्रताप यादव ने भी कई बार संजय यादव पर हमला बोला था. बिना लिए उनको जयचंद कहकर बुलाते हैं. उनका भी आरोप है कि संजय यादव की पार्टी से जुड़े तमाम फैसले लेते हैं, जिस वजह से पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है।

चुनाव खत्म होते ही काम शुरू, 10 दिसंबर को बिहार पुलिस चालक सिपाही भर्ती परीक्षा

पटना , एजेंसी। बिहार पुलिस में 'चालक सिपाही' के 4,361 पदों पर बहुप्रतीक्षित लिखित परीक्षा 10 दिसंबर 2025 को आयोजित की जाएगी। केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ने आधिकारिक सूचना जारी कर सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। साथ ही सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई है।

315 परीक्षा केन्द्रों पर होगा एग्जाम : पर्षद के अनुसार इस बार परीक्षा का आयोजन राज्य के कुल 15 जिलों में किया जा रहा है, जिनमें 315 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। बड़ी संख्या में आवेदकों को देखते हुए सुरक्षा, अनुशासन और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रों पर विशेष प्रबंध किए गए हैं। जिला स्तर पर पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों की टीम को भी तैनात किया जाएगा, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह सुचारू रहे।

ऐसे प्राप्त करें अपना प्रवेश पत्र : अभ्यर्थियों के लिए ई-प्रवेश पत्र ऑनलाइन जारी कर दिए गए हैं, जिन्हें पर्षद की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। प्रवेश पत्र डाउनलोड करते समय किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प सेक्शन की सहायता ले सकते हैं।

पाठ्यक्रम को ध्यानपूर्वक पढ़कर परीक्षा की तैयारी करें : वहीं, जिन अभ्यर्थियों का ई-प्रवेश पत्र किसी कारणवश डाउनलोड नहीं हो पा रहा है, उनके लिए डुप्लीकेट प्रवेश पत्र जारी करने की व्यवस्था भी पर्षद ने किया है। डुप्लीकेट प्रवेश पत्र से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश भी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे पाठ्यक्रम को ध्यानपूर्वक पढ़कर परीक्षा की तैयारी करें और निर्धारित समय से पहले अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचे।

यह परीक्षा पीईटी के लिए योग्यता वास्ते : चालक सिपाही के इस चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा केवल प्राथमिक चरण है। परीक्षा का पाठ्यक्रम, परीक्षा पैटर्न, अंक विभाजन और महत्वपूर्ण नियम भी वेबसाइट पर विस्तार से प्रकाशित किए गए हैं। पर्षद ने स्पष्ट किया है कि लिखित परीक्षा में प्राप्त अंक मेरिट निर्धारण के लिए नहीं जोड़े जाएंगे, बल्कि केवल शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए योग्यता तय करेंगे।

''किसी भी प्रकार के अनुचित साधन का प्रयोग या परीक्षा केंद्र पर अनुशासनहीनता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर आदि पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। अभ्यर्थियों को केवल प्रवेश पत्र और एक वैध फोटो पहचान पत्र ही साथ लाने की अनुमति है।''- केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती)

गड़बड़ी ना हो इसके लिए चुस्त व्यवस्था : यह भी स्पष्ट किया गया है कि पुलिस भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और कड़ाई को लेकर इस बार भी पर्षद कोई समझौता नहीं करने वाला है। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी व्यवस्था, जैमर और अतिरिक्त बल तैनात किए जाएंगे, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना न रहे।

महाबलीपुरम से दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग आज बिहार के लिए रवाना होगा

पटना, एजेंसी। विराट रामायण मंदिर में स्थापित होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग शुक्रवार को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से बिहार के लिए रवाना किया जाएगा। इसके लिए महावीर मंदिर के सुपरिटेंडेंट के सुधाकरण और जनसंपर्क पदाधिकारी अजय कुमार सिंह महाबलीपुरम जा रहे हैं। वहां पहले शिवलिंग की पूरे विधि-विधान से पूजा होगी।

इसके बाद 156 चक्के वाले ट्रक पर उसे रखा जाएगा। यह ट्रक करीब डेढ़ महीने में कैथवलिया पहुंचेगा। इस शिवलिंग को पूर्वी चंपारण के केसरिया और चकिया के बीच कैथवलिया में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर में स्थापित किया जाएगा। जनवरी के अंत तक या फरवरी के पहले हफ्ते में इस शिवलिंग को स्थापित किया जाएगा। बिहार की सीमा में पहुंचने पर शिवलिंग का जगह-जगह स्वागत किया जाएगा। मोहनिया, आरा और पटना होते हुए यह शिवलिंग मंदिर पहुंचेगा।

चांदी के 15 फीट ऊंचे अरघा पर स्थापित होगा शिवलिंग–

सिंगल पत्थर से तराश कर निकाला गया यह दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग है। महावीर मंदिर न्यास के सदस्य सायण कुणाल के अनुसार इस शिवलिंग की ऊंचाई और गोलाई भी 33 फीट है। वजन 210 मीट्रिक टन है। इसके साथ एक हजार छोटे शिवलिंग भी होंगे। इसे सहस्त्रलिंगम के रूप में जाना जाता है। भारत में आठवीं सदी तक सहस्त्रलिंगम के प्रमाण हैं। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर की चट्टान को तराशकर इस शिवलिंग का निर्माण किया गया है। 140 एकड़ में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर विश्व का सबसे बड़ा मंदिर होगा।

बिहार में एनडीए का शक्ति प्रदर्शन: पीएम मोदी ने पांच बार झुककर किया अभिवादन, गमछा लहराया

पटना, एजेंसी। बिहार में आज नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित इस समारोह को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के शक्ति प्रदर्शन की तरह भी देखा जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा भाजपा-एनडीए शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। समारोह के अंत में पीएम मोदी का खास अंदाज भी दिखा।

समारोह के दौरान सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व की सराहना की और बिहार की नई सरकार को शुभकामनाएं दीं। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा, 'मैं बिहार की बनने वाली सरकार को हार्दिक बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने बिहार में मजबूत सरकार बनाई है। नीतीश कुमार जी को 10वीं बार मुख्यमंत्री बनने पर शुभकामनाएं।' मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के। संगमा ने कहा, 'यह पीएम मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की ऐतिहासिक विजय है। बिहार ने एनडीए पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए जनता का धन्यवाद।' गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, ओडिशा, असम, हरियाणा, नागालैंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में पहुंचे और बिहार की जनता को ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी।

दिखा पीएम मोदी का अनोखा अंदाज– शपथ ग्रहण समारोह समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अनोखा अंदाज देखने को मिला। सबसे पहले वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हाथ थामकर मंच के आगे की ओर बढ़े। इसके बाद पीएम मोदी ने पांच बार झुककर जनता का अभिवादन किया। मंच पर मौजूद शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों के पास जाकर उन्होंने उनका उत्साहवर्धन किया और फिर जनता की ओर मुड़कर अपना गमछा लहराया। बदले में गांधी मैदान में मौजूद लोगों ने भी अपना अपना गमछा लहराकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

चुनाव प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी कई बार ऐसा कर चुके हैं। इतना ही नहीं, विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद जब वे बीजेपी कार्यालय पहुंचे थे, तब भी उन्होंने गमछा लहराकर जनता का अभिनंदन किया था।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए ये नेता– शपथ ग्रहण समारोह में कई राज्यों के बड़े नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नैयाब सिंह सैनी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के। संगमा शामिल हुए।

इसके अलावा ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी पहुंचे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी भी रही। केंद्रीय नेताओं में गिरिराज सिंह, शिवराज सिंह चौहान, चिराग पासवान, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, रविशंकर प्रसाद, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू, आईटी मंत्री नारा लोकेश और चिराग की मां रीना पासवान ने भी समारोह में भाग लेकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

गांधी मैदान में पवन सिंह ने जमाया रंग– पटना के गांधी मैदान में पवन सिंह और मनोज तिवारी ने शानदार माहौल बना दिया। दोनों बीजेपी नेता मंच पर परफॉर्म कर रहे थे। पवन सिंह ने अपने गानों के जरिए बिहार विधानसभा चुनाव में मोदी-नीतीश की जोड़ी की बड़ी जीत का जश्न मनाया और खूब धमाल मचाया।

घूस लेते गिरफ्तार रेलवे इंजीनियर समेत चार सीबीआई की रिमांड पर

पटना, एजेंसी। एक करोड़ घूस लेते हाजीपुर में गिरफ्तार पूर्व मध्य रेलवे के निर्माण विभाग के डिप्टी चीफ इंजीनियर आलोक कुमार, क्लर्क आलोक कुमार दास को सीबीआई ने 7 दिन, जबकि पीडब्ल्यू इंफ्राटेक के प्रोजेक्ट मैनेजर गोविंद भूलर और इसी कंपनी के कर्मी सूरज प्रसाद को 10 दिन की रिमांड पर लिया है। पटना सिविल कोर्ट स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में चारों को पेश किया गया। सीबीआई ने दलील दी कि इन लोगों से पूरी तरह से पूछताछ नहीं हो सकी है। इसलिए रिमांड पर लेना जरूरी है। अदालत ने सीबीआई की दलील को स्वीकार करते हुए इंजीनियर और क्लर्क को 7 दिन, जबकि ठेकेदारों को 10 दिन की रिमांड पर दे दिया।

विचार-मंथन

संपादकीय

दुनिया को हैरान कर रहा ? शेख हसीना को फांसी देने वाला ऐलान

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुई हिंसा के मामले में दोषी ठहराया गया है और उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई है। यह फैसला ढाका के इंटरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल में सुनाया गया, जहां मुकदमा चलाने के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा लगता है कि इस सुनवाई का मकसद न्याय दिलाना नहीं, बल्कि बदला लेना था। इस फैसले से बांग्लादेश की राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता और बढ़ने की आशंका है। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी फांसी की सजा मिली है। इस फैसले पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, खासकर इसलिए क्योंकि आरोपियों को ठीक से अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला। आरोपपत्र इसी साल जून में दाखिल हुआ था और सिर्फ पांच महीने में इतने गंभीर मामले का फैसला आ गया। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का कहना है कि ट्रिब्यूनल में केवल 20 सुनवाई हुईं। यह बहुत कम समय है इतने बड़े मामले को निपटाने के लिए। बांग्लादेश इस समय एक अंतरिम सरकार के अधीन है, जिसका नेतृत्व मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं। सेना का समर्थन होने के बावजूद, वे देश में स्थिरता लाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। उनके सत्ता संभालने के बाद से अल्पसंख्यकों पर 2,000 से ज्यादा हमले हुए हैं। कानून-व्यवस्था की हालत इतनी खराब है कि शेख हसीना पर फैसले से पहले ढाका में 'शूट एंड साइट' (देखते ही गोली मारने) का आदेश जारी करना पड़ा। इसके बावजूद, हिंसक घटनाएं रुकी नहीं। ऐसा लगता है कि कट्टरपंथियों के दबाव में इतिहास को नजरअंदाज किया गया और भारत विरोधी रुख अपनाते हुए पाकिस्तान से हाथ मिला लिया गया। मोहम्मद यूनुस ने देश को एक बहुत ही मुश्किल मोड़ पर ला खड़ा किया है। छात्र आंदोलन का सपना था कि देश में लोगों द्वारा चुनी हुई एक मजबूत सरकार बने, लेकिन यह सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है। मोहम्मद यूनुस ने अगले साल फरवरी में चुनाव कराने का ऐलान किया है। हालांकि, इस चुनाव की विश्वसनीयता तब तक संदेह के घेरे में रहेगी, जब तक अवामी लीग सहित सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर नहीं मिलता। फिलहाल, अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा हुआ है। शेख हसीना को फांसी की सजा का ऐलान बांग्लादेश की मौजूदा बड़ी समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश लग रही है। युवाओं में बेचैनी बढ़ रही है। छात्र समूह पहले ही अंतरिम सरकार से अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

हाई-टेक लूट का नया युग, 'डिजिटल अरेस्ट'

पिछले कुछ समय से साइबर अपराधियों का संजाल जिस तरह लगातार बढ़ता देखा जा रहा है, उसमें डिजिटल हो रही व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। इससे निपटने के लिए सरकार और जांच एजंसियों के मौजूदा सुरक्षात्मक उपाय बौने साबित हो रहे हैं। साइबर अपराधी ठगी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए नए-नए तरीके इजाद कर रहे हैं। 'डिजिटल अरेस्ट' भी इनमें से एक है, जिसके जरिए बड़े पैमाने पर लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा रहा है।इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केंद्र सरकार और केंद्रीय जांच जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने ऐसे मामलों में अब तक तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक की उगाही किए जाने का अनुमान जताया है। यही कारण है कि अब सर्वोच्च अदालत ने इस तरह के मामलों से सख्ती से निपटने की जरूरत पर बल दिया है। साथ ही कहा कि अगर अदालत से कड़े आदेश पारित नहीं किए गए, तो यह समस्या और भी गंभीर हो सकती है।गौरतलब है कि देश में साइबर अपराधों के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी का आकलन राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की हाल की एक रपट से किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2022 में देश भर में साइबर अपराध के 65,983 मामले दर्ज किए गए, जिनकी संख्या 2023 में इकतीस फीसद बढ़कर 86,420 हो गई। साइबर ठगी के ऐसे मामले भी सामने आते रहे हैं, जिनमें पीड़ित लोगों से करोड़ों रुपए ऐंठ लिए गए। ऐसे ही एक मामले में पिछले दिनों हरियाणा के अंबाला की एक बुजुर्ग महिला ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि उन्हें और उनके पति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर अपराधियों ने उनसे एक करोड़ रुपए से अधिक की रकम हड़प ली।इसके बाद शीर्ष अदालत ने ऐसे मामलों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। सर्वोच्च न्यायालय के इस दखल से उम्मीद है कि सरकार और जांच एजंसियों की ओर से साइबर ठगों पर नकेल कसने के लिए जल्द ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएंगे।

वामपंथी वैचारिकी के करीब होने के साथ ही तेजस्वी उस राहुल गांधी के भी करीब हैं, जिन्हें हर समस्या का समाधान वामपंथी सोच में ही नजर आती है। प्रियंका, कंचना और सारिका जैसी बदमिजाज प्रवक्ताओं को प्रश्रय संजय यादव और रमीज की ही शह पर दिया गया। हर घर में सरकारी नौकरी देने का तेजस्वी के वायदे के पीछे वामपंथी अतिवादी वैचारिकी का ही हाथ रहा, नतीजा सामने है। बिहार की सत्ता छींका की तरह तेजस्वी और राष्ट्रीय जनता दल से दूर हो गई है। पेरियार और फुले की वैचारिकी पर आधारित राष्ट्रीय जनता दल अगर आने वाले दिनों में बिखराव की ओर चल पड़े तो हैरत नहीं होनी चाहिए। पारिवारिक बिखराव तो खैर शुरू हो ही चुका है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

समाजवाद से दूरी ने कहीं का नहीं छोड़ा

(उमेश चतुर्वेदी)

बिहार में एनडीए की जीत को अपने-अपने नजरिए से देखा और विश्लेषित किया जा रहा है। बिहार में एनडीए की जीत के पीछे किसी को चुनाव आयोग की मिलीभगत दिख रही है तो किसी को सत्ता का दुरूपयोग तो कोई इसे भीतरघात के रूप में देख रहा है। लेकिन किसी ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि बिहार के पूरे प्रचार अभियान में सत्ता के दावेदार विपक्षी गठबंधन ने कितनी बार कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, लोहिया की सप्त क्रांति की बात छोड़िए, कितनी बार जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति की चर्चा हुई? यह सवाल इसलिए जरूरी और वाजिब लगता है, क्योंकि महागठबंधन की अगुआई जो राष्ट्रीय जनता दल कर रहा है या कर रहा था, घोषित तौर पर लालू प्रसाद यादव उसके प्रमुख हैं। जो नहीं जानते हैं, उनके लिए यह बताना जरूरी है कि लालू यादव जिस आंदोलन की उपज माने जाते हैं, उस जेपी आंदोलन के अगुआ जयप्रकाश नारायण रहे हैं। जयप्रकाश नारायण कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से थे और लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल घोषित तौर पर समाजवादी विचारधारा वाला दल है। जिस तरह लालू परिवार की सिरफुट्टौवल की बातें चारदीवारी से बाहर आ रही हैं, उससे साबित हो रहा है कि लालू अपनी पार्टी के सिर्फ कहने भर के अध्यक्ष हैं। पार्टी पर उनकी बजाय तेजस्वी यादव की पकड़ कहीं ज्यादा मजबूत है। एक तरह से कह सकते हैं कि तेजस्वी ही इस पार्टी के मालिक हैं। तेजस्वी जिन लोगों से घिरे हुए हैं, उन्हें तपी-तपाई समाजवादी विचारधारा से कुछ लेना-देना नहीं है। पार्टी भले ही घोषित रूप से समाजवादी हो, लेकिन हकीकत में पार्टी पर वामपंथी वैचारिक धारा का कब्जा है। तेजस्वी के करीबी संजय यादव और रमीज का नाम घर से बाहर निकाले गए तेजप्रताप यादव ने कभी खुलकर नहीं लिया, लेकिन घर से बेआबरू होकर निकली लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी ने दोनों का खुलकर नाम ले लिया है। वैसे बिहार में पहले से ही चर्चा थी कि तेजस्वी को इन्हीं दोनों नामों पर भरोसा है। पता नहीं, इन दोनों ने हाथ तेजस्वी कौन की नस दबी है, लेकिन अब साफ हो गया है कि परिवार की कीमत पर अगर तेजस्वी इन पर भरोसा करते हैं तो तय है कि इसके पीछे कुछ न कुछ गंभीर कारण जरूर हैं। उनकी सियासी प्रतिभा नहीं। अगर उनकी सियासी प्रतिभा होती तो बेशक तेजस्वी आज सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होते, लेकिन कम से शर्मनाक हार के किनारे पर उनका दल नहीं पहुंचा होता। जनता दल से अलग राष्ट्रीय जनता दल गठित करते वक्त ही तय हो गया था कि समाजवादी दर्शन की खोल में राष्ट्रीय जनता दल परिवारवाद का परचम लहराने की कोशिश करेगा। उसने लहराया भी, लेकिन उसने गांधी, लोहिया और जयप्रकाश के नाम का मुखौटा धारण किए रखा। 2025 का विधानसभा चुनाव पहला ऐसा चुनाव रहा, जिसमें ना तो टीवी और अखबारी चर्चाओं में इस दल ने लोहिया, जयप्रकाश या कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, ना ही मैदानी चुनावी सभाओं में इस पर फोकस किया गया। राष्ट्रीय जनता दल का टेलीविजन चैनलो पर पक्ष रखने के लिए तीन महिलाएं आगे कर दी गईं। प्रियंका भारती, कंचना यादव और सारिका पासवान को सौम्य और मृदु मृत्युंजय तिवारी और पढ़ाकू बौद्धिक मनोज झा के मुकाबले तवज्जो दी गई। तीनों महिलाएं बहस कम, बदतमीजी ज्यादा करती दिखीं। उन्हें लगा कि दबंग आवाज में अपनी बात रखेंगे तो वह दूर तक सुनी जाएगी। इन्होंने अपने विपक्षी नेताओं को खुलेआम अपशब्द कहे, उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की। आधुनिक टेलीविजन विमर्श के बड़े और गंभीर चेहरे सुधांशु त्रिवेदी से प्रियंका ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंचना ने तो शुभ्रास्था के साथ सड़क छाप भाषा का इस्तेमाल किया। प्रियंका और कंचना भारतीय शिक्षा व्यवस्था में लालगढ़ के रूप में विख्यात जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्राएं हैं। यह ठीक है कि जेएनयू पढ़ाई का संस्कार तो देता है, लेकिन उसका संकट यह है कि वह भारतीय समाज को वामपंथी चश्मे से देखने और समझने का जबर्दस्ती संस्कार थोप देता है। इसलिए यहां की वामपंथी राजनीति में पगा-डूबा छात्र समाज की हर समस्या के मूल को रामास्वामी पेरियार और महात्मा फुले के वैचारिक दर्शन के ही सहारे ढूंढ़ता है और उनके ही सुझाए अतिवादी विचारों के जरिए उन्हें सुलझाने की समझ विकसित करता है। प्रियंका और कंचना जेएनयू की उसी परंपरा में पगी-डूबी छात्रा हैं, इसलिए वे बिहार के समाज को भी उसी अंदाज में समझ रही थीं और अपने हिसाब से राष्ट्रीय जनता दल को उसी नजरिए से आगे बढ़ा रही थीं। इसका असर यह हुआ कि जिस बिहार की धरती से भारतीय समाजवाद ने राजनीतिक गलियारों तक की सफल यात्रा की थी, जिसके उत्तराधिकारी खुद लालू यादव भी रहे हैं, उस समाजवाद का सार्वजनिक विमर्श में भूले-भटके भी इस्तेमाल नहीं हुआ। जिस कर्पूरी ठाकुर की राजनीति के उत्तराधिकारी लालू रहे, उनका भी नाम नहीं लिया गया। जेपी और लोहिया की तो बात ही और है। सवाल यह है कि लालू की पार्टी का जो कट्टर समर्थक यादव समुदाय है, क्या वह सचमुच पेरियारवादी है, वह फुले के वैचारिक दर्शन को मानता है। पेरियार और फुले जिस ब्राह्मणवाद की कटु आलोचना करते हैं, राजनीति को छोड़ दें तो यादव समाज भी वास्तविक जीवन में उतना ही ब्राह्मणवादी है। वह भी हिंदू है और कई बार तो कथित सवर्ण समाज से भी कहीं ज्यादा हिंदू है। वह भी उसी तरह पूजा-पाठ करता है, उसी तरह धार्मिक है, उसी तरह पारिवारिक संस्कार करता है, जैसा बाकी कथित ब्राह्मणवादी व्यवस्था वाले लोग करते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या राम मंदिर की आलोचना करना, छठ पूजा पर सवाल उठाना क्या आम यादव समुदाय को स्वीकार्य हो पाया होगा? वैसे राबड़ी देवी ने छठ पूजा छोड़ दी है। लेकिन उनकी छठ पूजा भी कभी बिहार के मीडिया माध्यमों के लिए बड़ी खबर बनी रहती थी। तेजप्रताप को राजद के इस विचलन का पता था, शायद यही वजह है कि उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में अपील कर दी थी कि अब तेजस्वी जी की पत्नी को छठ पूजा का व्रत शुरू कर देना चाहिए। क्योंकि बिहार में सास से बहू छठ पूजा का उत्तराधिकार हासिल करती है। बहरहाल चुनाव नतीजों ने तो बता दिया कि बिहार में विपक्षी गठबंधन जिसे ब्राह्मणवादी व्यवस्था से दूर करने की कोशिश कर रहा था या दूर मान रहा था, वह भी दरअसल उसकी सोच के दूसरे बिंदु पर खड़ा है। सवाल यह है कि आखिर राष्ट्रीय जनता दल से समाजवाद की विदाई क्यों हुई? इस सवाल का जवाब तलाशना कोई राकेट साइंस नहीं है।

एसआईआर के अतिरिक्त काम को 'बोझ' नहीं देश के लिए 'योगदान' देने का अवसर समझें बीएलओ

(नीरज कुमार दुबे)

भारत में मतदाता सूची का शुद्धिकरण मात्र एक प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता और उसकी विश्वसनीयता को मजबूत करने वाला राष्ट्रहित का अभियान है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य है कि हर योग्य मतदाता को मतदान अधिकार मिले और फर्जी या निष्क्रिय नाम हटाए जाएँ। लेकिन हाल के दिनों में केरल, तमिलनाडु और राजस्थान से आई आत्महत्या और विरोध से जुड़ी खबरों ने इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रति नकारात्मक वातावरण बना दिया है। सवाल यह नहीं कि काम का दबाव था या नहीं, बल्कि यह कि क्या समस्याओं का समाधान संवाद, शिकायत और सहयोग से होना चाहिए या आत्महत्या जैसे कठोर कदमों से? केरल में बीएलओ अनीश जॉर्ज और राजस्थान में बीएलओ मुकेश जांगिड की आत्महत्या ने भावनात्मक माहौल तो बना दिया, लेकिन इससे एसआईआर के खिलाफ अनावश्यक नकारात्मकता भी फैलने लगी है। निश्चित रूप से यदि किसी कर्मचारी पर अनुचित दबाव या प्रशासनिक अव्यवस्था हो तो संबंधित विभाग, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारी संगठनों के माध्यम से उसकी शिकायत की जानी चाहिए। प्रशासनिक व्यवस्थाएं संवाद के लिए बनी हैं, संघर्ष या आत्मसमर्पण के लिए नहीं। देखा जाये तो दुःखद घटनाओं को तर्कहीन विरोध का आधार बनाना उस लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनदेखी है जो प्रत्येक कर्मचारी को अपनी बात रखने का मंच देती है। आत्महत्या न तो समाधान है और न ही संदेश– यह केवल व्यक्तिगत, पारिवारिक और संस्थागत पीड़ा का स्रोत बनती है। यह सत्य है कि बीएलओ के ऊपर कई जिम्मेदारियाँ होती हैं– स्कूल का कार्य, राजस्व विभाग का दायित्व, पंचायत या नगरपालिका की गतिविधियाँ और साथ ही मतदाता सूची पुनरीक्षण। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि हर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में कुछ अतिरिक्त प्रयास की अपेक्षा स्वाभाविक है। एसआईआर एक साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र के लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने का अभियान है। यह सुनिश्चित करता है कि कोई पात्र नागरिक मतदान से वंचित न रहे और कोई फर्जी नाम लोकतंत्र की शुचिता को प्रभावित न करे। ऐसे में यदि किसी कर्मचारी के हिस्से में थोड़ा अतिरिक्त श्रम आता है, तो इसे राष्ट्रहित में श्रमदान की तरह स्वीकार करना चाहिए। अगर बीएलओ अपना दायित्व सकारात्मक सोच के साथ निभाएं, तो यह बोझ नहीं, बल्कि गौरव की भूमिका बन सकती है-एक ऐसी भूमिका जो चुनाव की विश्वसनीयता का आधार तैयार करती है। तमिलनाडु में कुछ कर्मचारी संगठनों ने एसआईआर अभियान के बहिष्कार की घोषणा की है, मगर ज़रूरत इस बात की है कि बहिष्कार या नकारात्मक माहौल बनाने की बजाय, प्रक्रियाओं को सरल बनाने, समयसीमा को व्यावहारिक बनाने और डिजिटल प्रशिक्षण देने जैसे रचनात्मक सुझाव दिए जाएँ। यदि रात में बैठकें करना समस्या हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5919

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5918

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

वर्ग पहेली 5919

1	2	■	3		4	5	6
7		■		■	8		
9		10	■	■	11		
12			■	13	■	■	■
■	■	14	15		16	17	
18	19			■	20		■
		■		■		■	22
■	23		■	24			

संकेतः बाएं से दाएं
1. 25 मार्च 1924 को इस देश ने अपने गणतंत्र बनने की घोषणा की (2)
3. घोड़ों की सवारी करने वाला पहला व्यक्ति यहां का था और घोड़ों को पालतू बनाने की प्रक्रिया भी यहीं से शुरू हुई थी (5)
7. जल प्राप्त का कृत्रिम स्त्रोत (2)
8. हिंदी माह श्रावण का अपभ्रंश (3)
9. हिंदी साहित्य में अर्थालंकार का भेद, रूप से युक्त (3)
11. नगद का अपभ्रंश (3)
12. रूठे हुए को प्रसन्न करना (3)
14. बात का सही अर्थ न समझने का भाव, बात समझने में धोखा खा जाना (6)
18. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम, यह प्रहलाद का निवास स्थान भी कहा गया है (4)
20. निर्मिमेष दृष्टि (2)
21. सिलवट, शिकन, सिकुड़न (2)
23. नेत्र, आंख, नयन (2)
24. दादा का पिता, प्रतितामह (4)

ऊपर से नीचे
1. प्रसाधन कक्ष को यह भी कहते है (4)
2. विलाप करना, दुख उठाना (4)
3. कोई धार्मिक व्याख्यान या प्रसंग (2)
4. कृषक, खेतिहर (3)
5. स्तुतिवादक, स्तुति करने वाला (3)
6. जो रिश्तें में पति की बहन हो (3)
10. श्राद्धपक्ष, पितृपक्ष, जब सूर्य कन्या राशि में हो (4)
13. पुत्र, बेटा (2)
15. प्रबल अभिलाषा, गहरी चाह (3)
16. झिड़की, डांट, दुत्कार (4)
17. अधिकार, स्वामित्व (2)
18.उस अवस्था में, विशिष्ट परिस्थिति में (2)
19. लोभ, किसी चीज को पाने की अनुचित इच्छा (3)
22. पुरानी फिल्मों की नायिका जिनका निधन 25 मार्च 2014 को हुआ था (2)

वर्ग पहेली 5918 का हल

इ	ज	रा	इ	ल	■	नौ	रू
ज	ल	ज	■	ग	म	क	ना
हा	■	द	म	न	का	री	■
र	ग	■	घा	■	न	■	सि
■	री	वा	■	अ	दा	ल	त
रो	ब	■	शु	मा	र	■	म
श	■	वा	स्त	व	■	भो	ग
न	र्म	दा	■	स्या	म	■	र

आज का राशिफल

मेष
आज कार्यक्षेत्र में परिवर्तन और बदलाव देखने को मिल सकता है। हालांकि आप इन छोटी-छोटी परेशानियों से घबराएंगे नहीं। हालांकि, आज सरकार अथवा व्यवस्था की तरफ से कुछ परेशानियां आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकती हैं। किसी प्रकार के कानूनी विवाद में फंसने के आसार दिख रहे हैं। इस दौरान कुछ ऐसे बदलाव हो सकते हैं।

वृष
आज के दिन कुछ आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज के दिन नौकरी और व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल होंगे। किसी भी कार्य को छोटा समझकर छोड़ देना आपके लिए नुकसान का कारण बन सकता है। कोई भी व्यवसाय छोटा बड़ा नहीं होता, एक बार आपको ये अनुभव हो जाए तो दुनिया आपकी मुट्ठी में ही समझिए।

कर्क
आज मन किसी संत, गुरु के विचारों से प्रभावित हो सकता है। किसी काम के बिगड़ने पर भी आप शांत और गंभीर बने रहते हैं। ग्रहों का शुभ संचार इस समय आपके भीतर संयम और शांति लेकर आएगा। इस दौरान आपको जीवन की चुनौतियों को गहराई से समझने का मौका मिलेगा। रात्रि का समय मित्रों और परिवार के लोगों के साथ बीतेगा।

सिंह
आज लक्ष्य के करीब पहुंचने के बावजूद खुद को पीछे महसूस कर सकते हैं। ऐसा लगेगा कि थोड़ा और प्रयास बाकी है। लेकिन इस समय आपको खुद को मजबूत रखना होगा। अगर आप अभी हौसला खो देंगे, तो मेहनत का फल हाथ से निकल सकता है। जिसमें आपकी हिम्मत जवाब दे जाए। ऐसे में पलायन करना आपके लिए हानि का कारण बनेगा।

मिथुन
आज अंदर दूसरों के सहारे फायदा उठाने की प्रवृत्ति परेशानी का कारण बन सकती है। यह तरीका ज्यादा दिनों तक आपके काम नहीं आएगा। अब समय आ गया है कि आप खुद भी परिश्रम करें। जीवन में स्थायी सफलता तभी मिलेगा जब आप अपने कार्यों की ज़िम्मेदारी लें।

कन्या
आज जातक समाजसेवा के कार्यों में लगे रहेंगे। इस क्षेत्र में आपको दिन दूनी और रात चौगुनी उन्नति मिलेगी। किसी संगठन के साथ जुड़ना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। इस दौरान आपको ऐसे कई मौके मिल सकते हैं, जिससे भविष्य में आपको लाभ होगा।

तुला
आज की दिन आर्थिक दृष्टि का लिहाज से सकारात्मक रहने वाला है। आज के दिन किए हुए आपके प्रयासों में सफलता मिलेगी। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अपने अधीनस्थ सहयोगियों के प्रति आपका व्यवहार उदारता पूर्ण रहेगा। उनकी गलतियों को भी आप माफ करने करने में पीछे नहीं हटेंगे।

वृश्चिक
आज अपने कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भर परेशानी में डाल सकता है। ऐसे में अब समय अपने फैसले खुद लेने का है। समय पर शुरू किए कार्य आपके लिए फायदे का सौदा रहेगा। ऐसा करने से आपके काम में गति आएगी और आप अपने लक्ष्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
आज लंबे समय के बाद कोई अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। किसी जरूरी काम के बन जाने से लाभ के अवसर मिलेंगे। दिन के अंत तक रुका हुआ धन भी मिलने की पूरी संभावना है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कुछ लोग आपकी इस बात का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि किसी कानूनी मामले में आप पूरी तैयारी और ठोस योजना के साथ आगे बढ़ते हैं।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए थोड़ा उलझनों भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव देखने को मिलेगा। ऐसे में वाहन में किसी प्रकार की खराबी के संकेत दिख रहे हैं। ऐसे समय में आपकी बुद्धिमत्ता और धैर्य ही आपको इन मुश्किलों से निकालेंगे। इस दौरान आपको ऐसे कई मौके मिल सकते हैं, जिससे भविष्य में आपको लाभ होगा।

धनु
आज अपने मित्रों और प्रियजनों का ख्याल रखने से पीछे नहीं हटते हैं। उनको लेकर कुछ अधिक ही चिंतित रहते है। यही नहीं अपने काम को छोड़कर भी आप दूसरों के साथ उनके फालतू समय में शरीक होकर अपना कीमती समय बरबाद कर लेते हैं। ऐसा करना आपके लिए आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है। आज के दिन आपको अपने बारे में अधिक सोचना होगा।

मीन
आज के दिन दिल से जुड़े मामले सामने आ सकते हैं। आपकी उदारता कई बार आपके लिए चुनौती भी बन सकती है। कुछ लोग आपकी इस बात का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि किसी कानूनी मामले में आप पूरी तैयारी और ठोस योजना के साथ आगे बढ़ते हैं। आपकी रणनीति आपको मुश्किल हालात में भी सही निर्णय लेने की ताकत देगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com
sonvarshavani.com/epaper

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ की एंट्री

टाइगर श्रॉफ ने अपने एक्शन से इंडस्ट्री में अलग छाप छोड़ी है। उनका यह हुनर उनकी फिल्मों में भी नजर आता है। टाइगर ने बागी फ्रेंजाइजी, हीरोपंती और वॉर के साथ एक्शन का एक एंपायर बनाया है। अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक्शन में नया धमाल करते दिखेंगे। दरअसल, राम माधवानी की आगामी स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर लीड रोल अदा करने वाले हैं, जिसमें उनका धांसू एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग होगी यह फिल्म

टाइगर श्रॉफ ने निर्माता-निर्देशक राम माधवानी की आगामी फिल्म साइन की है। यह स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर को एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जैसे वे पहले कभी नजर नहीं आए। महावीर जैन फिल्म्स और राम माधवानी फिल्म्स द्वारा इस फिल्म को प्रोड्यूस किया जाएगा। यह बॉलीवुड की पारंपरिक एक्शन फिल्मों से एक कदम आगे साबित होगी।

जापान में होगी शूटिंग

राम माधवानी की यह फिल्म सिर्फ भारतीयों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर इस फिल्म के लिए तैयारी में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि इसके प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा जापान में शूट किया जाएगा।

बाकी स्टारकास्ट के नाम फाइनल होने बाकी

फिलहाल टाइगर पहले अभिनेता हैं, जो इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड और नेगेटिव रोल निभाने के लिए एक्टर की तलाश जारी है। इसके अलावा अन्य सपोर्टिव रोल के लिए भी कास्ट फाइनल होनी बाकी है। टाइगर इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल राम माधवानी और महावीर जैन, दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ फिल्म के पहले लुक पर काम कर रहे हैं, जिसे आधिकारिक घोषणा के साथ जल्द ही रिवील किए जाने की उम्मीद है।

राशा थडानी की लगी लॉटरी

महेश बाबू के भतीजे संग इश्क फरमाएंगी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से डेब्यू किया था और अब उन्हें तेलुगू फिल्म मिल गई है। महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के ऑपोसिट उन्हें साइन किया गया है। राशा ने अपना पोस्टर भी शेयर कर दिया है जिसे देख फैंस की एक्साइटमेंट चरम पर है।

इस साल की शुरुआत में बॉलीवुड अदाकारा रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया। उन्होंने अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद से अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन के साथ एक्टिंग की शुरुआत की। अपने प्यारे हाव-भाव, दमदार डायलॉग डिलीवरी और उई अम्मा गाने पर अपने कातिलाना अंदाज के लिए राशा जल्द ही सेंसेशन बन गईं। हाल ही में, वह मुंज्या फेम अभय वर्मा के साथ अपनी अगली फिल्म लइकी लइका की शूटिंग में व्यस्त हैं। और अब सोमवार की सुबह ही राशा ने अपने तेलुगू डेब्यू की घोषणा की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

राशा थडानी को मिली तेलुगू फिल्म

राशा थडानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी पहली तेलुगू फिल्म की घोषणा की, जिसका टाइटल फिलहाल प्र्क्र4 रखा गया है। वह फिल्ममेकर अजय भूपति के साथ काम करेंगी, जिन्होंने ऋ्क 100 (2018) का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ होगी। जय कृष्णा दिवंगत एक्टर रमेश बाबू के बेटे और दिग्गज अभिनेता कृष्णा के पोते हैं।

अदिति पोहनकर ने बॉबी देओल के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया

अभिनेत्री अदिति पोहनकर वेब सीरीज आश्रम में बॉबी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया है। अदिति पोहनकर ने बताया, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे कहूं कि मुझे अब बॉबी सर की याद आती है। आश्रम में काम करना अद्भुत था। मेरा मतलब है, वह बहुत अच्छे इंसान और अभिनेता हैं। उन्होंने आगे कहा, 'लगभग तीन साल तक हम सबने साथ में शूटिंग की है। बॉबी सर एक बहुत ही अच्छे और सच्चे इंसान और अभिनेता हैं। मुझे लगता है कि अब वह इस बात को और भी ज्यादा एक्सप्लोर कर रहे हैं।'अभिनेत्री ने आगे बातचीत में कहा, 'एक एक्टर के रूप में, आप बस यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसी स्क्रिप्ट चाहते हैं जो कई रंग, कई परतें दिखा सके। मुझे लगता है कि आश्रम से आगे बढ़ने और जिद्दी इश्क जैसी चीज पाने की जरूरत थी। मुझे लगता है यह कुछ ऐसा था, जिसका मैं इंतजार कर रही थी, क्योंकि यह सीरीज उस लड़की की एक बहुत ही अलग, मासूम, युवा और कमजोर परिदृश्य को दर्शाती है।'

नेपोटिज्म से डेब्यू मिलता है सफलता नहीं

करीना कपूर खान अक्सर अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। करीना जो कि खुद एक स्टार किड हैं लेकिन उन्होंने बॉलीवुड नेपोटिज्म के बारे में खुलकर अपनी राय साझा की है। दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में बरखा दत्त के शो वी द वीमेन के एक डिस्कशन में शामिल हुईं। यहां पर उन्होंने अपने प्रिविलेज पोजीशन पर बात की और बताया कि इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए कुछ चीजें जरूरी होती हैं। नेपोटिज्म के मुद्दे को एड्रेस करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- 'नेपोटिज्म आपको डेब्यू दिलाने में मदद कर सकता है, लेकिन ये लंबे करियर की गारंटी नहीं देता है। ऑडियंस की एक्सेप्टेन्स आपका करियर तय करता है, ना कि आपका फैमिली नेम।' वहीं, राजकपूर के पोता और डाइनिंग विद द कपूर्स के क्रिएटर अदार जैन ने इसी मुद्दे पर बात करते हुए कहा- 'लोग नेपोटिज्म के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ है। हां, मैं राज कपूर का पोता हूं और करीना व रणबीर कपूर का रिश्तेदार हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हर साल 50 फिल्मों में काम करूंगा या लगातार ब्रांड पार्टनरशिप और एड हासिल करूंगा। दुर्भाग्य से, इस सेंस में, मैं नेपोटिज्म का प्रोडक्ट नहीं रहा हूं।' करीना की वर्कफ्रंट करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। पिछले साल उनकी द बकिंघम मर्डर्स और क्रू जैसी दो और फिल्में भी रिलीज हुई थीं। जल्द ही वो नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री डाइनिंग विथ द कपूर्स में दिखाई देंगी। यह डॉक्यूमेंट्री कपूर खानदान की फैमिली बॉन्डिंग और उनके खाने की विरासत को दिखाएगी। एक्ट्रेस साल 2026 में मेघना गुलजार की क्राइम ड्रामा फिल्म दायरा में दिखेंगी।

मनोज बाजपेयी पर बोले जयदीप अहलावत

दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी की अपकमिंग सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन अब रिलीज के लिए तैयार है। ये सीरीज 21 नवंबर को ओटीटी पर दस्तक दे रही है। उससे पहले सीरीज की स्टारकास्ट ने पीटीआई से बात की, जहां एक दूसरे के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। इस सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत भी नजर आने वाले हैं तो उन्हें कैसा लगा इस फ्रेंचाइज से जुड़कर, चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

मनोज के साथ काम करने पर बोले जयदीप

इंटरव्यू में बात मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर जयदीप ने कहा, मनोज भाई के काम को देखकर बहुत सारे एक्टर्स प्रेरणा ले चुके हैं। उन्होंने बहुत सारा ऐसा काम किया है जहां हर एक परफॉर्मेंस उनकी मास्टरक्लास है। इनको मैंने बताया भी था कि इनका एक डायलॉग है, बहुत लंबा सीन है वो। ये पूरी विधानसभा को संबोधित करते हैं। ये आसान नहीं है क्योंकि बहुत एनर्जी लगती है, लेकिन इन्होंने बहुत आसानी से उसे कर दिया।

मनोज बाजपेयी ने जयदीप पर क्या कहा?

जयदीप के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, बहुत सारे लोग हम उसी रास्ते में एक दूसरे से सीखते रहते हैं। हमारे बीच गुरु शिष्य वाली कोई बात नहीं है।

द फैमिली मैन सीजन 3 श्रीकांत तिवारी के लिए एक नए और पहले से कहीं बड़े खतरे को लेकर आने वाला है। इस बार मुश्किलें सिर्फ देश पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार तक भी पहुंचने वाली हैं। श्रीकांत को उच्च-स्तरीय मिशनों के बीच अपने घरवालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संभालनी होगी। आने वाले सीजन में दो नए और बेहद शक्तिशाली विलेन एंट्री करने वाले हैं- जयदीप अहलावत (रुक्मा) और निमरत कौर। दोनों किरदार श्रीकांत की राह और कठिन बनाते दिखाई देंगे। उनकी वजह से कहानी और गहरी, भावनात्मक और रोमांचक मोड़ लेने वाली है। फैमिली मैन सीजन 3 का ट्रेलर कुछ दिन पहले जारी किए गए द फैमिली मैन सीजन 3 के ट्रेलर में भरपूर एक्शन, सस्पेंस और मज़ेदार संवादों की झलक देखने को मिली। श्रीकांत तिवारी एक बार फिर अपने पुराने अंदाज़ में लौट आए हैं और दर्शकों को धमाकेदार मनोरंजन देने का वादा कर रहे हैं।

मस्ती 4 मेरे लिए टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है

एक्ट्रेस रुही सिंह की फिल्म 'मस्ती 4' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। खास बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि 'मस्ती 4' में प्रोड्यूसर इंद्र कुमार और डायरेक्टर मिलाप जावेरी जैसी टीम के साथ काम करना उनके लिए सपना सच होने जैसा था। यूके में हुई शूटिंग के अनुभव से लेकर कॉमेडी किरदार की तैयारी तक, हर कदम उनके लिए सीखने का मौका था। अपने माता-पिता, खासकर पिता के साथ गहरे रिश्ते को वह अपनी ताकत मानती हैं।

मस्ती 4 आपके लिए बड़ा मौका रहा। कैसे मिला और अनुभव कैसा रहा?
जब फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत खुश हुई क्योंकि इसे इंदु जी (इंद्र कुमार) बना रहे हैं और मिलाप जावेरी डायरेक्टर हैं। स्टार कास्ट भी शानदार है। मुझे लगा यह मेरे टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है। शूटिंग यूके में हुई, और मैंने अपने रोल के लिए खूब तैयारी की। यह अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा।

आपने किरदार के लिए क्या तैयारियां की थीं?
यह एक कॉमेडी फिल्म है, इसलिए मैं चाहती थी कि मेरा अभिनय नेचुरल और दिल से हो। मैंने कई कॉमेडी फिल्मों को देखा और अपनी लाइनों पर खास ध्यान दिया कि मैं उसमें कुछ नया और मजेदार जोड़ सकूं। मेरा मानना है कि अगर आप कॉमेडी में कॉन्फिडेंट और आरामदायक होंगे तो एकदम फनी डायलॉग्स आसानी से आ जाते हैं, और मैंने यही अपने किरदार में लाने की कोशिश की।

आपकी शुरुआत मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिता से हुई। आपने कब सोचा कि इंडस्ट्री में करियर बनाना है? यह ख्याल कहां से आया?
मुझे बचपन से ही यह चाहत थी कि मैं कुछ बड़ा करूं। मैं जयपुर से हूं। बचपन में मैं स्टेज पर आना और लोगों के सामने नजर आना चाहती थी। मैं डांस और दूसरे कॉम्पिटिशन में हमेशा भाग लेती थी। जहां दूसरों को स्टेज पर डर लगता है, मुझे वहां आने में खुशी मिलती थी। मैं हमेशा बाहर रहना और लोगों के सामने दिखना चाहती थी। मुझे हमेशा मजा आता था और मैंने कभी सोचा नहीं कि लोग क्या सोच रहे हैं। पॉजिटिव सोच के साथ बिना किसी सपोर्ट के मेरी मेहनत रंग लाई और आज मेरे पास 'मस्ती 4' जैसी बड़ी फिल्म है।

तो आपने और आगे, जैसे मिस वर्ल्ड या मिस यूनिवर्स में हिस्सा क्यों नहीं लिया?
मैंने तीन बार इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट किया। मिस मॉडल ऑफ द वर्ल्ड, मिस यूनाइटेड नेशंस चाइना और मियामी में। कई पेजेंट्स कर चुकी हूं, फिर मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' फिल्म में काम किया और सोचा, अब काफी हो गया। मेरे लिए पेजेंट्स का मकसद दुनिया देखना और एक्सपोजर पाना था। जयपुर से बाहर निकलकर अलग-अलग लोगों से मिलना चाहती थी। पहली बार विदेश भी इंडिया को रिप्रेजेंट करने ही गई थी, पापा भी साथ गए थे, जो मेरा सपना था।

मधुर भंडारकर से मुलाकात कैसे हुई थी?
मैं एक ऑडिशन में गई थी, वहीं मेरी मुलाकात मधुर भंडारकर से हुई। मैंने 'मयूरी चौहान' के लिए ऑडिशन दिया और वह मुझे उसी वक्त चुन लिया। उन्होंने कहा, 'हमें मिल गई मयूरी!' फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' आने के बाद लोग आज भी मुझे मयूरी कहकर याद करते हैं।

फिल्म कैलेंडर गर्ल्स रिलीज हुई तो सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट कौन सा मिला? किससे मिला?
मेरे पेरेंट्स ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बिल्कुल रूही जैसी लग रही थी, जैसे एक्टिंग नहीं की हो। ऑडियंस को भी मेरा काम बहुत पसंद आया। लोग अक्सर मेरी फिल्म की लाइन बोलते थे- 'यह लड़की बहुत आगे जाएगी'यह मुझे सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट लगा।

आपको क्यों नहीं फिल्में ऑफर हुईं?
क्योंकि वो फिल्म नहीं चली। लेकिन मैंने पूरी मेहनत की थी और मधुर भंडारकर जी जैसे नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य था। फिल्म का चलना या न चलना किस्मत पर निर्भर करता है, किसी के हाथ में नहीं होता।

मेरी मम्मी मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं

मेरे पेरेंट्स का बहुत बड़ा साथ है, खासकर मेरी मम्मी, जो मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं। मुझमें एक जिद है कि मैं अपनी मंजिल जरूर पाऊंगी।
स्कूल में लोग कहते हैं कि टॉप पर पहुंचना आसान नहीं होता है, लेकिन मैं मानती हूं कि एक दिन मेरा भी सबसे अच्छा वक्त आएगा।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा की लड़की से शिमला में रेप

शिमला, एजेंसी। राजधानी शिमला में हरियाणा की एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने प्रेमी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। युवती की शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न आपराधिक धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी दिल्ली का मूल निवासी है। युवती की शिकायत के अनुसार वह पिछले दो महीनों से अपने प्रेमी के साथ शिमला शहर के ढली क्षेत्र में रह रही थी, लेकिन इसी दौरान उसके साथ दुष्कर्म की घटना हुई जिसने उसकी मानसिक स्थिति को गहरा आघात पहुंचाया। अब प्रेमी की ओर से शादी से इनकार किए जाने के बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। ढली पुलिस ने यह केस भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 और 3(5) के तहत दर्ज किया है। शिकायत में बताया गया है कि युवती का दिल्ली निवासी अक्षत से प्रेम संबंध था। दोनों 9 सितंबर 2025 से 9 नवंबर 2025 तक ढली में साथ रहे। युवती ने आरोप लगाया है कि 21 सितंबर को अक्षत ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता का कहना है कि अक्षत ने उससे शादी का वादा किया था। लेकिन अब अक्षत शादी से साफ इंकार कर रहा है। इससे पीड़िता भावनात्मक रूप से टूट गई है और उसका मानसिक स्वास्थ्य काफी प्रभावित हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मामला दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

कर्ज उतारना था और कर दी पौने 16 करोड़ की ठगी

फरीदाबाद एजेंसी। आर्थिक अपराध शाखा, बल्लभगढ़ की टीम ने 15 करोड़ 75 लाख रुपये की ठगी के आरोप में दो पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर ले लिया है। आरोपियों की पहचान नई दिल्ली निवासी रवि गुप्ता और सलील गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी रवि और सलील पिता-पुत्र हैं और मैसर्स स्वदेश ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड के निदेशक हैं। इनकी कंपनी काफी समय से घाटे में चल रही थी। जिस कारण कंपनी पर काफी कर्ज हो गया था। कर्ज से निजात पाने लिए उन्होंने पीड़ित व्यक्ति से एचआर कॉइल स्टील का कारोबार करने के लिए कहा। अग्रिम बुक के नाम पर शिकायतकर्ता से कुल 15 करोड़ 75 लाख रुपये अपनी कंपनी के खाते में डलवा लिए थे। रुपये डलवाने के बाद आरोपियों ने काम नहीं किया। पुलिस ने आरोपियों कोअदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। फर्म संचालक ने थाना सेक्टर-आठ में दी शिकायत में बताया था कि दो अगस्त 2024 को कंपनी के मालिक रवि गुप्ता और सलील गुप्ता उनसे मिलने आए थे। कंपनी के निदेशकों ने मुनाफे का झांसा दिया था।

आपके बेटे का एमबीबीएस में एडमिशन करा देंगे; गुरुग्राम में 30 लाख की ठगी

गुरुग्राम एजेंसी। सरकारी कॉलेज में बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) में दाखिला दिलाने के नाम पर एक छात्र से 30 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। इसके अलावा आठ अन्य छात्रों की शिकायत मिलने पर पुलिस ने सदर थाने में सेंटर संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस जांच में पता चला कि सेंटर का कार्यालय बीते कई सप्ताह से बंद है और वहां पर काम करने वाले सभी आरोपी फरार हैं। मूलरूप से राजस्थान के कोटा निवासी ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह राजस्थान के बिजली निगम की तकनीकी विंग में काम करते हैं और उनकी पत्नी भी सरकारी नौकरी कर रही है। उनके बेटे ने इस साल एमबीबीएस में दाखिले के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) दी थी। उसके बाद तीन राज्यों के निजी कॉलेज में दाखिले के लिए वह काउसलिंग में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे। तभी उनके पास द एडमिशन सोल्यूशन सेंटर से उनके पास फोन आया। फोन करने के दौरान बोला गया कि उनके बेटे का दाखिला सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस सीट पर करवा सकते है। उनसे बातचीत होने के बाद वह गुरुग्राम के सोहना रोड स्थित जेएमडी मेगा पोलिस मॉल में स्थित उनके कार्यालय में अक्तूबर माह में पहुंचे। वहां पर सेंटर के प्रभारी सुधांशु से मिलकर बातचीत की गई,जिसके बाद उनके बेटे का सरकारी कॉलेज में दाखिला दिलाने का झांसा दिया।

डीकेएस ने दिए कर्नाटक में बड़े फेरबदल के संकेत

कहा- हमेशा के लिए तो पद पर नहीं रह सकता

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार (डीकेएस) ने नई हवा दे दी है। सीएम सिद्धारमैया के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही रस्साकशी के बीच उन्होंने संकेत दिया कि वह पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे सकते हैं। बुधवार की दोपहर बेंगलुरु में एक पार्टी कार्यक्रम में शिवकुमार ने कहा, 'मैं इस पद पर स्थायी रूप से नहीं रह सकता... साढ़े पाँच साल हो चुके हैं और मार्च में छह साल हो जाएँगे।' उन्होंने कहा है कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया है कि वह पार्टी के अग्रिम पंक्ति के नेताओं में बने रहेंगे। शिवकुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर आयोजित एक पार्टी कार्यक्रम में कहा, ''मैं रहूं या न रहूं, यह मायने नहीं रखता, लेकिन मैं अपने कार्यकाल में 100 पार्टी कार्यालय स्थापित करना चाहता हूं।'' जब कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके अनिश्चित कार्यकाल पर चिंता व्यक्त की, तो उन्होंने कहा, ''मैं इस पद पर स्थायी रूप से नहीं रह सकता। साढ़े पांच साल हो चुके हैं और मार्च में छह साल हो जाएंगे।'' उन्होंने आगे कहा,

''दूसरों को भी मौका दिया जाना चाहिए। लेकिन मैं नेतृत्व में रहूंगा। चिंता मत करो, मैं अग्रिम पंक्ति में रहूंगा।'' शिवकुमार को मई 2020 में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि मई 2023 में उपमुख्यमंत्री बनने पर उनका पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का इरादा था, लेकिन एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उन्हें कुछ और समय तक पद पर बने रहने के लिए कहा। इससे पहले, अपने संबोधन में, शिवकुमार ने पार्टी के लिए काम करते रहने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आह्वान किया।

क्या है नवंबर क्रांति?

शिवकुमार की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री पद में बदलाव की अटकलों के बीच आई है क्योंकि कांग्रेस सरकार इस महीने अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंच रही है। इस अवधि को कुछ लोग 'नवंबर क्रांति' कह रहे हैं, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण की अफवाहों का हवाला दिया गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने केपीसीसी नेतृत्व पर भी सवाल उठाए हैं। एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने 2023 में कहा था कि शिवकुमार 2024 के लोकसभा चुनावों तक केपीसीसी अध्यक्ष बने रहेंगे। लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली और सिद्धरमैया के करीबी माने जाने वाले पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना ने इस पद के लिए खुलकर अपनी इच्छा जताई है।कार्यक्रम के बाद, शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा कि वह ज़िम्मेदारी से बच नहीं रहे हैं, बल्कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में एक मिसाल कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। शिवकुमार ने कहा, ''मैं भागने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं तब तक काम करता रहूंगा जब तक गांधी परिवार और कांग्रेस अध्यक्ष मुझे चाहेंगे।'

'मीटिंग कांड' के बाद अमित शाह से मिले एकनाथ शिंदे

कहा- माहौल बिगाड़ने की हो रही कोशिश

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में 'मीटिंग कांड' से हुए बवाल के बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान शिंदे ने कहा है कि महायुति के कुछ नेता आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अनुकूल राजनीतिक माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने शाह से यह भी कहा कि ऐसे व्यवधान महायुति गठबंधन की जीत में बाधा डाल सकते हैं और विपक्ष को फायदा पहुंचा सकते हैं।

बता दें कि एकनाथ शिंदे की शाह से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही उनकी पार्टी शिवसेना के मंत्री राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में शामिल नहीं हुए थे। शिवसेना के मंत्री स्थानीय निकाय चुनावों से पहले भाजपा द्वारा शिवसेना नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिशों के विरोध में बैठक में शामिल नहीं हुए थे। शिवसेना की ओर से केवल शिंदे ही कैबिनेट बैठक में शामिल हुए।

मामला तभी शांत हुआ जब शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की, जहां यह निर्णय लिया गया कि महायुति के सहयोगियों को एक-दूसरे के पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी में शामिल करने से बचना चाहिए। एक सूत्र ने कहा, 'दिल्ली में बैठक के दौरान, शिंदे ने अमित शाह से कहा कि 2024 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद, आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति गठबंधन के लिए माहौल बेहद अनुकूल है। हालांकि, कुछ नेता इस माहौल को खराब करने और विपक्ष को अनुचित लाभ देने की कोशिश कर रहे हैं। ' सूत्रों ने बताया, 'उन्होंने केंद्रीय मंत्री से यह भी कहा कि मीडिया में अनावश्यक और भ्रामक खबरें आ रही हैं, जिससे जनता में भ्रम पैदा हो रहा है। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में भी अनिश्चितता पैदा हो रही है।

अमानवीय सजा देने वाली आरोपी शिक्षिका गिरफ्तार

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में कक्षा 6वीं की एक छात्रा की मौत के मामले में एक महिला शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि, शिक्षिका ने छात्रा को स्कूल में देर से आने पर कथित तौर पर 100 उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया गया था। इस घटना के बाद छात्रा की तबीयत खराब हुई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 8 नवंबर की है, जब वसई के श्री हनुमंत विद्या मंदिर में कक्षा 6 में पढ़ने वाली कक्षा छह की छात्रा काजल गौड़ को देरी से स्कूल आने पर अध्यापक ने सौ उठक-बैठक लगाने की सजा दी। उठक-बैठक लगाने के बाद काजल के कमर में दर्द होने लगा। बच्ची की मां ने बताया कि स्कूल से आने के बाद उसने तबीयत खराब होने की शिकायत की। इसके बाद उसे वसई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे एक अन्य अस्पताल में और फिर जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान बच्ची की जेजे अस्पताल में मौत हो गई।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन, मंत्री दारा सिंह चौहान को हराकर जीता था घोसी उपचुनाव

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी की घोसी सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया है। दो दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां गुरुवार की भोर में उन्होंने अंतिम सांस ली। सुधाकर सिंह घोसी के प्रतिष्ठित उपचुनाव में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान को हराकर विधायक बने थे। सुधाकर सिंह के निधन की खबर मिलते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव समेत तमाम नेता मेंदाता अस्पताल पहुंचे। मंगलवार को उन्हें लखनऊ लाया गया और मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के अनुसार मल्टी आर्गन फ्लोर के कारण उनका निधन हुआ है। निधन की सूचना मिलते ही पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। कैबिनेट मंत्री एके शर्मा, घोसी लोकसभा के सांसद राजीव राय

समेत सभी दलों के लोगों ने शोक प्रकट किया। मऊ की राजनीति में सुधाकर सिंह की मजबूत पकड़ थी। यही कारण था कि घोसी के प्रतिष्ठित चुनाव में अखिलेश यादव ने सुधाकर सिंह पर भरोसा जताया और इस भरोसे को उन्होंने कायम भी रखा। घोसी विधान सभा क्षेत्र के भावनपुर निवासी सुधाकर सिंह कट्टर समाजवादी नेता थे। उनका राजनीतिक जीवन नब्बे के दशक से शुरू हुआ था। छात्र राजनीति के बाद सन 1996 में उन्होंने समाजवादी पार्टी से विधानसभा नत्थूपुर से चुनाव लड़ा और पहली बार विधायक बने। दूसरी बार नए परिसीमन के बाद घोसी विधान सभा से सन 2012 में चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर दोबारा विधानसभा की सदस्यता ग्रहण की थी। तीसरी बार सन 2017 में फिर समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़े लेकिन मोदी लहर में बीजेपी के फागू चौहान से चुनाव हार गए थे। वर्ष 2022 में सपा ने सुधाकर की जगह योगी के कैबिनेट से इस्तीफा देकर आए दारा सिंह चौहान को यहां से उतारा। चौहान चुनाव जीते लेकिन एक साल बाद ही इस्तीफा देकर दोबारा भाजपा में चले गए। ऐसे में यहां उपचुनाव का ऐलान हुआ तो सपा ने फिर से सुधाकर सिंह पर भरोसा जताया। उनका मुकाबला भाजपा की तरफ से उतरे दारा सिंह चौहान से ही हुआ। योगी सरकार और भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गए इस चुनाव में सुधाकर सिंह ने दारा सिंह चौहान को हराकर तीसरी बार विधायक बने थे।

एनसीपीसीआर ने पिछले महीने देशभर में बचाए 2300 से अधिक बच्चे

ईटानगर, एजेंसी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने कहा कि उसने पिछले महीने करीब 26 हजार मामलों का निपटारा किया है और देशभर से 2,300 से अधिक बच्चों को बचाया है। एनसीपीसीआर के किशोर न्याय, बाल यौन शोषण (पॉक्सो) और विशेष प्रकोष्ठ के प्रमुख पारेश शाह ने कहा कि बाल अधिकारों का उल्लंघन केवल आंकड़े नहीं है। हर मामला एक बच्चे और उसके परिवार की कहानी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई केवल ब्चों के जीवन को नहीं बल्कि देश के भविष्य को भी प्रभावित करती है। शाह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अरुणाचल प्रदेश के हर बच्चे की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन केवल सख्त कानून पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए मजबूत निगरानी, जागरूकता और समन्वित क्रियान्वयन भी जरूरी है। आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन के दौरान कही गई।

गुनहगार तो कुछ ही हैं, लेकिन बदनाम हर कश्मीरी को किया जा रहा; उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि कुछ लोगों द्वारा की गई आतंकी हरकत की वजह से पूरे कश्मीर घाटी के लोगों यानी सभी कश्मीरियों को न सिर्फ बदनाम किया जा रहा है बल्कि उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि कश्मीरियों की इस तरह की जा रही प्रोफाइलिंग ने उन्हें क्षेत्र के बाहर के किसी भी व्यक्ति से बातचीत करने से रोक दिया है। उन्होंने ये बातें दिल्ली में लाल किला के पास हुए आत्मघाती कार धमाके के लिए जिम्मेदार सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के संदर्भ में कही हैं, जिसमें कुछ डॉक्टर भी शामिल थे, जो जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। कुछ लोग ही हैं। लेकिन माहौल ऐसा बनाया जा रहा है कि इसके लिए हम सभी ज़िम्मेदार हैं।' उन्होंने कहा कि केंद्र ने 2019 में कहा था कि 'सब कुछ रुक जाएगा ', लेकिन केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के

बाद भी कुछ नहीं बदला। उन्होंने कहा, 'मौजूदा स्थिति के बारे में हम क्या कह सकते हैं? अगर यह (आतंकवादी हमला) दिल्ली में नहीं हुआ होता तो यहाँ (कश्मीर) हो रहा होता।' उन्होंने आगे कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद भी बम विस्फोट और नागरिकों की हत्याएँ नहीं रुक सकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम चाहते हैं कि यह रुक जाए। हमने कश्मीर में बहुत खून-खराबा देखा है... मौजूदा हालात को देखते हुए, कोई भी अपने बच्चों को कश्मीर से बाहर नहीं भेजना चाहता। हर जगह लोग हम पर शक करते हैं। कश्मीरियों को बदनाम किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'देखिए दिल्ली में क्या हुआ। इसके लिए कुछ लोग ज़िम्मेदार हैं। लेकिन ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि हम सब ज़िम्मेदार हैं। दिल्ली में जम्मू-कश्मीर में पंजीकृत गाड़ी चलाना अपराध माना जाता है। मुझे तो यह भी सोचना पड़ता है कि अपनी गाड़ी निकालूँ या नहीं। मुझे नहीं पता कि कौन मुझे रोकेगा और पूछेगा कि मैं कहाँ से हूँ और वहाँ क्या कर रहा हूँ। ' मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को दावा किया कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने से केंद्र शासित प्रदेश में रक्तपात बंद नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में संवाददाताओं से कहा, 'हम चाहते हैं कि यह (हिंसा का दौर) रुके।

दिन दहाड़े करोड़ों रुपये की लूट, एटीएम फंड ले जा रही गाड़ी को बनाया निशाना

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बेंगलुरु में मंगलवार को डकैती की बड़ी घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया। एटीएम फंड ले जा रही सीएमएस कैश वैन को जयनगर के अशोक स्तंभ के पास दिनदहाड़े रोककर करोड़ों रुपये लूट लिए गए। इस मामले में 47 वर्षीय विनोद चंद्रार द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता विनोद चंद्रार ने बताया कि वह सीएमएस इनफो सिस्टम्स लिमिटेड, एचबीआर लेआउट, बेंगलुरु में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। कंपनी प्रतिदिन जेपी नगर, एमजी टावर, सरक्की मेन रोड, आईटीआई लेआउट स्थित एचडीएफसी बैंक करेंसी से नकदी निकालती है और उसे बेंगलुरु के एचडीएफसी बैंक एटीएम में जमा करने के लिए अपने वाहन से पहुंचाती है। 10 नवंबर को सुबह करीब साढ़े नौ बजे, कस्टोडियन आफताब की निगरानी में कंपनी की गाड़ी ड्राइवर विनोद कुमार और गनमैन राजन्ना व तम्मय्या के साथ बैंक के लिए निकली। दोपहर करीब 12:24 बजे उन्होंने जेपी नगर 'एचडीएफसी करेंसी चेस्ट' से 7,11,00,000 रुपए (सात करोड़ ग्यारह लाख रुपये) निकाले, नकदी को डिब्बों में भरा और गाड़ी से निकले। जब शिकायतकर्ता और सीएमएस एफआईटी मैनेजर फारूक पाशा अपनी शाखा में मौजूद थे, तब ड्राइवर बिनोद कुमार ने फारूक पाशा को फोन किया और बताया कि जयनगर अशोक स्तंभ होते हुए लालबाग सिद्धपुरा गेट की ओर जाते समय एक इनोवा कार ने उनकी गाड़ी को रोक लिया। उन्हें गाड़ी से बाहर निकलने को कहा। उन्होंने कस्टोडियन आफताब और गनमैन राजन्ना व तम्मय्या को अपनी इनोवा में बिठा लिया। इसके बाद ड्राइवर को अकेले ही कैश गाड़ी चलाने के लिए कहा। यह पता नहीं चल पाया है कि तीनों कर्मचारियों को कहां ले जाया गया। बाद में पिस्तौल से लैस इन लोगों ने कथित तौर पर ड्राइवर को धमकाया और डेयरी सर्कल फ्लाईओवर पर गाड़ी से पूरे 7.11 करोड़ रुपए लूट लिए और फरार हो गए।

शायद नतीजा बेहतर होता; प्रशांत किशोर ने मान ली बिहार चुनाव में अपनी एक गलती

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में एक भी सीट हासिल न करने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी एक गलती स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि मैंने खुद इस चुनाव में उतरने का फैसला नहीं लिया और इसे मेरी गलती माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैंने उम्मीद नहीं की थी कि मेरी पार्टी को 4 फीसदी से भी कम वोट हासिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमें संतोषजनक नतीजे हासिल करने के लिए शायद और अधिक मेहनत करने की जरूरत थी। हमने सोचा भी नहीं था कि 4 फीसदी से भी कम वोट जनसुराज पाएगी। उन्होंने बुधवार कहा कि हम भविष्य में मेहनत करते रहेंगे और आगे की चुनावी लड़ाई के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं बिहार के लोगों का दिल जीते बिना पीछे नहीं हट सकता। मुझे बिहार की समस्याओं को हल करना है और

इसका मैंने संकल्प लिया है। हालांकि मैं यह नहीं जानता हूं कि इसमें कितना समय लगने वाला है। इससे पहले प्रशांत किशोर चुनावी हार के बाद कई दिन तक चुप्पी साधे रहे थे। फिर वह मंगलवार को मीडिया के सामने आए तो तमाम सवालों का जवाब करना पड़ा था। इस पर उनसे पहला सवाल ही हुआ कि क्या वह अब जिम्मेदारी छोड़ देंगे।

किसानों को मिलेगा 3 गुना ज्यादा मुआवजा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सर्किट रेट या गाइडलाइन दरों में संशोधन कर दिया गया है। साल 2017-18 के बाद पहली बार यह संशोधन किया गया है, जिससे किसानों, भूमिस्वामियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। गाइडलाइन नियम 2000 के अनुसार दरों का प्रतिवर्ष पुनरीक्षण आवश्यक है, लेकिन सात सालों से संशोधन न होने के कारण वास्तविक बाजार मूल्य और गाइडलाइन दरों में भारी अंतर हो गया था। इससे किसानों, संपत्ति धारकों और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को मूल्यांकन, मुआवजा और बैंक लोन में नुकसान उठाना पड़ रहा था।

नगरीय क्षेत्रों में दरों को पहली बार सड़क के आधार पर निर्धारित किया गया है, ताकि एक ही सड़क और समान परिस्थितियों वाले क्षेत्रों की दरें समान रहें। अब आम नागरिकों के लिए दरों को समझना सरल होगा। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी गाँवों की दरों को नक्शे में प्रविष्ट कर तर्कसंगत और समान परिस्थितियों वाले गाँवों की दरें

एकरूप बनाई गई हैं। राज्य में बने नए हाईवे, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी अब वैज्ञानिक मैपिंग के आधार पर उचित दरें तय की गई हैं।

नगरीय क्षेत्रों में गाइडलाइन दरों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के हित में 50 से 300 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। इससे किसानों को भूमि अधिग्रहण में तीन गुना तक अधिक मुआवज़ा मिलेगा तथा संपत्ति के आधार पर बैंक लोन की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

पंजीयन मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि यह संशोधन जनता के हित को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण पारदर्शिता से किया गया है। उन्होंने बताया कि 2017-18 के बाद संशोधन न होने से गंभीर असंतुलन उत्पन्न हो गया था, जिससे किसान, भूमिस्वामी और आम नागरिक प्रभावित हो रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह निर्णय किसानों और आम नागरिकों के हित में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। नई दरें न्यायसंगत मूल्यांकन सुनिश्चित करेंगी, भूमि अधिग्रहण में अधिक मुआवज़ा दिलाएँगी और संपत्ति के वास्तविक मूल्य के अनुरूप बैंक लोन उपलब्ध कराने में सहायक होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि किसी भी नागरिक को उसकी संपत्ति के उचित मूल्य से वंचित न होना पड़े और भविष्य में कोई विसंगति या भ्रम की स्थिति न बने। सरकार का यह निर्णय राज्य के आर्थिक परिवेश को अधिक संतुलित, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटनः

आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन का दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। वहीं अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21-18, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कपःभारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन

निकहत-जैसमीन समेत चार अन्य खिलाड़ी फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे निकहत जरीन और जैसमीन लंबोरिया समेत चार अन्य मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के फाइनल में पहुंच गईं। जादुमणि सिंह एम (50 किलो), पवन बर्तवाल (55 किलो), सचिन सिवाच (60 किलो) और हितेश गुलिया (70 किलो) भी खिताबी मुकाबले में पहुंच गए। भारत के 15 मुक्केबाज गुरुवार को स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलेंगे। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। निकहत आखिरी बार 20 महीने पहले पिछले साल फरवरी में स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में पोडियम तक पहुंची थीं। दिल्ली में दो साल पहले विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली निकहत ने कहा, 'मुझे खुशी है कि पेरिस ओलंपिक के बाद मेरे पदकों का खाता खुला है। यहां से आगे ही जाना है।

तिलक वर्मा ने अपने पैर पर मारी कुल्हाड़ी, कप्तानी मिलने के बाद भी किया निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को हाल ही में इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया था। इस टीम ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ तीन अनौपचारिक वनडे मैचों की सीरीज भी मेहमान टीम को हराकर 2-1 से जीती। लेकिन कप्तान तिलक वर्मा का बतौर बल्लेबाज प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज से पहले उनके पास बेहतरीन मौका था टीम इंडिया के वनडे स्क्वाड में वापसी करने का। मगर उन्होंने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली।

तिलक वर्मा की बात करें तो उन्हें भविष्य में टी20 के अलावा वनडे के भी एक अहम खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता है। इसलिए उनको टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वनडे में प्रमोट करने के लिए इंडिया ए वनडे टीम की कमान सौंपी गई। मगर उन्होंने इस सीरीज में निराश किया और तीन मैचों में एक बार भी 40 रन तक का आंकड़ा नहीं छू पाए। वहीं उनका स्ट्राइक रेट भी इस दौरान सवालों के घेरे में रहा।

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में तिलक का प्रदर्शन

- पहला वनडेः 39 रन (58 गेंद), स्ट्राइक रेट- 67
- दूसरा वनडेः 29 रन (62 गेंद)*, स्ट्राइक रेट- 46
- तीसरा वनडेः 11 रन (23 गेंद), स्ट्राइक रेट- 47

ऊपर दिए गए आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि तिलक वर्मा ने बुरी तरह साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ एक सुनहरा मौका गंवा दिया। इन दिनों टी20 टीम में उनकी जगह पक्की है। लेकिन उनकी जो प्रतिभा है वो उन्हें तीनों फॉर्मेट के प्लेयर के तौर पर दिखाती है। मगर उनका प्रदर्शन लिस्ट ए और फर्स्ट क्लास में कैसा है इस पर ही आगे उन्हें टीम इंडिया की अन्य दो फॉर्मेट की टीम में जगह मिल सकती है।

तिलक वर्मा ने 2023 में किया था वनडे डेब्यूः तिलक वर्मा ने सितंबर 2023 में यानी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले डेब्यू किया था। आखिरी बार वह दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेले थे।

वह लगभग दो साल से भारत की वनडे टीम से बाहर हैं। उनके नाम चार वनडे मैचों में सिर्फ 68 रन दर्ज हैं और 52 उनका सर्वोच्च स्कोर है। यही मौका था वह सभी को प्रभावित करके टीम इंडिया में वापसी कर सकते थे। यह मौका तब और ज्यादा सुनहरा था जब टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं और कप्तान शुभमन गिल के खेलने पर सस्पेंस है।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कपः

भारत और पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज में नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक खेला जाएगा। कुल 16 टीमों के बीच 41 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक लीग स्टेज में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे।

आईसीसी ने 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में विभाजित किया है। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस वजह से लीग स्टेज में दोनों टीमें आपस में नहीं भिड़ेंगी। अक्सर आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत और पाकिस्तान के मैच लीग स्टेज में कराए जाते हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है, लेकिन आईसीसी ने इस बार भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखकर लीग स्टेज में भिड़ंत के रोमांच को ही समाप्त कर दिया है। एशिया कप 2025 (सीनियर) में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल सहित तीन मैच हुए थे। मैचों के दौरान दोनों देशों के कप्तानों और खिलाड़ियों के बीच हैंड शेक नहीं हुआ था।

इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट के मैदान पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए ऐसी किसी भी असामान्य स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप में दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है। लीग स्टेज में भारत 15 जनवरी को अमेरिका, 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच आयोजन स्थल चयनित किए गए हैं। मैच जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं नामीबिया में नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड और एचपी ओवल नामीबिया में खेले जाएंगे।

विश्व कप के लिए 4 ग्रुप बनाए गए हैं

ग्रुप ए में भारत, बांग्लादेश, अमेरिका और न्यूजीलैंड है। ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, पाकिस्तान, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जापान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप डी में तंजानिया, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को जगह दी गई है।

एशेज 2025-26:

फैंस रोमांचित, पांचों टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की रोमांचक एशेज सीरीज का आगाज शुक्रवार से पर्थ में हो रहा है। फैंस सीरीज को लेकर बेहद रोमांचित हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक सभी पांच टेस्ट मैचों के पहले दिन के टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक पर्थ टेस्ट के लिए, दूसरे और तीसरे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, जबकि चौथे दिन के लिए अच्छी अवेलेबिलिटी है। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ब्रिसबेन टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट बिक चुके हैं। चौथे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं।

तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट भी बिक चुके हैं। चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जाएगा। मेलबर्न टेस्ट के पहले दो दिनों के टिकट बिक चुके हैं। तीसरे दिन के लिए बहुत कम टिकट बचे हुए हैं। चौथे दिन के लिए भी टिकट बिक रहे हैं। पांचवां टेस्ट 4 जनवरी 2026 से सिडनी में खेला जाएगा। सिडनी टेस्ट के पहले चार दिनों के टिकट बिक चुके हैं। सभी पांच टेस्ट के लिए, पांचवें दिन के टिकट मैच की स्थिति के आधार पर दिए जाएंगे। पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग इलेवन

का ऐलान कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट के लिए 12 खिलाड़ियों का ऐलान किया है। प्लेइंग इलेवन का ऐलान टॉस के समय होगा। इंग्लैंड का 12 सदस्यीय स्क्वाडः बेन डकेट, जैक क्रॉली, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस मैच में शतक लगाते हुए महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शाई होप ने 69 गेंद पर 4 छक्कों और 13 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने की महान ब्रायन लारा की बराबरी

होप के वनडे करियर का यह 19वां शतक था। इस शतक के साथ ही होप ने ब्रायन लारा द्वारा वेस्टइंडीज के लिए वनडे में लगाए 19 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। साथ ही वनडे क्रिकेट में अपने 6,000 रन भी पूरे कर लिए। शतकीय पारी के लिए होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन वेस्टइंडीज यह मुकाबला 5 विकेट से हार गई। वेस्टइंडीज के लिए वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में होप ब्रायन लारा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। 25 शतक के साथ क्रिस गेल पहले स्थान पर हैं।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा।

फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों

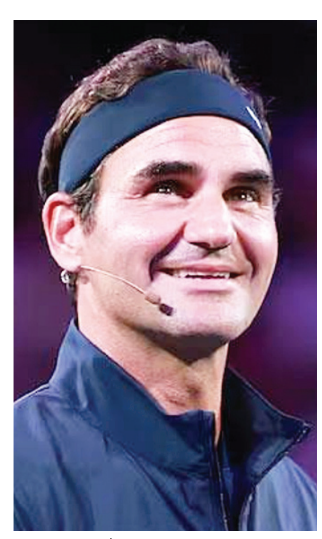

तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं। 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर!

सवालों के घेरे में बीसीसीआई-टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस बात का अंदेशा था, वो अब सच साबित हो गई है. गुवाहाटी में होने जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया को कप्तान शुभमन गिल के बिना ही उतरना पड़ेगा. गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में 22 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ये टेस्ट मैच शुरू होगा लेकिन इस मैच में भारतीय टीम की कमान गिल के बजाए उप-कप्तान ऋषभ पंत के हाथों में जाती हुई दिख रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल गर्दन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और टीम के साथ गुवाहाटी जाने के बावजूद वो इस मैच से लगभग बाहर हो गए हैं. इतना ही नहीं, उनका 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही वनडे सीरीज में खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है. गिल ही वनडे टीम के भी कप्तान हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि गिल अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. वो बुधवार 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जरूर गए लेकिन अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं. इसके चलते उनका दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होना अब तय ही नजर आ रहा है, जिसका औपचारिक ऐलान होना बाकी है. गिल की गैरहाजिरी में ऋषभ पंत गुवाहाटी में कप्तानी करते हुए दिखेंगे, जिन्होंने कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में भी टीम की कमान संभाली थी. पंत पहली बार किसी टेस्ट मैच में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे.

कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन में खिंचाव

गिल को कोलकाता टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सेशन में ये चोट लगी थी. टीम इंडिया की बल्लेबाजी के दौरान गिल जब क्रीज पर उतरे तो एक स्वीप शॉट जमाते ही उनकी गर्दन में खिंचाव आ गया, जिसके कारण वो दर्द में नजर आए. इसके चलते सिर्फ 3 गेंद खेलकर ही वो रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बैटिंग के लिए नहीं लौटे. गिल को उसी दिन शाम में कोलकाता के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वो पूरी रात रहे और फिर अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज किया गया था. इसके चलते वो दूसरी पारी में भी गिल ने बैटिंग नहीं की और टीम इंडिया वो टेस्ट मैच 30 रन से हार गई.इसके बाद से ही गिल कोलकाता में ही आराम कर रहे थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को डॉक्टर्स ने पूरी तरह से आराम की सलाह दी थी और कहा गया था कि कहीं भी आने-जाने से या लंबे सफर से उनकी दर्द बढ़ सकता है.

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज, चाईबासा व चक्रधरपुर में जारी हुआ वार्डवार पिछड़ा वर्ग का आंकड़ा

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड में नगर निकाय चुनावों को लेकर तैयारियां तेज़ हो चुकी हैं। राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और नगर विकास एवं आवास विभाग की पूर्व अधिसूचना के आधार पर नगरपालिकाओं में पिछड़ा वर्ग- अत्यंत पिछड़ा वर्ग-ढ्ढ एवं पिछड़ा वर्ग-ढ्ढढ्ढ- की जनसंख्या का विस्तृत निकायवार और वार्डवार आंकड़ा जारी कर दिया है। यह डेटा विशेष तौर पर आरक्षण निर्धारण के लिए उपयोग किया जाएगा। जारी अधिसूचना के मुताबिक चाईबासा नगर परिषद के 21 वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-ढ्ढ के 18,242 और पिछड़ा वर्ग-ढ्ढढ्ढ की 5,262 आबादी हैं। इसी प्रकार चक्रधरपुर नगर परिषद में 23 वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-ढ्ढ के 21013 और पिछड़ा वर्ग-ढ्ढढ्ढ के 3219 जनसंख्या है। विभाग ने साफ किया है कि ये आंकड़े केवल नगर निकाय चुनाव हेतु मान्य होंगे और इन्हीं को आधार बनाकर आरक्षण तय किया जाएगा। अब सभी की निगाहें राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी किए जाने वाले आरक्षण रोस्टर पर टिकी हैं। रोस्टर घोषित होते ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि किस वार्ड को किस श्रेणी के लिए आरक्षित किया गया है, जिसके बाद चुनाव की औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

हेमंत सरकार का बड़ा फैसला, अगले वित्तीय वर्ष से सहिया को मिलेगी 5500 रुपये प्रोत्साहन राशि

रांची, एजेंसी। राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत कार्यरत सहिया को अप्रैल 2026 से प्रोत्साहन राशि के रूप में एकमुश्त साढ़े पांच हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इनके अलावा लाभुकों को विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने के बदले में निर्धारित राशि भी मिलेगी। वर्तमान में सहिया को राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान से दो हजार रुपये के अलावा झारखंड स्वास्थ्य प्रहरी योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से दो हजार रुपये अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाते हैं। इस प्रकार अभी चार हजार रुपये प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि सहिया को मिलती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत मिलने वाली राशि में डेढ़ हजार रुपये की वृद्धि होगी, जिसके तहत अब इस मद से साढ़े तीन हजार रुपये मिलेंगे। इनमें केंद्रांश व राज्यांश की राशि अलग-अलग सम्मिलित हैं। राज्य सरकार द्वारा दी जानेवाली अतिरिक्त दो हजार रुपये की राशि जोड़ने पर मिलनेवाली कुल राशि साढ़े पांच हजार रुपये हो जाएगी। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने झारखंड स्वास्थ्य प्रहरी योजना के तहत सहिया, सहिया साथी तथा प्रखंड प्रशिक्षक दल को राज्य बजट से मिलने वाली अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मद में 108 करोड़ 34 लाख 65 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह राशि चालू वित्तीय वर्ष के लिए है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि सहिया बहनें राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है। राज्य सरकार उनकी जवाबदेही और कार्यों को देखते हुए अतिरिक्त राशि की स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्हें मजबूत, सक्षम और संसाधनयुक्त बनाना मेरा दायित्व है, ताकि वे और अधिक प्रभावी ढंग से जनता की सेवा कर सकें। उन्होंने सहिया से हर मरीज के बेहतर और समय पर इलाज में सक्रिय सहयोग करने की अपील भी की।

चार साल से अधिक समय से लोकायुक्त का पद रिक्त, हाई कोर्ट में आज फिर सुनवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड के लोकायुक्त, सूचना आयुक्त सहित सभी संवैधानिक पदों को भरने को लेकर दाखिल याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को सुनवाई होगी। तत्कालीन लोकायुक्त जस्टिस डीएन उपाध्याय के 29 जून 2021 को कोरोना से निधन के बाद से ही यह पद रिक्त पड़ा है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जांच व कार्रवाई करने वाली राज्य की इस सशक्त संस्था में चार साल से अधिक समय से लोकायुक्त नहीं हैं। इसके चलते लोकायुक्त कार्यालय की एक फाइल चार साल से अब तक नहीं हिली-डुली है। धूल फांक रही फाइलों में 3200 से अधिक शिकायतें दबी हैं, जो नए लोकायुक्त के आने के बाद ही खुलेंगी और जांच कार्रवाई आदि के लिए आगे बढ़ेंगी। लोकायुक्त के नहीं होने से उनके कार्यालय के कर्मी व पदाधिकारी हर दिन ड्यूटी तो आते हैं लेकिन बिना किसी कार्य किए शाम को वापस घर चले जाते हैं। पूरी व्यवस्था ठप पड़ी है। सेना के उपयोग वाली जमीन की फर्जी कागजात पर खरीद-बिक्री का मामला सबसे पहले लोकायुक्त के यहां आया था। इसे तत्कालीन लोकायुक्त ने पकड़ा व तत्कालीन रांची के आयुक्त से जांच कराई, जिसमें फर्जीवाड़ा उजागर हुआ था। लोकायुक्त ने जिस घोटाले को पकड़ा। बाद में ईडी ने उक्त केस की मनी लांड्रिंग के तहत जांच की और सनसनीखेज खुलासा किया। फर्जी दस्तावेज पर उक्त जमीन की खरीद-बिक्री का मामला उजागर हुआ।जमीन घोटाला केस में अलग-अलग जमीन के कागजात में फर्जीवाड़ा का लिंक मिलता गया। ईडी ने इस केस में आइएएस अधिकारी सहित दर्जनभर से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामला पीएमएलए कोर्ट में लंबित है।

मौसम अगले पांच दिनों में हल्का कोहरा आंशिक बादल, कुछ जगहों पर हल्की बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार 25 नवंबर के आसपास तक राज्य के कई जिलों में हल्का कोहरा, आंशिक बादल और कुछ जगहों पर हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। इसके साथ ही रात के तापमान में 2डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट की संभावना जताई गई है। विभाग ने साफ किया है कि इस अवधि में अधिकांश दिनों में मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में बादल छाने और हल्की गर्जना की स्थिति बन सकती है।

अगले दो दिन शुष्क रहेगा मौसम : झारखंड के सभी हिस्सों में अगले दो दिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह हल्का कोहरा छाने के बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। इन दोनों दिनों में किसी भी जिले में बारिश की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 27-28डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 13-14डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है। 22 और 23 नवंबर को राज्य के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पाकुड़ और साहिबगंज समेत कई जिलों में आंशिक बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की गर्जना के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि बादल बढ़ने से रात के तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है। न्यूनतम तापमान 12डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। वहीं, हवा की गति भी सामान्य से थोड़ी अधिक रह सकती है।

24-25 नवंबर को होगा ठंड में इजाफा : 24 और 25 नवंबर को मौसम फिर से शुष्क होने का अनुमान है। सुबह हल्का कोहरा छाएगा और दिन चढ़ने के साथ धूप निकलेगी। रात के तापमान में गिरावट जारी रहेगी और यह 12डिग्री सेल्सियस तक आने की संभावना है।

इस अवधि में दिन का तापमान 27डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। मौसम केंद्र का कहना है कि आगामी दो दिनों में सुबह और रात की ठंड और बढ़ सकती है। उत्तर और मध्य झारखंड में सुबह के समय हल्की शीतलहर जैसी स्थिति भी बन सकती है।

तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा जारी : मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने झारखंड के सभी जिलों के लिए पांच दिनों का तापमान पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 19 से 23 नवंबर के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। हालांकि, अधिकतर जिलों में दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक बना रहेगा, जबकि रात में ठंड बढ़ने के संकेत हैं।

देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री तक रहने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान 14 से 19 डिग्री के बीच दर्ज होगा। दुमका और जामताड़ा जैसे क्षेत्रों में रात का तापमान 13-14 डिग्री तक गिरने के संकेत हैं।

12 डिग्री तक रहेगा चार जिलों का पारा : चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा और गढ़वा जैसे जिलों में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री तक दर्ज किया जा सकता है। इन जिलों में दिन का तापमान 27 से 31 डिग्री तक रहेगा। पलामू में अधिकतम पारा 32 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

राजधानी रांची में 19 से 23 नवंबर के बीच अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 12-14 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। हजारीबाग, बोकारो और रामगढ़ में भी न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री तक दर्ज होने की संभावना है। पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 12 से 15 डिग्री तक रहेगा।

चैनपुर अंचल का बड़ा बाबू 5500 रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। पलामू में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एसीबी ने गुरुवार को चैनपुर अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू विनोद कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सुबह कार्यालय खुलने के कुछ देर बाद ही एसीबी की विशेष टीम ने यह छापा मारा, जिससे पूरे अंचल कार्यालय परिसर में अफरातफरी की स्थिति बन गई। अधिकारियों के अनुसार, बड़ी बाबू विनोद कुमार दस्तावेज की नकल निकालने के नाम पर 5500 रुपए की अवैध वसूली कर रहे थे।

शिकायत के बाद सत्यापन, फिर ट्रैप ऑपरेशन : एसीबी को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि बड़ा बाबू दस्तावेज उपलब्ध कराने के एवज में रिश्वत मांग रहे हैं। टीम ने पहले शिकायत की जांच की और पाया कि आरोप सही हैं। सत्यापन के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप ऑपरेशन तैयार किया। गुरुवार को जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से 5500 रुपए लिए, एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें वहीं दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद कार्यालय के कर्मचारियों में भी खलबली मच गई और लोग घटना को लेकर चर्चा करते रहे।

कार्यालय और आवास दोनों जगह छापेमारी : गिरफ्तारी के तुरंत बाद एसीबी टीम ने चैनपुर अंचल कार्यालय में तलाशी अभियान चलाकर कई संबंधित दस्तावेज जब्त किए। अधिकारियों का कहना है कि रिश्वत से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। इसके बाद आरोपी विनोद कुमार को उनके सिंगरा स्थित आवास पर ले जाया गया, जहां टीम ने विस्तृत तलाशी ली। घर से मिले कागजात और सामान को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा पहुंचीं चाईबासा:नक्सल अभियान की चुनौतियों पर की उच्चस्तरीय समीक्षा

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड की प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा बुधवार को चाईबासा दौरे पर पहुंचीं। उन्होंने यहां नक्सलियों के खिलाफ जारी अभियान की उच्चस्तरीय समीक्षा की। टाटा कॉलेज मैदान स्थित हेलीपैड पर कोल्हान रेंज के डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा, उपायुक्त चंदन कुमार, एसपी अमित रेणु सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

हेलीपैड से डीजीपी मिश्रा सीधे जिला समाहरणालय स्थित पुलिस कार्यालय सभागार पहुंचीं। इस बैठक में जिले में चल रहे सर्च ऑपरेशन, जंगल क्षेत्र में अभियान के दौरान आने वाली चुनौतियों, सुरक्षा बलों की तैनाती, समन्वय और संसाधन संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। डीजीपी ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ अभियान की वास्तविक कठिनाई इसके जमीनी कार्यान्वयन में होती है। उन्होंने ऐसे अभियानों में पुलिस के साथ वन विभाग और सिविल प्रशासन के सहयोग को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इन्हीं सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में स्थिति बेहतर होगी और अभियान अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ेगा। डीजीपी ने कहा कि नक्सल उन्मूलन में ठोस प्रगति के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती, प्रबंधन और समन्वय को मजबूत करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अपने नए दायित्व के बारे में पूछे जाने पर डीजीपी मिश्रा ने टीमवर्क में विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने सीआरपीएफ, कोबरा और राज्य पुलिस के अनुभवी अधिकारियों व जवानों को अपनी बड़ी ताकत बताया।

गिरिडीह के पोबी में भीषण सड़क हादसा:तेज रफ्तार बाइक पोल से टकराई, दो युवकों की दर्दनाक मौत

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड स्थित पोबी गांव में बुधवार की देर रात हुए भयावह सड़क हादसे में रोहित तुरी (22) और चंदन तुरी (22) की जान चली गई। उनकी बाइक बेकाबू होकर बिजली के खंभे से टकरा गई थी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों युवक किसी निजी काम से शाम को जमुआ गए थे।

देर रात लौटते समय पोबी मोड़ से करीब 100 मीटर पहले अचानक बाइक नियंत्रण खो बैठी। तेज रफ्तार में बिजली के पोल से सीधी टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। वहीं युवक दूर जाकर गिरे। घटना की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़े, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं।

गिरिडीह में आज पोस्टमॉर्टम

हादसे की सूचना मिलते ही जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों शवों को कब्जे में लेकर रात में ही थाना ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार ही पाया गया है। बाइक इतनी तेजी से पोल से टकराई कि किसी तरह की बचने की संभावना नहीं बची।

आज सुबह गिरिडीह सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम की गई। इधर, बाइक की स्थिति देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था कि टक्कर कितनी भयावह रही होगी। आसपास मिले टायर के निशान भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि बाइक बेकाबू होकर फिसलते हुए पोल से जा भिड़ी।

गांव में पसरा मातम, परिवारों पर टूटा संकट

घटना की खबर फैलते ही पोबी गांव में कोहराम मच गया। दोनों युवक परिवारों के अंतिम कमाने वाले सदस्य थे, जिनकी मेहनत-मजदूरी से घर चलता था। उनके अचानक चले जाने से परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में सुबह से ही लोगों का हुजूम मृतकों के घरों पर उमड़ पड़ा।

ग्रामीणों ने हादसे के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और चेतावनी संकेतक नहीं हैं, जिसके कारण रात में वाहन चलाना जोखिम भरा होता है।

घर से 10 लाख रुपए के आभूषण की चोरी:चोरों ने चाबी से खोला अलमारी और निकाले गहने

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चंद्री कला गांव में एक सूने घर से लगभग 10 लाख रुपए के आभूषणों की चोरी हो गई है। यह घटना मंगलवार रात को उस समय हुई, जब गृहस्वामी कलीमुद्दीन खान का परिवार चतरा स्थित अपने दूसरे घर पर था। कलीमुद्दीन खान ने बताया कि चोरी की वारदात आधी रात 12 बजे के बाद अंजाम दी गई। उन्होंने प्रतापपुर पुलिस को घटना की सूचना दी और थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

घर के अंदर की गली से प्रवेश कर अंदर का ताला तोड़ा

प्रतापपुर थाने के एएसआई श्री राम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शुरुआती जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जो संदेह पैदा कर रहे हैं। एएसआई के अनुसार, चोर मुख्य सड़क की ओर वाले दरवाजे से नहीं घुसे, बल्कि घर के अंदर की गली से प्रवेश कर अंदर का ताला तोड़ा। सबसे हैरान करने वाला तथ्य यह है कि चोरों ने गोदरेज का ताला तोड़ने की बजाय उसकी चाबी ढूंढ़कर अलमारी खोली और आभूषण चुराए। पुलिस का मानना है कि यह मामला सवालों के घेरे में है। क्योंकि चोरों को गोदरेज की चाबी के स्थान की जानकारी कैसे मिली, यह रहस्य बना हुआ है।

पुलिस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही

इस संबंध में प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी ने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है। चोरों के प्रवेश का तरीका और गोदरेज को चाबी से खोलने का रहस्य पुलिस की तफ्तीश का मुख्य केंद्र है। पुलिस जल्द ही इस चोरी के रहस्य से पर्दा उठाने का दावा कर रही है।

बालू ढुलाई के लिए जंगल व पहाड़ों में बनाए खुफिया रास्ता

गढ़वा, एजेंसी। धुरकी प्रखंड क्षेत्र के कनहर तटीय इलाकों में अवैध बालू खनन लगातार बेकाबू होता जा रहा है। भंडार पंचायत के कदवा उर्फ लिखनीधौरा बालू घाट, अंबाखोरया पंचायत के माचपानी के झबरी कहुआ एवं प्रतिबंधित बालचौरा बालू घाट पर जेसीबी से खनन और हाइवा-टीपर से परिवहन की खबरें प्रकाशित होने के बाद भी अवैध गतिविधियों में कमी नहीं आई है। प्रशासन ने केवल बालचौरा में छापेमारी की, जहां दो स्थानों पर महबूब अंसारी के रैयती खेत में अवैध रूप से बालू भंडारण पाया गया और इसे खनन विभाग ने जब्त भी किया।

इसके बावजूद कनहरतटीय क्षेत्रों में अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल और तेज होता जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बालू माफिया नदी तट पर खुलेआम जेसीबी चलवा रहे हैं। जंगलों और पहाड़ों को काटकर उन्होंने दर्जनों खुफिया रास्ते बना लिए हैं ताकि प्रशासन की नजरों से बचा जा सके। ग्रामीणों का आरोप है कि निजी जरूरतों जैसे घर निर्माण या प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए बालू लाने पर भी माफिया उन्हें रोक देते हैं।

इससे स्पष्ट है कि इन प्रतिबंधित घाटों पर बालू माफिया ने अप्रत्यक्ष रूप से पूरा कब्जा जमा लिया है।रात होते ही अवैध बालू परिवहन का खेल और तेज हो जाता है। मुख्य रूप से धुरकी-नगरउंटारी पथ और अंबाखोरया-डंडई-मेराल मार्ग से हाइवा और ट्रकों की आवाजाही शुरू हो जाती है। कई ग्रामीण बताते हैं कि रात नौ बजे के बाद इन मार्गों पर भारी वाहनों की कतार लगी रहती है। दूसरी ओर, अवैध कारोबार से जुड़े कई लोग दिनभर थाना परिसर में मंडराते नजर आते हैं, जिससे उनके बढ़ते मनोबल का अंदाज़ लगाया जा सकता है।

झारखंड में निकाय चुनाव की रणभेरी बजी, पिछड़ा वर्ग की आबादी तय; अब आरक्षण पर निगाहें

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड में लंबे समय से रुके हुए नगर निकाय चुनावों की रणभेरी बज गई है। राज्य सरकार द्वारा बहुप्रतीक्षित अधिसूचना जारी करने के साथ ही अब आगामी चुनाव में मानगो नगर निगम के कुल 36, आदित्यपुर नगर निगम के 35, जुगसलाई नगर परिषद के 22 और कपाली नगर परिषद के 21 वार्डों पर मतदान का रास्ता साफ हो गया है।

सरकार ने इन सभी निकायों के लिए वार्डवार पिछड़ा वर्ग (अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 एवं पिछड़ा वर्ग-2) की जनसंख्या के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए हैं, जो अब सीटों के आरक्षण का मुख्य आधार बनेंगे।

यह अधिसूचना इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि इसी के अभाव में राज्य में अप्रैल 2023 से निकाय चुनाव स्थगित थे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने विकास कृष्णराव गवली बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में फैसला देते हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट को अनिवार्य कर दिया था।

इस निर्देश का पालन करने के लिए राज्य सरकार को पहले एक डेडिकेटेड कमीशन का गठन कर पिछड़ेपन की प्रकृति का अध्ययन कराना था, फिर उसी कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की सिफारिश करनी थी, जिसमें कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

इसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए गठित डेडिकेटेड कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर अब यह वार्डवार जनसंख्या अधिसूचित की गई है।

कहां कितनी पिछड़ी आबादी, वार्डों का लेखा-जोखा

जारी अधिसूचना ने कोल्हान के इन चार प्रमुख शहरी निकायों का राजनीतिक समीकरण तय कर दिया है। आंकड़ों का विश्लेषण करने पर हर निकाय में कुछ वार्ड ऐसे हैं, जहां पिछड़ा वर्ग की आबादी निर्णायक साबित होगी।

मानगो नगर निगम के आंकड़ों पर गौर करें तो यहां के वार्ड संख्या 27 में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की आबादी सबसे अधिक 4410 है, जबकि सबसे कम 646 आबादी वार्ड संख्या 32 में है। वहीं, पिछड़ा वर्ग-2 की सर्वाधिक 1094 की आबादी वार्ड संख्या 1 में और सबसे कम महज 4 की आबादी वार्ड संख्या 25 में दर्ज की गई है।

इसी तरह, आदित्यपुर नगर निगम में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की सबसे बड़ी आबादी 3238 वार्ड संख्या 21 में है, जबकि सबसे कम 134 लोग वार्ड संख्या 34 में हैं। यहां पिछड़ा वर्ग-2 के सर्वाधिक 479 मतदाता वार्ड संख्या 1 में और सबसे कम 38 मतदाता वार्ड संख्या 34 में हैं।

जुगसलाई नगर परिषद में भी समीकरण रोचक हैं। यहां वार्ड संख्या 10 में सबसे ज्यादा 2031 की बीसी-1 आबादी है, तो वहीं वार्ड संख्या 17 में सबसे कम 151 है। पिछड़ा वर्ग-2 की सर्वाधिक 1428 की आबादी वार्ड संख्या 13 में है, जबकि सबसे कम 9 लोग वार्ड संख्या 1 में हैं।

कपाली नगर परिषद के आंकड़े सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले हैं। यहां अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की आबादी तो अच्छी खासी है, जिसमें वार्ड 3 में सर्वाधिक 1685 और वार्ड 7 में सबसे कम 852 लोग हैं। लेकिन पिछड़ा वर्ग-2 की आबादी लगभग नगण्य है। यहां के वार्ड 19 में इस वर्ग की सर्वाधिक आबादी सिर्फ 23 है, जबकि कई वार्डों जैसे 1, 2, 5, 7, 10, 11, 14, 16, 17 और 20 में यह संख्या शून्य है।

अब आरक्षण रोस्टर पर टिकी निगाहें

इन आधिकारिक आंकड़ों के सामने आने के बाद अब सभी की निगाहें राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले आरक्षण रोस्टर पर टिक गई हैं। आयोग इन्हीं आंकड़ों को आधार बनाकर यह तय करेगा कि कौन सा वार्ड पिछड़ा वर्ग की किस श्रेणी के लिए आरक्षित होगा।

रोस्टर जारी होते ही चुनाव की औपचारिक घोषणा की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस घोषणा ने उन हजारों संभावित उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ा दी हैं, जो लंबे समय से चुनाव का इंतजार कर रहे थे और अब अपने-अपने वार्डों के नए सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों का आकलन करने में जुट गए हैं।